RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 65
नई दिल्ली, सोमवार, 10 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

कोहली की तीसरे टेस्ट मैच में वापसी की संभावना
स्पोर्ट्स-10

पीएम ने देश में कोविड-19 की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की

● जिला स्तर पर पर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के चलते तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के मद्देनजर देश में मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जिलों में पर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा तैयार करने और किशोरों के टीकाकरण अभियान को मिशन मोड के आधार पर बढ़ावा देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कोराना वायरस के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए जांच और टीकों के अलावा जीनोम सिक्वेंसिंग सहित अन्य संबंधित मामलों के शोध की आवश्यकता पर बल दिया। कोविड पर नियंत्रण के लिए मास्क के इस्तेमाल और उचित दूरी के पालन की जरूरत को रेखांकित करते हुए उन्होंने हल्के व बगैर लक्षण वाले संक्रमण के मामलों में घरों में पृथकवास की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से हुई इस बैठक में कोविड मामलों के प्रबंधन के साथ, गैर कोविड स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखने का भी आह्वान किया और कहा कि राज्यवार परिदृश्यों और उनके द्वारा किए जा रहे सर्वोत्तम प्रयासों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक बुलाई जानी चाहिए।पीएमओ के मुताबिक उन्होंने कहा कि कोविड-उपयुक्त व्यवहार केंद्रित जन आंदोलन की निरंतरता महामारी के खिलाफ हमारी लड़ाई में महत्वपूर्ण है।

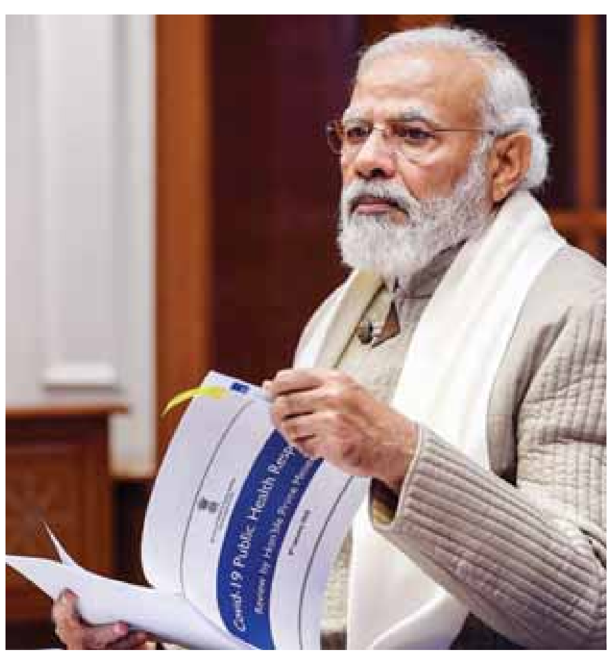

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

सुप्रीम कोर्ट और संसद के सैकड़ों कर्मचारी संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में तेज बढ़ोतरी के बीच उच्चतम न्यायालय के चार न्यायाधीश और लगभग पांच फीसदी यानी 150 कर्मी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इसी तरह संसद के भी 400 कर्मचारी कोविड की चपेट में आ गए हैं। यह घटनाक्रम संसद के बजट सत्र से कुछ दिन पहले सामने आया है। बजट सत्र आमतौर पर जनवरी के आखिर में शुरू होता है। शीर्ष अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि शीर्ष अदालत के 32 न्यायाधीशों में से कम से कम चार न्यायाधीश और लगभग 3,000 कर्मचारियों में से 150 वर्तमान में वायरस से संक्रमित हैं। वहीं, लोकसभा और राज्यसभा (शेष पेज 9)

देश में पिछले 24 घंटे में 1,59,632 नए मामले

नई दिल्ली(भाषा)। भारत में ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के 552 नए मामले सामने आने के बाद देश के 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के इस स्वरूप से अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,623 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,59,632 नए मामले सामने आए, जो पिछले 224 दिन में सामने (शेष पेज 9)

रक्षा मंत्रालय के पास 18 लाख एकड़ भूमि

● देश में किसी अन्य संस्था के पास नहीं इतनी जमीन, तीन साल तक चले सर्वे से मिली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय के पास लगभग 18 लाख एकड़ भूमि है। इस तरह यह संस्थान देशभर में सबसे अधिक जमीन का मालिक है। हाल ही में हुए एक डिजिटल सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्रालय के पास लगभग 17.99 लाख एकड़ जमीन है। इनमें कुल भूमि में लगभग 1.61 लाख एकड़ 62 अधिसूचित छावनियों के भीतर स्थित है। छावनी के बाहर कई इलाकों में करीब 16.38 लाख एकड़ जमीन फैली हुई है। इस 16.38 लाख एकड़ भूमि में से लगभग 18,000 एकड़ या तो राज्य द्वारा किराए पर ली गई भूमि है या अन्य सरकारी विभागों को हस्तांतरण के कारण रिकॉर्ड से हटाने के लिए प्रस्तावित है।

रक्षा भूमि का स्पष्ट सीमांकन और सीमा सर्वेक्षण के लिए रक्षा भूमि की सुरक्षा, मंत्रालय के शीर्षक की रक्षा, भूमि अभिलेखों के अद्यतन, मानचित्रों और अतिक्रमणों की रोकथाम के लिए और सीमाओं का निर्धारण करना आवश्यक है। रक्षा मंत्रालय के रक्षा संपदा महानिदेशालय ने अक्टूबर 2018 से रक्षा भूमि का सर्वेक्षण शुरू किया था। छावनियों के अंदर लगभग 1.61 लाख एकड़ और छावनियों के बाहर 16.17 लाख एकड़ (कुल 17.78 लाख एकड़) रक्षा भूमि के सर्वेक्षण की कवायद पूरी हो चुकी है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है क्योंकि आजादी के बाद पहली बार विभिन्न राज्य सरकारों के राजस्व अधिकारियों के सहयोग से नवीनतम तकनीक का उपयोग करके और बड़ी संख्या में जेब में पूरी रक्षा भूमि का सर्वेक्षण किया गया है। देश भर में लगभग 4,900 टुकड़ों की भूमि में कई स्थानों पर दुर्गम भूभाग, भूमि जोत का परिमाण और विभिन्न हितधारकों का सहयोग इस सर्वेक्षण को देश के सबसे बड़े भूमि सर्वेक्षणों में से एक बनाता है। सर्वेक्षण में इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन (ईटीएस) और डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) जैसी आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकों का उपयोग किया गया था। सर्वेक्षण प्रक्रिया को और तेज करने के लिए, पहली बार विश्वसनीय, मजबूत और समयबद्ध परिणामों के लिए ड्रोन इमेजरी और सैटेलाइट इमेजरी-आधारित सर्वेक्षणों का भी उपयोग किया गया। राजस्थान में लाखों एकड़ रक्षा भूमि के सर्वेक्षण के लिए ड्रोन इमेजरी आधारित सर्वेक्षण तकनीक का उपयोग किया गया।

सर्वेयर जनरल ऑफ इंडिया की सहायता से पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण कुछ ही हफ्तों में किया गया, जिसमें पहले वर्षों लग जाते थे। इसके अलावा, कई रक्षा भूमि टुकड़ों के लिए पहली बार सैटेलाइट इमेजरी-आधारित सर्वेक्षण किया गया, खासकर कुछ निश्चित इलाकों की लाख एकड़ रक्षा भूमि को मापने के लिए। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के सहयोग से डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) का उपयोग करके पहाड़ी क्षेत्रों में रक्षा भूमि के बेहतर दृश्य के (शेष पेज 9)

ईरान ने अफगानिस्तान को सहायता पहुंचाने में भारत को मदद की पेशकश की

भाषा। नई दिल्ली

ईरान ने गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान को गेहूं, दवाएं और कोरोना वायरस के टीके पहुंचाने में भारत को मदद की पेशकश की है। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ शनिवार को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन ने यह पेशकश की थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब्दुल्लाहियन ने काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की भी मांग की।

इसने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान के संबंध में, आमिर-अब्दुल्लाहियन ने देश में एक समावेशी सरकार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अफगानिस्तान में भारत की मानवीय सहायता का भी उल्लेख किया। साथ ही गेहूं, दवा और कोविड-19 वैक्सीन के रूप में इस सहायता में ईरान के सहयोग की घोषणा भी की। ईरान और अफगानिस्तान लगभग 920 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत पहले ही जीवन रक्षक दवाओं और कोविड-19 टीकों की तीन अलग-अलग खेप अफगानिस्तान भेज चुका है, जबकि पहली खेप एक विशेष चार्टर उड़ान पर भेजी गई थी, जिसके माध्यम से काबुल से 104 लोगों को नई दिल्ली लाया गया था। बाद की सहायता ईरान की महान एयर की उड़ान के माध्यम से काबुल भेजी गई थी। भारत ने अफगानिस्तान को 50,000 टन गेहूं की आपूर्ति का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हो सका है, क्योंकि पाकिस्तान के सड़क मार्ग के जरिए अफगानिस्तान को सहायता पहुंचाने के तौर-तरीके के बारे में इस्लामाबाद फैसला नहीं कर सका है। भारत के पास ईरान में चाबहार बंदरगाह के जरिए अफगानिस्तान को सहायता भेजने का विकल्प मौजूद है। जयशंकर ने शनिवार को ट्वीट किया था, ईरानी सहयोगी, विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन से व्यापक बातचीत हुई। उनसे कोविड की कठिनाइयों, अफगानिस्तान में चुनौतियों, चाबहार की संभावनाओं और ईरानी परमाणु मुद्दे की जटिलताओं पर चर्चा हुई। गत वर्ष 15 अगस्त को तालिबान के कब्जे में आने के बाद से अफगानिस्तान के घटनाक्रम को लेकर भारत और ईरान परस्पर संपर्क में हैं। ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दो महीने पहले अफगान संकट पर भारत द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया था।

सम्मेलन में रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भी भाग लिया था। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब्दुल्लाहियन ने प्रमुख द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जयशंकर के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। इसमें कहा गया है, ईरान में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में नवीनतम स्थिति के बारे में भारतीय विदेश मंत्री के सवाल के जवाब में, अब्दुल्लाहियन ने इस्लामिक (शेष पेज 9)

नीट-पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू होगी : मांडविया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि नीट-पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू होगी। उच्चतम न्यायालय ने सात जनवरी को अपने अंतरिम आदेश में 2021-22 के लिए नीट-पीजी दाखिले के वास्ते मेडिकल काउंसलिंग बहाल करने की अनुमति दे दी थी। न्यायालय ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की वैधता पर भी मुहर लगाई थी। मांडविया ने ट्वीट किया, रेजिडेंट डॉक्टरों को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिए आश्वासन के अनुसार, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद मेडिकल काउसलिंग समिति द्वारा नीट-पीजी काउन्सलिंग 12 जनवरी 2022 से शुरू की जा रही है। उन्होंने लिखा, इससे कोरोना से लड़ाई में देश को और मज़बूती मिलेगी। सभी उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। नीट-पीजी परीक्षा 11 सितंबर, 2021 को हुई थी।

चुनाव के समय कांग्रेस नेताओं को खल रही राहुल की कमी

● पार्टी के पूर्व अध्यक्ष 15 जनवरी के बाद ही लौटेंगे विदेश से

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पखवाड़े भर के लिए विदेश में छुट्टियां बिताने चले जाने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं में खासी नाराजगी है। उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। ऐसे में मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही पार्टी को इस जरूरत के समय कोई दिशा देने वाला मौजूद नहीं है। राहुल बीते 30 दिसंबर को पांच दिन की निजी यात्रा पर विदेश गए थे और सूत्रों का कहना है कि वह 15 जनवरी से पहले नहीं लौटेंगे।

पार्टी की पंजाब इकाई को 3 जनवरी को होने वाली राहुल गांधी की मोगा रैली को पुनर्निर्धारित कर 15 जनवरी करना पड़ा। यह अलग बात है कि कोविड के बढ़ते मामलों के कारण चुनावी रैलियों पर 15 जनवरी तक रोक लगा दी है और हालात की समीक्षा के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। राहुल गांधी को पीएम मोदी की 5 जनवरी की फिरोजपुर रैली से पहले अपनी मोगा रैली से पंजाब में चुनाव अभियान की शुरुआत करनी थी। सुरक्षा में चूक के कारण पीएम मोदी का दौरा भी रद्द कर दिया गया। कांग्रेस के पास पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में काफी कुछ दांव पर लगा है और पार्टी इन तीनों राज्यों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भी कर रही है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता इस बात से पूरी तरह अनजान हैं कि चुनाव की घोषणा होने और अन्य दलों के चुनाव प्रचार में कूदने के बावजूद आखिर राहुल ने अपनी छुट्टियां आगे क्यों बढ़ाईं। राहुल गांधी संसद के शीतकालीन सत्र से पहले उस समय भी विदेश चले गए थे जब उनकी पार्टी और समूचा विपक्ष संसद में सरकार को घेरने की रणनीति बनाने में व्यस्त था। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक बड़ा गतिरोध देखा गया था।

दिसंबर 2020 में कांग्रेस के 136वें स्थापना दिवस पर राहुल इटली के लिए रवाना हुए थे। अक्टूबर 2019 में हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से ठीक 15 दिन पहले भी राहुल गांधी कथित तौर पर विदेश गए थे। नवंबर 2019 में कांग्रेस ने मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ देश भर में 35 प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की योजना बनाई थी, लेकिन कथित तौर पर इन प्रेस कॉन्फ्रेंस का (शेष पेज 9)

मप्र में बड़े बाल एवं लंबी मूंछें रखने पर पुलिस कांस्टेबल निलंबित

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश पुलिस ने बड़े बाल एवं लंबी मूंछें रखने पर एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। मध्य प्रदेश के सहायक पुलिस महानिरीक्षक प्रशान्त शर्मा ने इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी किए, जो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शर्मा मध्य प्रदेश सहकारी धोखाधड़ी एवं लोक सेवा गारंटी के सहायक पुलिस महानिरीक्षक हैं और यहां पुलिस मुख्यालय में पदस्थ हैं। शर्मा ने रविवार को पीटीआई-भाषा से बतचीत में इस निलंबन की पुष्टि भी की है। उन्होंने कहा कि निलंबित किया गया कांस्टेबल राकेश राणा भोपाल में पुलिस के मोटर ट्रांसपोर्ट पूल (एम टी पूल) में पदस्थ हैं और सहकारी धोखाधड़ी एवं लोक सेवा गारंटी के विशेष पुलिस महानिदेशक के वाहन चालक के रूप में कार्यरत थे। शर्मा ने बताया, उसका हुलिया अत्यधिक खराब दिखाई दे रहा है। उसे अपन हुलिया ठीक करने हेतु बाल एवं मूंछ उचित ढंग से कटवाने हेतु निर्देश दिए गए। लेकिन, उसने इस आदेश का पालन नहीं किया एवं बाल एवं मूंछ जस के तस रखने की हठ बनाए रखा। उन्होंने कहा कि यह वर्दी नियमों के तहत अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है तथा इस कृत्य का अन्य कर्मचारियों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। शर्मा ने बताया, इसलिए राणा को सात जनवरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वहीं, राणा ने एक टीवी चैनल से कहा, आज से पहले भी कई पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस जवानों ने मूंछें रखी हैं और देखने में भी आया है कि मूंछों में जवान बहुत अच्छे एवं स्मार्ट लगते हैं। मैं वर्दी में रहता हूं और पिछले एक साल से ड्यूटी कर रहा हूं, लेकिन तब किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा, मैं निलंबन का सामना कर सकता हूं, लेकिन मूंछें नहीं कटवा सकता, क्योंकि यह मेरे आत्मसम्मान एवं स्वाभिमान से भी जुड़ी है।

बाजार

सेंसेक्स	59,744	
निफ्टी	17,812	
सोना	46,415	/10g
चांदी	59,044	/kg

क्विक न्यूज

गुरु गोबिंद सिंह के बेटों की स्मृति में हर बार 26 दिसंबर को मनाया जाएगा वीर बाल दिवस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह के चारों बेटों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस साल से 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर यह घोषणा की। उन्होंने ट्वीट किया कि यह साहिबजादों के साहस और न्याय स्थापना की उनकी कोशिश को उचित श्रद्धांजलि है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्रों की मुगलों ने हत्या कर दी थी। मोदी ने ट्वीट किया, वीर बाल दिवस उसी दिन मनाया जाएगा, जब साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी ने दीवार में जिंदा चिनवा दिए जाने के बाद शहीदी प्राप्त की थी।

पहाड़ों में बर्फबारी, मैदानों में वर्षा से बढ़ी ठंड

● अगले तीन दिन पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा में होगी बारिश

● हरियाणा, पंजाब और पश्चिम उत्तर प्रदेश में चार दिन तक सताएगा कोहरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में खूब बर्फबारी हो रही है। क्या पहाड़, क्या घर-पार्किंग और दूर-दूर तक फैले मैदान, सभी बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। इस बर्फबारी का आनंद उठाने के लिए रविवार को कश्मीर और हिमाचल के कई इलाकों में पर्यटकों का ऐसा जमघट लगा कि अनेक सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई। इस बीच, दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में बारिश से ठंड बढ़ गई है। अगले तीन दिन 3 से 5 डिग्री तक पारा और गिर सकता है।

जम्मू कश्मीर में रामबन जिले में भारी बर्फबारी और कई जगह भूस्खलन होने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को तीसरे दिन भी बंद रहा। हालांकि रविवार को मौसम में कुछ सुधार हुआ है और सड़क पर यातायात बहाल करने का काम तेज कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ी के ऊपर माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा मंदिर तक हेलीकॉप्टर सेवा फिर से शुरू हो गई, जबकि बैटरी कार सेवा को फिर से शुरू करने के प्रयास जारी हैं। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने लोगों से कहा कि वे हिमस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में न जाएं और अगले दो दिनों के दौरान सतर्क रहें। हालांकि, बर्फबारी रुक गई है, लेकिन हिमस्खलन का खतरा बना हुआ है।

नए साल की पहली बर्फबारी से हिमाचल प्रदेश के कई पर्यटन स्थल खूबसूरत बन पड़े हैं। हालांकि प्रचंड शीतलहर ने आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। प्रदेश

रविवार को शिमला में हिमपात का आनंद उठाते पर्यटक

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शनिवार को भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश व ओले पड़े। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में कुल 350 सड़कें बंद हैं और 680 बिजली के ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में आगामी 24 घंटों में भारी बारिश-बर्फबारी चेतावनी देते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। उधर, भारी बर्फबारी के कारण अटल टनल रोहतांग यातायात के लिए फिर बंद हो गई है। अटल टनल बंद होने के कारण मनाली-केलांग मार्ग पर बसों के अलावा छोटे वाहनों की आवाजाही भी पूरी तरह रुक गई है।

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोत, धर्मशाला-मैकलोडगंज के नड्डी भागसुनाग, जनजातीय क्षेत्र भरमौर, कुल्लू ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। जोत मार्ग फिलहाल बंद है और आवाजाही बाया बनीखेत हो रही है। पर्यटन नगरी डलहौजी की हरी भरी खूबसूरत वादियां भी बर्फ से ढक गई हैं। बर्फबारी होने से शनिवार से ही चहल-पहल है। रविवार को यहां खासी भीड़ देखने को मिली। पर्यटकों की गाड़ियां संकरी सड़कों पर जाम में फंस गईं, इससे कुछ परेशानियां भी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार हिमाचल, कश्मीर जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में अब धीरे-धीरे मौसम में सुधार होगा। दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और चंडीगढ़ में वर्षा का दौर थमने की संभावना है और अगले चार दिन इलाकों में घना कोहरा परेशान करेगा। विभाग का कहना है कि दस तारीख से 12 तारीख के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों, ओडिश, पश्चिम (शेष पेज 9)

गौतमबुद्ध नगर में 1754 बूथों पर होगा मतदान

21 जनवरी को होगा नामांकन दाखिल, 16 लाख 23 हजार 545 मतदाता वोट डालेंगे

जिला प्रशासन ने तीनों विधानसभा को 26 जोनल मजिस्ट्रेट और 116 सेक्टरों में बांटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में होने वाले विधानसभा 2022 को लेकर चुनाव कार्यक्रम जारी हो गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता करते हुए पूरा कार्यक्रम जारी किया है। चुनावी प्रक्रिया 14 जनवरी 2022 से शुरू हो जाएगी। नोएडा, दादरी और जेवर में आगामी 10 फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों नोएडा, दादरी और जेवर पर चुनाव की अधिसूचना 14 जनवरी को शुरू होगी।

विस चुनाव की जानकारी देते डीएम सुहास एलवाई, पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार व अन्य अधिकारी।

21 जनवरी 2022 तक प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर सकते है। 24 जनवरी 2022 दिन सोमवार तक नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की जांच होगी। 25 जनवरी से ही उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकता है और नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 27 जनवरी 2022 है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों पर 10 फरवरी 2022 को मतदान होगा। मतदान होने के बाद 10 मार्च 2022 को मतगणना होगी और 12 मार्च 2022 तक घोषणा की जाएगी। जिले में आचार संहिता लागू हो गई है। इस बार तीनों विधानसभा सीट पर 16 लाख 23 हजार 545 मतदान करेंगे। गौतमबुद्ध नगर के डीएम सुहास एलवाई ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन विभाग की तरफ से मतदाताओं की अंतिम सूची पहले ही जारी कर दी गई थी। इस बार गौतमबुद्ध नगर में टोटल 82 हजार 939 नए मतदाताओं का नाम जोड़ा गया है, लेकिन जनपद से 27.017 मतदाताओं का नाम फाइनल सूची से बाहर किया गया है।

इस बार 16 लाख 23 हजार 545 लोग वोट डालेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि तीनों विधानसभा सीटों पर कुल 1754 बूथ बनाए गए हैं। जहां पर लोग अपना मतदान करेंगे। जिले में मतदान केंद्र की संख्या 552 हैं। सबसे ज्यादा मतदान केंद्र जेवर विधानसभा में 202 होंगे। दादरी में 201 और नोएडा में 149 मतदान केंद्र होंगे। तीनों विधानसभा को 26 जोनल मजिस्ट्रेट और 116 सेक्टरों में बांटा गया है।

अवैध शराब की रोकथाम के लिए हरियाणा से आने वाली गाड़ियों की जांच के निर्देश देते अधिकारी।

नोएडा में मिले कोरोना के 1149 मामले

- गाजियाबाद में 922, मेरठ में 715 केस मिले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

राजधानी दिल्ली के बाद अब एनसीआर में भी कोरोना के मामले में बढ़ते जा रहे है। गौतमबुद्ध नगर में 1149 केस, गाजियाबाद में 922, मेरठ में 715 केस मिले हैं।

बढ़ते मामलों को देखते हुए गाजियाबाद-नोएडा प्रशासन ने अपने बॉर्डरों पर सख्ती शुरू कर दी है। दिल्ली में दो दिन कर्फ्यू के दौरान अपने वाली गाड़ियों की जांच की गई। वहीं कोविड नियमों का उल्लघंन करने वालों के चालान भी काटे गए। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ समय में कोरोना ने काफी तेजी से रफ्तार पकड़ी हैं। दिन-प्रतिदिन संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद के मुताबिक, प्रदेश में पॉजिटिविटी दर बढ़कर 3.46 प्रतिशत हुई है। उन्होंने बताया बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 7695 नए मामले सामने आए है। जिसमें 4 मरीजों की मृत्यु हुई है। हालांकि, इस दौरान 253 मरीज़ डिस्चार्ज हुए हैं। बता दें कि इस समय प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या 25.974 है। वहीं अब तक अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि कोविड से 4 लोगों की मृत्यु दर्ज़ की गई है। यूपी में कोविड पॉजिटिविटी दर 3.46 प्रतिशत है। वहीं प्रदेश में 2,22,428 सैंपल की जांच की गई है। इसके साथ ही कोविड से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान में उत्तर प्रदेश ने 21 करोड़ टीकाकरण की संख्या पार कर ली है।

इसके साथ ही यहां सैंपल की जांच भी 9 करोड़ 46 लाख 51 हजार के पार हो गई है। प्रदेश ने बीती 30 दिसंबर को ही 20 करोड़ डोज लगाने का कीर्तिमान बनाया था।

पुलिस अलर्ट, नेताओं के होर्डिंग-बैनर हटे

- गाड़ियों के शीशे पर ब्लैक फिल्म होने पर की गई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश में आचार संहिता की घोषणा हो गई है। आचार संहिता की घोषणा होने के बाद पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने जिले में सभी अन्य पुलिस अफसरों और पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग निर्वाचन आयोग के आदेशों का पालन करवाएं।

आलोक सिंह की तरफ से निर्देश मिलने के बाद गौतमबुद्ध नगर पुलिस अलर्ट हो गई है। गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा नोएडा, दादरी और जेवर में 10 फरवरी को चुनाव होगा। जिले में पुलिस काफी अलर्ट हो गई है। बीती रात से ही चेकिंग अभियान चलाना शुरु कर दिया है।

इसके अलावा जिले में जहां पर भी नेताओं के होर्डिंग और बैनर लगे हुए हैं। उनको पुलिस कर्मचारी हटा रहे हैं। शनिवार की देर रात तक अभियान चलाकर पुलिस ने करीब एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर लगे होर्डिंग और बैनर को हटाया।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अधिकतर चौराहों पर पुलिस तैनात है। वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

अब जिले में किसी भी गाड़ी पर पार्टी का झंडा दिखाई नहीं देगा। जिस भी गाड़ी पर पार्टी का झंडा होगा, उसको तुरंत हटा दिया जाएगा। गाड़ियों के शीशे पर ब्लैक फिल्म और हूटर नहीं होंगे।

जिले में निर्वाचन आयोग के आदेशों का सख्ती से पालन किया जाए, अगर कोई व्यक्ति आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

बच्चा खेलता हुआ छत से गिरा इलाज के दौरान तोड़ा दम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में एक 5 साल का बच्चा खेलते समय छत से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में बच्चे को नोएडा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

बच्चे ने इलाज के दौरान शनिवार को दम तोड़ दिया है। इस मामले के बाद बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार नोएडा के सर्फाबाद गांव में रहने वाले सर्वजीत का 5 साल का बेटा आर्यन बीते 4 जनवरी को अपने घर की छत पर खेल रहा था।

उसी दौरान वह अचानक खेलते हुए छत से नीचे गिर गया। जिसके बाद उसके परिजनों ने अपने बेटे को गंभीर हालत में नोएडा में स्थित प्रकाश अस्पताल में भर्ती करवायाए जहां पर इलाज के दौरान 4 दिनों बाद शनिवार को आर्यन की मौत हो गई। घटना की जानकारी नोएडा पुलिस को दी गई है।

आचार संहिता से ग्रेनो वेस्ट परियोजना को देरी से मिलेगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आगामी विधानसभा चुनाव के कारण उत्तर प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई है। आचार संहिता लागू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शुरू होने वाली काफी परियोजनाओं पर अब अस्थाई रूप से रोक लगा दिया है। इनमें मुख्य रूप से सबसे बड़ी परियोजना ग्रेटर नोएडा वेस्ट वासियों के लिए है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो परियोजना का काम शुरू होने वाला था, लेकिन अब आचार संहिता के कारण मेट्रो परियोजना का काम रुक गया है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच में मेट्रो चलाने को लेकर करीब 12 दिनों पहले अहम बैठक हुई थी। इस बैठक में नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने टेंडर प्रक्रिया के तहत फि रनेंशिया बिड खोल दी थी, जिसमें जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट

लिमिटेड कंपनी सबसे कम लागत में काम करने के लिए आगे आई। यह कंपनी नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट को मेट्रो जोड़ने के लिए 592.99 करोड़ रुपए में पूरा होगा। अनुमान लगाया जा रहा था कि अगले कुछ हफ्तों के भीतर ही ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो का काम शुरू हो जाता, लेकिन आचार संहिता लगने के बाद अब मेट्रो का काम रुक गया है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में 9.15 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा।

इस पर 5 स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पर उत्तर प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार, नोएडा अथॉरिटी और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी मिलकर करीब 1100 करोड रुपए खर्च करेंगे। सिविल वर्क पर करीब 500 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। करीब एक दशक से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लोगों को इस परियोजना पर काम शुरू होने का इंतजार था। जो अब पूरा होने जा रहा है। खास बात यह है कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने शुरुआती वर्ष में ही इस परियोजना को मंजूरी दे दी थी।

दो लड़कियां गायब अपहरण की आशंका

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाना क्षेत्र अंतर्गत दो लड़कियां अपने घर से लापता हो गई। दोनों अलग-अलग मामले हैं।

शिकायत दर्ज करवाते समय बेटी के परिजनों ने दो अलग-अलग युवकों के खिलाफ भी अपहरण करने की आशंका जाहिर की है।

वरिष्ठ उप. निरीक्षक राजकुमार चौहान ने बताया कि 14 वर्षीय किशोरी घर से लापता है। सेक्टर-94 के एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी नाबालिग बेटी घर से लापता है। पीड़ित ने आशीष नामक व्यक्ति पर बेटी को अगवा करने का शक जताया।

गुरु गोबिंद सिंह की 355वीं जयंती मनाई

नोएडा। गुरुद्वारा सिंह सभा में रविवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह की 355वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

इससे पूर्व गुरुद्वारा साहिब की प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिनका गंतव्य क्रॉसिंग, गौड़ सिटी, नोएडा वेस्ट के विभिन्न स्थानों पर रहने वाले गुरु घर के प्रेमियों का निवास स्थान था।

गुरुपर्व पर गुरुद्वारा साहिब को बहुत सुंदर ढंग से सजाया गया था। प्रातः से ही गुरु घर के प्रेमी मत्था टेकने के लिए आना आरंभ हो गए थे। अखंड पाठ की समाप्ति के साथ ही दरबार में गुरुवाणी कीर्तन द्वारा मंत्रमुग्ध किया।

धरने पर बैठी महिलाएं बीमार, जिला प्रशासन ने नहीं ली सुध

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उखलारसी श्मशान घाट पीड़ित परिवारों का नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर में चल रहा भूख हड़ताल धरना जारी है।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप, बारिश, कड़ाके की सर्दी के बीच धरने भूख हड़ताल पर बैठी कई महिलाओं की तबीयत खराब होने पर उन्हें निजी चिकित्सकों से दवा दिलवाई गई है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग शायद कहीं सोया हुआ है। यदि मौसम और ऐसे ही खराब होता रहा और भी महिलाओं डॉक्टरों के पास ले जाना पड़ सकता है। महिलाओं का कहना है कि चाहे कुछ भी जाए वह अपनी मांगे पूरी होने से पहले वहां से नहीं उठेंगे।

पीड़ितों का कहना है कि 11 महीने बाद भी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, 50 लाख की आर्थिक सहायता, बच्चों की उच्च स्तरीय शिक्षा तथा प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी के वादों को पूरा नहीं कराया गया। ज्ञात हो घटना के बाद नेताओं की तरफ से कई वादें किए गए थे।

गरज के साथ बारिश, सड़कें जलमग्न और पेड़ धराशायी

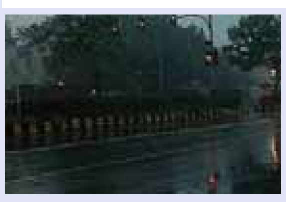

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में शुरू हुई बूंदाबांदी आधी रात के बाद तेज बारिश में बदल गई। इसके बाद सुबह से दोपहर तक बादल जमकर बरसे जिससे सड़कों पर कई जगह जलभराव हो गया।

जगह-जगह जाम की स्थिति से नौकरीपेशा लोग देरी से कार्यालय तक पहुंचे। इसके अलावा कई लोग ऐसे भी थे जिन्हें जहां सिर छिपाने की जगह मिली, वहां रुक गए।

इससे मेट्रो पिलर और एलिवेटेड रोड के नीचे कई चौराहों पर जाम की स्थिति बन गई। इसके अलावा कई इलाकों की बिजली भी गुल हो गई। साथ ही, कई जगह पेड़ टूटकर गिरने से लोगों को दिक्कत हुई। वहीं, ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों में सड़कों पर भरे पानी से वाहन चालक परेशान हुए।

कासना स्थित साइट-5 की सड़क पर जलभराव के कारण सिरसा गोलचक्कर से परी चौक आते.जाते समय वाहन चालकों को दिक्कत हुई। यही हाल सूरजपुर-फेज टू का रहा। हल्दौनी कट के पास जलभराव वाहन चालकों की परेशानी का कारण बना रहा। वहीं, कुछ सेक्टरों के अंदर भी जलभराव हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में 5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दो दिनों की बारिश से तापमान में सात से आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट भी दर्ज की गई है। सोमवार तक मौसम साफ होने का अनुमान है। इसके बाद तापमान में तीन से चार डिग्री तक गिरावट हो सकती है।

लहराई गेहूं की फसल

गाजियाबाद। शुक्रवार से क्षेत्र में रुक रुक क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश जहां नगरवासियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है, वहीं इस बारिश से ग्रामीण अंचल में लोग खुशी से झूम उठे हैं। गेहूं की फसल के लिए बारिश की एक-एक बूंद सोना बताई गई है। बारिश से नगर के निचले मोहल्लों विजयनगर, लंकापुरी, मानवतापुरी सुदामापुरी व जगतपुरी आदि में बारिस का पानी भरने के साथ सड़कों पर कीचड़ हो गई है। जिससे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीण अंचल में हुई छमाछम बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि बारिश से आम जीवन में जरुर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा है, किंतु यह बारिश गेहूं की फसल के लिए तो एक प्रकार से भगवान का बरदान साबित हो रही है। बारिश की एक एक बूंद गेहूं की फसल के लिए सोना साबित हुई है ।

मॉल में वेंडर पर वृद्धा से अभद्रता करने का आरोप

- पीड़िता के बेटे ने दर्ज कराई शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 39 थानाक्षेत्र स्थित एक मॉल में लगी प्रदर्शनी देखने गई वृद्धा के साथ एक वेंडर पर अभद्रता करने का आरोप लगा है। इस मामले में वृद्धा के बेटे ने ट्विटर के माध्यम से नोएडा पुलिस से शिकायत की है।

सेक्टर 39 थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने नोएडा पुलिस के ट्विटर हैंडल पर शिकायत करते हुए बताया कि उनकी 64 वर्षीय मां थानाक्षेत्र स्थित एक मॉल में लगी प्रदर्शनी को देखने गई थीं। बताया गया कि प्रदर्शनी में एक वेंडर ने उनकी माता के साथ अभद्र व्यवहार किया। युवक का आरोप है कि मॉल के सिक्योरिटी गार्ड ने भी वेंडर का पक्ष लिया और उनकी बात नहीं सुनी। ट्वीट का संज्ञान लेते हुए नोएडा पुलिस की ओर से पीड़ित से उनके मोबाइल नंबर की मांग की गई है और सेक्टर 39 थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए गए हैं।

ओएलएक्स पर चोरी के वाहन बेचने वाले दो गिरफ्तार

- निशानदेही पर 21 दोपहिया वाहन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना कौशांबी पुलिस ने रविवार को एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो ओएलएक्स पर फर्जी नंबर से गाड़ियां बिक्री के लिए डालता था और फिर उनको बेच देता था। पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर 21 दोपहिया वाहन बरामद किये हैं। इस गिरोह में शामिल 2 लोग फरार बताए जा रहे है ।

पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मैक्स कट के पास वाहनों

की चेकिंग शुरू की तो दो युवक संदिग्ध अवस्था में वहां आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों युवकों को रुक कर उनसे पूछताछ की तो उनमें शातिर बदमाश फरीद नगर निवासी शादाब तथा कैला भट्टा निवासी मुशीर मलिक निकले। इनसे पूछताछ की गई तो पता चला है कि ये एक बड़े गिरोह के सदस्य हैं जो ओएलएक्स पर चोरी की गाड़ियां डालकर उनके नंबर व चेसिस के नंबर के फर्जी कागजात कराकर उनको बेच देता था।

उन्होंने बताया कि रमन सरकार नामक युवक जो दिल्ली आरटीओ में दलाल है उन्हें फर्जी एनओसी व अन्य कागजात उपलब्ध कराता था। इसकी एवज में वह भाई से ढाई से तीन हजार लेता था। इतना ही नहीं यह लोग जो भी वाहन चुराते थे उस पर दूसरे नंबर से मॉडल का कागज तैयार करा लेते थे और फिर उसको ओएलएक्स पर डालकर बेच देते थे। अनस और रमन सरकार फरार हैं। ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि ये लोग अब तक 100 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

यह गिरोह पिछले 4-5 सालों से सक्रिय था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों से विस्तृत जानकारी हासिल की जा रही है । साथ ही जो फरार आरोपी है उनकी तलाश सरकारी से की जा रही है।

पक्षी विहार में दूषित पानी से बीमार हो रहे हैं परिंदे, मिला घातक रसायन

- घट रही मेहमान पक्षियों की संख्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ओखला पक्षी विहार में बह रहा पानी पक्षियों के लिए जानलेवा हो सकता है। वन विभाग ने पिछले दिनों पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए लैब में एक नमूना भेजा था। इसकी रिपोर्ट चिंताजनक स्थिति बयान करती है।

इस पानी में हानिकारक तत्व, केमिकल, धातु, तेल व ग्रीस की उपस्थिति दर्ज की गई है। विहार में प्रदूषण से मेहमान परिंदे भी बीमार हो रहे हैं। यही कारण है कि लगातार इनकी संख्या में गिरावट दर्ज की जा रही है। पक्षी विहार में कार्यरत

एसआई कौशिक ने बताया कि सारा पानी यमुना नदी का है। यमुना काफी प्रदूषित हो गई हैं। यहां के पानी में मिलने वाले माइक्रो और माइनर एलिमेंट्स दोनों की स्थिति चिंताजनक है। जांच में रिपोर्ट में भी पानी को प्रदूषित बताया गया है। इसमें हानिकारक तत्व, केमिकल, धातु, तेल व ग्रीस की उपस्थिति दर्ज की गई है। इससे पक्षियों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि जांच रिपोर्ट में कितने मिलीग्राम ग्रीस और तेल पाया गया है। पिछली बार मार्च 2020 में यहां के पानी की जांच की गई थी। तब एक लीटर पानी में 4 मिलीग्राम प्रति लीटर तेल और ग्रीस पाई गई थी। जबकि पानी में तेल और ग्रीस की मात्रा का सही पैमाना 0.1 मिलीग्राम प्रति लीटर होता है।

पर्यावरणविद् सुमन के अनुसार इस बार यह आंकड़ा अधिक हो सकता है, इसलिए अधिकारी जानकारी नहीं दे रहे हैं। मामले में बर्ड वॉचर आनंद आर्य ने बताया कि पक्षी विहार का पानी बहुत ही खराब है।

इससे पक्षियों की मौत हो सकती है। पानी में मिलने वाले ग्रीस, कूड़े से निकलने वाली गैस आदि जहरीले तत्व पक्षियों की उम्र को तीन से पांच साल तक कम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां का पानी बदबूदार और गंदगी से भरा है।

इस कारण यहां आने वाले पक्षियों की संख्या भी कम हो रही है। बर्ड वॉचर अतुल ने बताया कि प्रदूषित पानी पक्षियों के लिए जानलेवा है। पानी में तेल, ग्रीस, प्लास्टिक, कूड़ा, तांबा, शीशा, सोडियम पारा पक्षियों ही नहीं इंसानों की जिंदगी को भी खतरे में डाल सकता है। उन्होंने बताया कि पक्षी विहार के पानी में ऑक्सीजन का स्तर लगातार कम हो रहा है।

आंकड़ों पर नजर

1. 2018	11,62263
2. 2019	12,21263
3. 2020	87,7662
4. 2021	80,6873
5. 2022	92,4347

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

वीकेंड कर्फ्यू

फोटो: रंजन डिमरी

सुनसान सदर बाजार की गलियां।

राजधानी में दो दिवसीय वीकेंड कर्फ्यू के दौरान बेजुबान पंक्षियों को दाना खिलाने पहुंचे लोग

कोरोना केस 22000 पार, बढ़ सकती है और सख्ती

डीडीएमए की बैठक आज, केजरीवाल ने कहा- मास्क पहनेंगे, तो लॉकडाउन नहीं लगेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्टीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में जबर्दस्त उछाल आया है। रविवार को 22,751 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान संक्रमण दर 23.53 फीसदी पहुंच गई है। यह लगातार दूसरा दिन है, जब दिल्ली में संक्रमण के 20 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए है।

कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केरीवाल ने चिंता जताई है। साथ लोगों को भरोसा दिया कि घबराने की बात नहीं है। पिछली लहर के मुकाबले इस बार की लहर में मौतें कम हो रही हैं और लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत कम पड़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल अभी लॉकडाउन लगाने का कोई इरादा नहीं है। सोमवार को डीडीएमए की बैठक है, उस मीटिंग में विशेषज्ञों के साथ फिर से स्थिति की समीक्षा की जाएगी कि क्या-क्या करने की जरुरत है।

केंद्र से भी उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते मामलों पर लगाने के लिए कुछ और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं, कुछ नई पाबंदियां लगाई जा सकती है मगर लाकडाउन लगाने का कोई विचार नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने कोविड-19 को मात देकर रविवार को अपना कामकाज संभाल लिया हैं। उन्होंने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह लॉकडाउन नहीं लगाना चाहते हैं। अगर दिल्ली वाले मास्क पहनेंगे, तो लॉकडाउन नहीं लगेगा। दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

फिर भी घबराने और डरने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन मास्क पहनना और सोशल डिस्टेसिंग बहुत जरूरी है। उनकी कोशिश कम से कम प्रतिबंध लगाने की है, ताकि लोगों की रोजी-रोटी और रोजगार चलते रहें। कल डीडीएमए की बैठक में मौजूदा स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाया है, वे जरूर लगवाएं

केजरीवाल ने कहा कि वह चाहते हैं कि जल्दी से कोरोना की लहर खत्म हो। उनकी कोशिश है कि कम से कम प्रतिबंध लगाएं, ताकि लोगों की रोजी-रोटी और रोजगार चलते रहें।

उपराज्यपाल और वह दोनों मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। पहले भी सब मिलकर अप्रैल में आई कोरोना की इतनी खतरनाक लहर पर पार पा लिया।

इस लहर पर भी पार पा लेंगे। जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाया है, वे जरूर वैक्सीन लगवा लें। वैक्सीन लगवाने का मतलब यह नहीं है कि कोरोना नहीं होगा, लेकिन अगर कोरोना हुआ, तो माइल्ड होगा और जान को खतरा नहीं होगा।

हो सकता है कि अस्पताल जाने की जरूरत भी नहीं पड़े और घर पर ही ठीक जा जाए।

सीएम ने कोरोना दी मात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि वह कोरोना वायरस के संक्रमण से उबर गए हैं और लोगों की सेवा में लौट आए हैं। मुख्यमंत्री के चार जनवरी को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी और उन्होंने घर पर खुद को पृथक कर लिया था। उनमें बीमारी के हल्क लक्षण थे।

केजरीवाल ने रविवार सुबह ट्वीट किया, करोना से ठीक होकर मैं वापिस आपकी सेवा में हाजिर हूं। केजरीवाल ने तीन जनवरी को उत्तराखंड के देहरादून में एक रैली की थी जिसके अगले दिन उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। पिछले साल अप्रैल में केजरीवाल की पत्नी सुनीता कोविड-19 से पीड़ित हो गई थीं। केजरीवाल में भी संक्रमण के लक्षण दिखे थे लेकिन जांच में वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई थी। पिछले साल केजरीवाल सरकार के अधिकतर मंत्री कोविड से संक्रमित हो गए थे। इनमें उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय शामिल हैं।

आइसोलेशन में स्वास्थ्य सविधाएं उपलब्ध कराए सरकार : कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कोविड-19 संक्रमण से मुक्त होने पर दिल्ली कांग्रेस ने निशाना साधा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि यह राहत की बात है कि मुख्यमंत्री जल्दी से कोरोना वायरस से संक्रमण से उबर चुके हैं, लेकिन ये संयोग नहीं हो सकता की पाँच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही केजरीवाल अब ठीक होकर काम पर लौट आए है। सीएम जमीनी स्तर पर बिना कुछ किए ही मीडिया में बयानबाजी करते हैं जबकि राजधानी में स्थिति चिंताजनक बनी हुई हैं। कुमार ने कहा कि वर्तमान में अधिकतर कोविड मरीजों को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जा रही है।

सरकार ने होम आइसोलेशन में रहने वालों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, और उन्हें खुद दवा नहीं लेने की सलाह दी है, परंतु उन्हें सरकार के कोविड सहायता केंद्र से कोई डॉक्टर की सलाह नहीं मिल रही है, न ही ऑक्सीमीटर, दवा के अलावा अन्य कोई सहायता भी नहीं मिल रही। अनिल ने बताया कि उनके अपने परिवार के कुछ सदस्य भी संक्रमित हैं और होम आइसोलाशन में ही हैं, और उनको भी न तो दिल्ली सरकार से और न ही कोविड सहायता केंद्रों से कोई सलाह मिली।

बूस्टर डोज आज से, तैयारियां पूरी

नई दिल्ली। राजधानी में सोमवार से बूस्टर डोज लगाने का काम शुरु हो रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। जिन वरिष्ठ नागरिकों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को दूसरी डोज लगवाए हुए नौ महीने का समय हो चुका है वे बूस्टर डोज लगवा सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में जिन टीकाकरण केंद्रों पर पहले से 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लग रहा है, उन केंद्रों पर बूस्टर डोज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए वे पहले से अपाइंटमेंट भी ले सकते हैं या सीधे टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी बूस्टर डोज लगवा सकते हैं। बूस्टर डोज के लिए अपना एक फोटो पहचान पत्र और पहले टीकाकरण कराने के समय पंजीकृत मोबाइल नंबर की जानकारी होना पर्याप्त है। नई दिल्ली जिले में राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और चरक पालिका केंद्र। साथ ही मध्य जिले में लोकनायक, जीबी पंत और मौलाना आजाद मेडिकल कालेज, दरियागंज डिस्पेंसरी, संजीवनी अस्पताल सहित दूसरे जिलों के अन्य टीकाकरण केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाने की व्यवस्था की गई है।

बढ़ती पाबंदियों से सहमे प्रवासी मजदूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना महामारी की तीसरी लहर और ओमीक्रोन के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए एक बार फिर पाबंदियों का दौर शुरू हो गया है। बदले हालात को देखकर प्रवासी मजदूर भी सहम गए हैं। कई प्रवासी मजदूरों ने अपने घरों की ओर लौटना शुरू कर दिया है।

प्रवासी मजदूर पिछले लाकडाउन के दौरान पैदा हुए हालात और तकलीफों को याद कर खौफजदा हो जाते हैं। यूपी के गोंडा जिले के निवासी राजू महामारी की तीसरी लहर को देखकर बेहद डरे हुए हैं। उनका कहना है कि पिछली बार जब लाकडाउन लगा था तब परिवार भी उनके साथ फंस गया था। तब भोजन तक के लिए पैसे नहीं बचे थे। किसी तरह अपने एक मित्र से उधार लेकर घर लौट पाए थे। इस बार इंतजार नहीं करने वाला। यदि कर्फ्यू आगे नहीं बढ़ता है तो फिर दिल्ली वापस लौट आएंगे।

नियमों के उल्लंघन में 31 दिसंबर तक शराब की 24 दुकानें सील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- तीनों निगमों ने मास्टर प्लान 2021 के उल्लंघन पर की कार्रवाई

दिल्ली के तीन नगर निगमों -उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी- ने निगम कानून अथवा मास्टर प्लान 2021 के नियमों के उल्लंघन के आरोप में 31 दिसंबर, 2021 तक शराब की 24 दुकानों को सील किया, जबकि 113 ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस दिया गया।

निगम अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ए दुकानें दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के तहत स्थापित की गई हैं, जोकि पिछले साल 17 नवंबर को प्रभावी हुई है। नई आबकारी नीति के तहत दिल्ली सरकार ने खुदरा शराब दुकानों का निजीकरण किया है और शहर में निविदा प्रक्रिया के जरिए 849 दुकानों का आवंटन किया गया है। दिल्ली के तीनों नगर निगम में सत्तारूढ़ भाजपा इस नई नीति का विरोध कर रही है। निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि शहर के विभिन्न इलाकों में नियमों का उल्लंघन कर स्थापित की गईं कुल 24 शराब दुकानों को 31 दिसंबर तक सील किया गया है।

तीनों निगमों ने ऐसे 113 प्रतिष्ठानों के खिलाफ नोटिस भी जारी किए हैं। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने कहा कि निगम कानून का उल्लंघन कर स्थापित की गई शराब दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्रमितों के घरों से कचरा उठान की बनाई योजना

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने कोरोना संक्रमित घरों से बायो मेडिकल वेस्ट उठाने और निपटान की विशेष योजना बनाई है।

क्षेत्र में बायोमेडिकल वेस्ट को उठाने के लिए दोनों जोनों द्वारा टीमें बनाई है जिसमें एक जन-स्वास्थ्य इंस्पेक्टर, क्षेत्र का मलेरिया निरीक्षक, एक डीबीसी और सफाई कर्मचारी शामिल होगे। इस संबंध में स्थायी समिति के अध्यक्ष, बीर सिंह पंवार ने बताया कि बायोमेडिकल वेस्ट उठाने के सभी कर्मचारी सेफ्टी गियर्स पहनेंगे और सफाई कर्मचारियों को पीपीई किट पहनना अनिवार्य है।

सुल्ली डील्स ऐप बनाने का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

पीएनएस। नई दिल्ली/ इंदौर

- मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को नीलामी के लिए सोशल मीडिया पर डालने का है आरोप

दिल्ली पुलिस ने सुल्ली डील्स ऐप बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह सुल्ली डील्स ऐप मामले में पहली गिरफ्तारी है।

सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को बिना उनकी मंजूरी के इस मोबाइल ऐप्लीकेशन (ऐप) पर नीलामी के लिए डाला गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ओंकारेश्वर ठाकुर (26) ने इंदौर स्थित आईपीएस अकादमी से बीसीए किया है और वह न्यूयॉर्क सिटी टाउनशिप का निवासी है। दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पी एस मल्होत्रा ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह ट्विटर पर उस समूह का सदस्य है, जिसमें मुस्लिम महिलाओं को बदनाम करने और ट्रोल के लिए विचारों को साझा किया जाता है। अधिकारी ने बताया, उसने गिटहब पर कोड विकसित किया। गिटहब तक समूह के सभी सदस्यों की पहुंच थी। उसने अपने ट्विटर अकाउंट पर ऐप को साझा किया था। मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को समूह के सदस्यों ने अपलोड किया था। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी एट द रेट गैंगेसियन हैंडल का उपयोग करके जनवरी 2020 में ट्रेडमहासभा के नाम से ट्विटर पर समूह में शामिल हुआ था। पुलिस ने बताया कि समूह पर विभिन्न प्रकार की चर्चाओं के दौरान सदस्यों ने मुस्लिम महिलाओं को ट्रोल करने को लेकर चर्चा की। डीसीपी ने कहा कि उसने (आरोपी ने) स्वीकार किया कि उसने गिटहब पर कोडाऐप बनाया। सुल्ली डील्स ऐप को लेकर हुए हंगामे के बाद उसने सोशल मीडिया से इससे जुड़ी सभी सामग्री हटा दी थी। ऐप से जुड़े कोडातस्वीरों का पता लगाने के लिए तकनीकी उपकरणों की जांच की जा रही है।

राजधानी में आज से छंट सकते हैं बादल, बढ़ेगी ठिठुरन

रविवार को दोपहर तक होती रही रुक-रुक कर बारिश, शहर की वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में रात भर हुई बारिश के कारण रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे तक 8 मिमी बारिश हुई, जबकि सापेक्षिक आर्द्रता 100 प्रतिशत थी। मौसम विज्ञानियों ने आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है, जबकि अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में शनिवार को बीते 22 वर्षों में जनवरी के महीने में एक दिन में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर की वायु गुणवत्ता दो महीने में सबसे अच्छी रही, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री अधिक 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह नौ बजकर पांच मिनट पर दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 75 दर्ज किया है जो संतोषजनक की श्रेणी में था जबकि पास के नोएडा में एक्यूआई 62, ग्रेटर नोएडा में 47, गाजियाबाद में 56, फरीदाबाद में 58 और गुरुग्राम में 77 दर्ज किया गया।

शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 को संतोषजनक , 101 और 200 को मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 को बहुत खराब तथा 401 और 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है।

राजधानी में हो रही बारिश के बाद मौसम में ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं वातावरण में साफ हो गया है। वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि आसमान में कोहरा छा सकता है जिससे यातायात प्रभावित होगा।

बिजनेस ब्लास्टर्स : छात्रों के 1000 स्टार्टअप का हुआ चयन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- उद्यमी बन भारत का गौरव वापस लाएंगे दिल्ली के सरकारी स्कूलों के छात्र : सिसोदिया

दिल्ली सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के अगले दौर के लिए 51,000 विचारों में से करीब 1,000 उन स्टार्टअप का चयन किया गया है जिनका नेतृत्व विद्यार्थी कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा विभाग का प्रभार संभाल रहे मनीष सिसोदिया ने इस बात पर जोर दिया कि अरविंद केजरीवाल सरकार के स्कूल स्टार्ट-अप कार्यक्रम से छात्र उद्यमी भारत के गौरव को वापस लाएंगे, जिसे पूर्व में सोने की चिड़िया (गोल्डन बर्ड) के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बिजनेस ब्लास्टर्स मास्टरक्लास के दौरान विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, वे ऐसी कंपनियां विकसित करेंगे जहां दुनिया भर के छात्र काम करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया में पहली बार स्कूलों में इतने बड़े पैमाने पर स्टार्ट अप को लेकर कोई कार्यक्रम शुरू हुआ है।

ये कार्यक्रम जबरदस्त हिट है। और पूरे देश में इसकी चर्चा हो रही है। एमएलए आतिशी ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर प्रोग्राम से बच्चों का भविष्य को तो उज्जवल होगा ही साथ ही देश का भविष्य भी शानदार होगा। बिजनेस ब्लास्टर्स से संवाद के दौरान इनोवेट को-वकिंर्ग के रितेश मलिक ने छात्रों को अल्केमिस्ट बनने के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्ट अपका ये सही वक्त है। देश के स्टार्ट अप आज अमेरिका और दूसरे देशों तक अपने बिजनेस को फैला रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि तकनीक की बदौलत हिंदुस्तानी उद्यमी दुनिया पर राज करेंगे। रितेश मलिक ने कहा कि किसी भी बिजनेस को सफल बनाने के लिए जरुरी है तीन चीजें, बिजनेस आइडिया की पहचान, रिस्क लेने की इच्छाशक्ति और आइडिया पर काम करने का जज्बा। जब तीनों एक साथ मिल जाते हैं तो बिजनेस बढ़ता चला जाता है। लेकिन उसको और बढ़ने के लिए जरुरी है।

बर्फीली हवाओं के बीच ट्रेनिंग पर डटे हैं सिक्स सिग्मा के जांबाज सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सीडीएस जनरल बिपिन रावत के आदेश पर हो रही है विशेष माउंटेन सर्वाइवल ट्रेनिंग

इस विशेष ट्रेनिंग को जनरल बिपिन रावत ने ही की थी शुरुआत

सिविलियन को आर्मी ट्रेनिंग देकर उन्हें जनसेवा को प्रशिक्षित किया जाना अपने आप में ऐतिहासिक कार्य है। पहले ऐसा कोई प्रावधान नहीं था कि एक सिविलियन व्यक्ति आर्मी की ट्रेनिंग ले। इसके लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया चीफ ऑफ डिफेंस आर्मी स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने। उनके निर्णय से ही आज गुलमर्ग की बर्फीली हवाओं और शून्य से काफी कम नीचे जा चुके पारे के बीच सिक्स सिग्मा के सदस्य ट्रेनिंग ले रहे हैं।

सेना के बेस्ट हाई ऐल्टिटूड वारफेयर स्कूल गुलमर्ग में संस्था का हर सदस्य एक सैनिक की तरह पूरे जोश, जज्बे के साथ ट्रेनिंग ले रहा है। सिक्स सिग्मा हेल्थ केयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डा. प्रदीप भारद्वाज कहते हैं कि देश के लिए जोखिम भरे काम करना सिक्स सिग्मा हेल्थ केयर की आदत में शुमार है। सेना व सिक्स सिग्मा के गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए माइनस 8 डिग्री तापमान, 10 फीट बर्फ, हर पल मौत के साए में रहकर दूसरों को जिंदगी बचाना संस्था के सदस्य सीख रहे हैं। सिक्स सिग्मा माउंटेन रेसक्यू दल रस्सी और सीढ़ी के सहारे लोगों को बचाने में महारथ हासिल कर रहा है।

गुलमर्ग में भारी बर्फबारी के बीच आपदा के समय बचाव का प्रशिक्षण लेते सिक्स सिग्मा हेल्थ केयर के सदस्य।

बर्फ से बने घर में रहकर लेंगे सर्वाइवल ट्रेनिंग

डॉ. भारद्वाज ने बताया कि इस ट्रेनिंग कोर्स में वॉलंटियर्स को सर्वाइवल ट्रेनिंग इन माउंटेन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें एक ट्रेनी को इग्लो (बर्फ से बना घर) में रहना पड़ता हैं। जहां उसका खाना-पीना सब बर्फ में ही बनता है और इसी में रहना पड़ता है। इसके अलावा प्रशिक्षु को बर्फ से ढकी ऊंची पर्वत चोटियों पर स्कीइंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, हिमस्खलन के दौरान लोगों को त्वरित सहायता पहुंचाने के लिए रेस्क्यू के विभिन्न आयामों के साथ साथ लोगों को बचाने और उनके लिए अस्थाई शेल्टर के निर्माण और उन्हें दी जाने वाली मेडिकल सहायता के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य क्षमता का विकास

डा. प्रदीप भारद्वाज ने हाई ऑल्टीट्यूड ट्रेनिंग के विषय में बताया कि दुनिया के सबसे ऊंचे इंडियन आर्मी हाई ऑल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल गुलमर्ग में मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण दिलवाने का मुख्य उद्देश्य उनमें क्षमता का विकास कराना है। जिससे वे पर्वतीय क्षेत्रों की कठिन परिस्तिथियों और वातावरण में होने वाले परिवर्तन से अवगत होकर सुचारू रूप से मेडिकल सेवाओं को दे सकें। गुलमर्ग में यह ट्रेनिंग 15 दिनों तक चलेगी व उसके पश्चात सभी प्रशिक्षुओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

त्याग और वीरता की मिसाल थे गुरु गोविंद सिंह: बंडारू दत्तात्रेय

गुरु गोविंद सिंह के जीवन से प्रेरणा लेकर देश के लिए बलिदान और त्याग के लिए हमेशा रहें तत्पर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि गुरु गोविन्द सिंह त्याग और वीरता की मिसाल थे। उन्होंने अन्याय और धर्म एवं अत्याचार और दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें अपने देश के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए। वे रविवार को यहां सिखों के 10वें गुरू गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर डीएलएफ गोल्फ कोर्स क्लब में आयोजित गुरबाणी तथा सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने गुरु गोविन्द सिंहजी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके चरणों में अपना शीश नवाया और प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की बधाई भी दी। राज्यपाल ने गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने कभी भी राज सत्ता प्राप्ति, धन संपदा, जमीन या यश प्राप्ति के लिए लड़ाइयां नहीं लड़ीं। उनकी लड़ाई अन्याय और धर्म एवं अत्याचार और दमन के खिालफ होती थी।

गुरु गोविन्द सिंह जी ने समूचे राष्ट्र के उत्थान के लिए संघर्ष के साथ-साथ निर्माण का रास्ता अपनाया। उनकी तीन पीढ़ियों ने देश के लिए महान बलिदान दिया। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने कहा कि उन्होंने गुरु गोबिन्द सिंह जी की जीवनी पढ़ी है, वे संस्कृत, पंजाबी, पारसी, अरबी और उर्दू भाषाओं का ज्ञान रखते थे। वे बहुत अच्छे संगीतकार भी थे, जिनकी वाणी से लाखों लोग प्रभावित होते थे। गुरु गोबिन्द सिंह ने ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। हालांकि गुरु गोविंद सिंह शांति के पक्षधर थे, लेकिन धर्म की रक्षा के लिए यदि जरूरत हो तो हम तलवार भी उठा सकते हैं, यह संदेश उन्होंने दिया। धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोबिन्द सिंह ने अपने पूरे परिवार का एक-एक करके बलिदान कर दिया था। उनका त्याग, तपस्या और बलिदान हमारी विरासत है, जिसे हमें आगे लेकर जाना है। वे हिन्दु, मुस्लिम, पारसी में भेद नहीं करते थे। आज समूचा भारतवर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जिसमें गुरु गोबिंद सिंह जी जैसे वीरों की गाथाओं को पब्लिक के सामने लाया जाएगा।

इस मौके पर राज्यपाल ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। इनमें से कोविड काल में 4000 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करवाने वाले शहीद भगत सिंह सेवा दल के संस्थापक पद्मश्री जितेंद्र सिंह शंटी भी शामिल थे। जितेन्द्र सिंह ने अपने अनुभव भी सभी के साथ सांझे किए और बताया कि उस समय जब परिवार वाले भी अपने परिजनों को पहचानने से इनकार कर रहे थे, ऐसे समय में उन्होंने अपनी टीम को साथ लेकर लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करवाया। उन्हें राष्ट्रपति ने पद्मश्री से सम्मानित किया है। इस कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जसपाल सिंह चड्ढा, न्यू कॉलोनी गुरुद्वारा से अजीतपाल सिंह पसरीचा सहित अधिकारी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में रविवार को डीएलएफ गोल्फ कोर्स क्लब में गुरु गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को तलवार भेंट करते सदस्य।

चुनाव से रोटरी ब्लड बैंक की नई टीम तैयार

रोटरी ब्लड बैंक के चुनाव में चुने गए पदाधिकारी।

गुरुग्राम। कोरोना महामारी में रक्त और प्लाज्मा डोनेशन में अव्वल रहे रोटरी ब्लड बैंक की कार्यकारिणी का चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। चुनाव में अगले तीन साल के लिए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया, जिन्होंने संस्था में बेहतरीन सेवाएं देने का वायदा किया।

हरियाणा के सबसे बड़े रोटरी ब्लड बैंक की कार्यकारिणी के चुनाव में चुनाव अधिकारी एडवोकेट अभय जैन रहे। उन्होंने बताया कि इस चुनाव में 39 वोटर में से 35 ने अपने मत का प्रयोग किया। मुकाबला काफी कड़ा था। चुनाव शांतिपूर्ण रहा। चुनाव अधिकारी अभय जैन के मुताबिक चुनाव में मुकेश शर्मा को प्रधान, मनीष खुल्लर को उप-प्रधान, महामंत्री केएस यादव, सह-महामंत्री दिनेश अग्रवाल, खजांची पद के लिए संजीव अग्रवाल को चुना गया। इनके अलावा रविंद्र जैन, बीडी पाहुजा, अजय सनवालका, चिदम्बर शर्मा, नवीन गुप्ता व सतीश सिंगला छह कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। चुनाव अधिकारी अभय जैन के मुताबिक कुल 35 मत डाले, जिसमें प्रधान मुकेश शर्मा को 18 वोट, उनके निकटतम उम्मीदवार सुभाष वर्मा को 17, उप-प्रधान पद के लिए मनीष खुल्लर को 18, निकटतम उम्मीदवार पवन सपड़ा को 17, महामंत्री पद के लिए केएस यादव को 20, उनके निकटतम प्रतिद्वंदी जेएस मराठा को 15, संयुक्त सचिव पद के लिए दिनेश अग्रवाल को 19, उनके प्रतिद्वंदी केएस संधू को 16, कोषाध्यक्ष पद के लिए संजीव अग्रवाल को 19, उनके प्रतिद्वंदी केएस ग्रोवर को 16 वोट मिले। कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 35 वोट पोल हुए, जिसमें एक वोट कैंसिल हो गया।

शहर के सार्वजनिक पार्कों में लगेंगे जिम

नगर परिषद ने पांच लाख रुपये की राशि को मंजूर दी

> **धीरे-धीरे** शहर के सभी सार्वजनिक 8 पार्कों को हरा भरा बनाएंगे। इसके साथ-साथ व्यायाम करने के उपकरण भी स्थापित किए जाएंगे।
> **आबिद**
> **(जेई नगर परिषद)**

सोहना। शहर के सार्वजनिक पार्कों में शहरवासी योग और व्यायाम आसानी से कर सकेंगे। नगर परिषद सभी पार्कों में खुले परिसर में जिम लगाएगी। जल्द ही तावडू जाने वाले मार्ग से लगते अग्रसेन पार्क में जिम लगाई जाएगी।

शहरवासी अपने शरीर की शारीरिक ताकत को सुबह की प्रात:काल भ्रमण के दौरान तंदुरुस्त बना सकेंगे। जिसके लिए शहरवासियों को सार्वजनिक पार्कों में ही व्यायाम व योग करने की सुविधा मिलेगी। नगर परिषद शहर में स्थित पार्कों में खुले परिसर में जिम लगाने जा रही है। शहर के आधा से ज्यादा पार्कों में व्यायाम करने के उपकरण खुले में लगाएं गए है। इसी प्रकार सोहना से तावडू जाने वाले मार्ग के साथ लगते अग्रसैन पार्क में भी व्यायाम करने के उपकरण लगाएं जाएंगे। जिसके लिए हाल ही में नगर परिषद द्वारा पांच लाख रुपये की राशि को मंजूरी दे दी है।

राजीव गांधी पार्क में बनेगी व्यायामशाला

राजीव गाधी पार्क में वर्तमान समय में महिलाओं के लिए व्यायामशाला बनी हुई है। अब पुरुषों के लिए भी व्यायामशाला का निर्मण किया जाएगा। क्योकि यहा भ्रमण करने वालों नागरिकों की संख्या शहर के अन्य पार्को से अधिक होती है।

आजादी के वीर सेनानियों का ज्ञान बच्चों को कराना जरूरी: सुधीर सिंगला

विधायक ने भारत के 75 वीर स्वतंत्रता सेनानी पुस्तक का किया लोकार्पण

सुरुचि परिवार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर पुस्तक प्रकाशित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रमुख स्वाधीनता सेनानियों को तो हम जानते हैं। बहुत से ऐसे वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने भी देश के लिये अपना बलिदान दिया, लेकिन वे गुमनाम हो गए। उनके बारे में बच्चों को जानकारी देना जरूरी है, ताकि हमारी पीढ़ियां उनके भी बलिदान को याद रखें। यह बात गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने रविवार को अपने कार्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रकाशित पुस्तक भारत के वीर 75 स्वतंत्रता सेनानी का लोकार्पण करते हुए कही।

इस पुस्तक को सुरुचि परिवार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर तैयार करके लोकार्पित किया गया है। बच्चों तक जानकारी पहुंचाने के लिए चुने हुए 75 पुष्प इस पुस्तक में संग्रहित किए गए हैं। इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने सुरुचि परिवार को इस बेहतरीन और देशभक्ति से ओत-प्रोत रचना के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि साहित्यकार समाज का दर्पण होता है। उसे सामाजिक सरोकारों को अपनी रचनाओं में शामिल करना चाहिए। एक सकारात्मक सोच के साथ काम करते हुए समाज में मार्गदर्शक बनना चाहिए। उन्होंने गुरुग्राम के सुरुचि साहित्य परिवार के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि संस्था ने अपने गठन के उद्देश्य को सदैव पूरा किया है। संस्था से जुड़ा हर साहित्यकार समाज में अपनी महत्ती भूमिका निभा रहा है।

सुरुचि परिवार के महासचिव मदन साहनी ने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री ने कहा था कि क्यों न आजादी के अमृत महोत्सव पर 75 सेनानियों की पुस्तक प्रकाशित की जाए। उन्हीं से प्रेरणा लेकर सुरुचि परिवार ने इस पुस्तक के प्रकाशन का निर्णय लिया, जो आज साकार हुआ है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. धनीराम अग्रवाल ने कहा कि इस पुस्तक में तथ्यों को पूरी प्रमाणिकता के साथ प्रस्तुत किया गया है। इस श्रम साध्य कार्य के लिये सभी लेखक बधाई के पात्र हैं। पुस्तक में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त लेखों को सम्मिलित किया गया है। इसमें कुल 54 लेखकों ने सहभागिता की है।

गुरुग्राम स्थित अपने कार्यालय में भारत के 75 वीर स्वतंत्रता सेनानी पुस्तक का विमोचन करते विधायक सुधीर सिंगला।

चिपको आंदोलन के प्रणेता सुन्दरलाल बहुगुणा से सीखें पर्यावरण बचाना: नवीन गोयल

हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के संरक्षण को बहुगुणा ने किया संघर्ष

अपना जीवन सुरक्षित रखने को वनों को संरक्षित करना जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

1970 के दशक में पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के संरक्षण के लिए चिपको आन्दोलन शुरू करके पर्यावरण के प्रति अपना जीवन समर्पित करने वाले सुन्दरलाल बहुगुणा को पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने रविवार को अपनी श्रद्धांजलि दी। चिपको आन्दोलन के कारण वे विश्वभर में वृक्ष मित्र के नाम से भी प्रसिद्ध हुए थे। नवीन गोयल ने कहा कि सुन्दरलाल बहुगुणा ने उस समय पर्यावरण बचाने की पहल की थी, जब पर्यावरण बहुत स्वच्छ था। आज पर्यावरण के बिगड़े हालातों में जरूरी हो गया है कि हम सब सुन्दरलाल बहुगुगणा बनकर पर्यावरण बचाने को आगे आएं।

पर्यावरण खराब होने का कारण हम सब हैं। इसलिए हमारा यह कर्तव्य बनता है कि इसमें हम ही सुधार करें। उन्होंने कहा कि सुन्दरलाल बहुगुणा भारत के महान पर्यावरण चिन्तक होने के साथ चिपको आंदोलन के प्रमुख नेता था। उन्होंने अपना सारा जीवन पर्यावरण व अन्य सामाजिक सरोकारों को ही समर्पित किया। उनकी पत्नी विमला नौटियाल भी उनके आन्दोलन से जुड़ी हुईं थी। श्री बहुगुणा 1970 के दशक से पहले वे चिपको आन्दोलन से जुड़े रहे और 80 के दशक से 2004 तक वे टिहरी बांध के निर्माण के खिलाफ आन्दोलन में इसका विरोध करते रहे। वे देश के शुरुआत पर्यावरण प्रेमियों में से एक थे।

सुन्दरलाल बहुगुणा के विचारों को आगे बढ़ाते हुए नवीन गोयल का कहना है कि पेड़ों को काटने की बजाय उन्हें लगाना अति महत्वपूर्ण है। नवीन गोयल ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे अपने बुजुर्गों और बच्चों के साथ अपना जीवन सही चाहते हैं तो अभी से सुंदरलाल बहुगुणा बनें। उनके बारे में पढ़ें और उनके दिखाए मार्ग पर चलें। जहां जगह मिले, वहीं पर पेड़ों के जंगल खड़े कर दें। घर, गांव, कस्बे, शहर में हरियाली बढ़ाकर जीवन दायिनी प्राकृतिक ऑक्सीजन को बढ़ावा दें। यही हम सबकी सुन्दरलाल बहुगुणा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनका निधन उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित एम्स में 21 मई 2021 में कोरोना संक्रमण के कारण हुआ था।

सुन्दरलाल बहुगुणा।

नवीन गोयल।

बूस्टर डोज के जिले में बनाए 67 टीकाकरण केंद्र

गुरुग्राम। सोमवार को जिला में कोरोना से जारी जंग के बीच व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स व 60 वर्ष से अधिक आयु के वे लोग जो कॉर्बिटी से प्रभावित हैं, उनको वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाने का कार्य शुरू किया जा रहा है।

वैक्सीनेशन कार्यदेख रहे गुरुग्राम के उप-सिविल सर्जन डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि जिला में विभिन्न स्थानों पर टीकाकरण केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों पर नियमित रूप से चलाए जा रहे वैक्सीनेशन का कार्य भी किया जाएगा। वहीं सेक्टर-31 स्थित पॉली क्लीनिक में स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जाएगी। शिक्षा व नौकरी के लिए विदेश जाने के लिए चयनित नागरिक सेक्टर 31पॉलीक्लीनक में जाकर अपना कोविशिल्ड का दूसरा टीका लगवा सकते हैं। इस केंद्र पर वैक्सीन के पचास स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही इस स्वास्थ्य केंद्र पर स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाई जाएगी। यहां दूसरी डोज के रूप में 100 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे।

इसके अतिरिक्त जिन नागरिकों को कोविशिल्ड का पहला या दूसरा टीका लगवाना है, वह अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपनी कोरोना रोधी वैक्सीन लगवा सकता है। 67 टीकाकरण केंद्रों पर कोविशिल्ड के 13,900 स्लॉट सोमवार को 67 टीकाकरण केंद्रों पर कोविशिल्ड वैक्सीन के कुल 13,900 स्लॉट उपलब्ध कराए गए हैं।

इसके साथ ही ऊपरोक्त सभी केन्द्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स व 60 वर्ष से अधिक आयु के वे लोग जो कॉर्बिटी से प्रभावित उनके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से 12 हजार 800 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। बूस्टर डोज़ के लिए किसी प्रकार के नए रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

खुले नाले में गिरी गाय, लोगों में फैला रोष

सोहना। स्थानीय अनाजमंडी में गंदे और बरसाती पानी की निकासी बनाए गए नाले खुले पड़े है। जिस कारण लोगों की जान आफत में है। अनाजमंडी के भीतर अग्रवाल भवन धर्मशाला के समीप एक गाय गंदगी के ढेर पर मुंह मारते-मारते नाले में जा गिरी। गाय को नाले के भीतर गिरा देख लोगों को हुजूम इकट्ठा हो गया। नाले में गिरी गाय को तड़पते देख परम गौभक्त लाला सुभाष चंद्र सिंगला, सुमित भारद्वाज, अशोक गुर्जर, मोहित, ओमबीर, रोहित, मनीष, अनूप, विजय, अग्रवालसभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, मोहित सैनी, सुरेन्द्र इंडरिया अपने साथियों समेत तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और नाले में गिरी गाय को निकालने का प्रयास किया लेकिन कामयाबी ना मिलती देख बड़ा हाईड्रा मंगाया गया। साथ ही मार्केट कमेटी प्रशासन और नगर परिषद प्रशासन को सूचना दी गई। गो भक्तों और मेन पावर व लोगों तथा हाईड्रा के सहयोग से कई घंटों की मेहनत के बाद नाले में गिरी गाय को रस्सों के सहारे जैसे-तैसे निकाल लिया है। गाय जगह-जगह से चोटिल हो गई है। गोप्रेमी पंडित सुमित भारद्वाज, खेड़ा कुटुंब से लाला त्रिलोक चंद, अरूण सिंगला, युवा समाजसेवी सैंकी सिंगला, भागीरथ सैनी, धरमू पहलवान, अशोक गुर्जर, उमेश अग्रवाल, लाला यादराम आढ़ती, महेश आर्य, युवा समाजसेवी अशोक गोयल आदि लोगों ने मार्केट कमेटी प्रशासन से नालों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाएं जाने और नालों को अस्थाई रूप से ढके जाने की मांग की है।

स्कूल में छात्रों के लिए लगा वैक्सीनेशन कैंप

गुरुग्राम। यहां रिज वैली स्कूल परिसर में छात्रों के लिए वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 15 से 18 साल के बच्चों को कोरोना रोधी वैक्सीन लगाई गई। यहां 120 छात्रों का वैक्सीनेशन किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल निधि तिवारी ने कहा कि अपने बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्कूल परिसर में छात्रों को वैक्सीन लगवाने से अन्य स्थानों की तुलना में संक्रमण की संभावना कम हो जाती है। वैक्सीनेशन के लिए अपने स्लॉट बुक कराने के लिए छात्रों ने खुद को प्री-रजिस्टर किया। वैक्सीनेशन से संबंधित जटिलताओं जैसे संक्रमण, एलर्जी या किसी अन्य लक्षण से बचने के लिए, चिकित्सा विशेषज्ञों को भी शिविर स्थल पर तैनात किया गया था। स्कूल के अधिकारियों ने अपने गैर-शिक्षण, सहायक कर्मचारियों के बच्चों को भी कोवैक्सिन का टीका लगवाने के लिए बुलाया।

स्कूल में टीका लगवाते विद्यार्थी।

मंगलनगर कॉलोनी के घरों में घुसा नाले का पानी

सोहना। सोहना नगरपरिषद के वार्ड-उन्नीस की मंगल नगर कॉलोनी में बरसाती व गंदे पानी की निकासी के लिए बनाए गए नाले की साफ-सफाई का सही से न होने से मंगलनगर कॉलोनी में पानी भर गया। मंगलनगर निवासी जमींदार तेज सिंह सैनी, कश्मीरीलाल सैनी, शशिकांत सैनी समेत कई लोगों ने बताया कि कई दिन पहले भी बरसात होने पर बरसात के दौरान नाले से गंदे व बरसाती पानी की निकासी ना होने से नाले का गंदा व बरसाती पानी उनके घरों में घुस आया। जिससे उन्हें पूरी रात जागकर बितानी पड़ी। रसोई और घर में जमीन पर रखा सामान खराब हो गया और बच्चों व वृद्धों को परेशानियां झेलनी पड़ी। पूरी रात बिजली गुल होने तथा नाले से गंदे व बरसाती पानी की निकासी ना होने से नाले का गंदा व बरसाती पानी उनके घरों में घुसने पर वह पूरी रात जागकर बाल्टियों से पानी को घरों से बाहर निकालते रहे लेकिन पानी की निकासी ना होने से बाल्टियों से निकाला गया पानी दोबारा घरों में घुसता रहा। खेतों में गंदा व बरसाती पानी भर जाने से सब्जी की फसल खराब हो गई है। नगरपरिषद प्रशासन ईमानदारी से नालों की सफाई कराने की बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। धरातल पर नालों की सही से सफाई नही कराई जा रही है। लोगों की माने तो वह जल्द ही सर्कल एसडीएम, हलका विधायक, उपायुक्त और आला अधिकारियों को शिकायत भेजकर तथा इस मामले में सीएम विंडो पर अपनी समस्या दर्ज कराकर सच्चाई सामने लाते हुए नालों की सफाई सही से कराए जाने की मांग करेंगे।

संस्कार ज्योति सेवा ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

सेक्टर-82 में जरूरतमंदों को वितरित करते समाजसेवी सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष सरपंच सुन्दर लाल यादव व अन्य लोग।

गुरुग्राम। संस्कार ज्योति सेवा ट्रस्ट ने रविवार को वाटिका सेक्टर-82 में कड़ाके के ठंड के बीच जरूरतमंदों को कंबल वितरण वरिष्ठ नागरिकों, गणमान्य व्यक्तियों एवं ट्रस्ट के सदस्यों से कराया। ट्रस्ट के चेयरमैन अजय कुमार सिंह ने बताया कि ट्रस्ट इस तरह के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम विगत कई वर्षों से करा रही है। उन्होंने ट्रस्ट में सदस्य बनने और वाटिका में मंदिर बनाने में सहयोग करने के लिय लोगों से निवेदन भी किया। इस अवसर पर गुरुग्राम सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष सरपंच सुन्दर लाल ने ट्रस्ट के सभी सदस्य का आभार व्यक्त किया और आगे भी गरीब परिवारों को ट्रस्ट द्वारा इसी तरह सहयोग करते रहने की अपील की। ट्रस्ट के सभी सदस्य आशीष गोयल, बिमल अग्रवाल, राहुल चढ़ा, पुनीत गुप्ता, नीरज डालमिया एवं वाटिका निवासी संजय यादव, आरएन शर्मा, लाठर, जीडी शर्मा, आर भारद्वाज, रमेश जैन, धर्मवीर यादव, आशीष चक्रवर्ती, वरिष्ठ नागरिक, ममता, शशि यादव, दयाराम चेयरमैन सहित छठ पूजा समिति के सदस्य समेत अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने दी विधायक की माता को श्रद्धांजलि

गुरुग्राम। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता की माता गुलाब कौर के निधन पर शोक जताने के लिए रविवार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला, पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह फरीदाबाद नगर निगम कमिश्नर यशपाल यादव जीएल शर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, अनिल यादव चकरपुर, कुलदीप पार्षद, राकेश यादव पार्षद, सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदर लाल यादव पहुंचे। पूर्व अध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा कि दुनिया में जो आया है, उसका जाना निश्चित है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के आशीर्वाद और प्रेरणा से हमें समाजहित में कार्य करने चाहिए।

गुरुग्राम के मानेसर में पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता की माता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला व अन्य।

आए दिन लगती है आग, शायद हादसे का है इंतजार

तारों में आग लगने के बाद गुल हो जाती है, फिजियोथैरेपी और उसके आसपास की इमारतों की बिजली

कविता। फरीदाबाद

आए दिन शॉर्ट सर्किट होने के कारण बीके सिविल अस्पताल में पिछले दिनों जनरेटर और इमारत में लगे पैनल बॉक्स बदल दिए गए। लेकिन यहां पुरानी इमारत से बिजली की तारों का जाल नहीं हटाया गया। पुरानी इमारतों में बिजली के तारों के गुच्छों में कई बार आग लग चुकी है। जिस कारण से यहां बने दफ्तरों और फिजियोथैरेपी सेंटर में कई-कई घंटे बिजली गुल हो जाती है। लेकिन इसकी सुध आज तक किसी ने नहीं ली।

रेडक्रॉस फिजियोथैरेपी सेंटर में दौबारा लगी आग।

बिजली की तारों का जाल : बीके अस्पताल में जिला रेडक्रॉस सोसायटी का फिजियोथैरेपी सेंटर मौजू है। जहां मरीजों को फिजियोथैरेपी की सुविधा के साथ विशेष व्यक्तियों के लिए कृत्रिम अंग बनाने का कार्य किया जाता है। यहां मौजूद इस सेंटर की छत के ऊपर बिजली के तारों का जाल बना हुआ है। इसमें से पुरानी इमारतों के कई दफ्तरों समेत फिजियोथैरेपी विभाग के और अस्पताल परिसर में जगह-जगह लगी लाईटों को बिजली आपूर्ति होती है। तारों का जाल पुरानी इमारतों पर लगा होने से यहां शॉर्ट सर्किट होने की घटनाएं होती रहती है।

कई बार लगी आग

बरसात के मौसम में तीन दिनों तक चली बरसात के दौरान यहां दोपहर के समय आग लग गई थी। जोकि बरसात की तेज बूंदों के कारण स्वयं ही बुझ गई थी। बरसात तेज हो तो यहां कुछ नहीं होता। लेकिन लगातार दो से तीन दिनों तक होने वाली बूंदाबांदी के दौरान यहां आग लग जाती है। ऐसा ही यहां गत दिवस देखने को मिला। जब तारों में आग लग गई। लेकिन समाजसेवी सतीश चौपड़ा की सूझबूझ से वह आग दमकल विभाग की गाड़ियों की मदद से बुझाई गई।

नहीं बदले जा रहे बिजली के तार

लगातार यहां आग लगने की घटनाओं को दैनिक समाचार पत्र पायनियर द्वारा पिछली बार प्रमुखता से प्रकाशित किया था, लेकिन इसके बाद भी यहां आग लगने की घटना घटित हो गई। यहां छतों से तारों के जाल को हटाकर दुरूस्त करने का कोई काम नहीं करवाया जा रहा है। तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण यहां आग लगने के बाद फिजियोथैरेपी सेंटर की बिजली कई-कई घंटे बंद हो जाती है। जिससे मरीजों को वापस लौटना पड़ता है। वहीं यहां मौजूद दफ्तरों में भी कई-कई घंटे बिजली गुल हो जाती है। जिससे यहां काम करवाने आने वाले लोगों को वापस लौटा दिया जाता है। सबसे अधिक परेशानी यहां दिव्यांगजनों को होती है।

देसी पिस्तौल सहित एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने आरोपी सूरज को देसी पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सूरज यूपी के अलीगढ़ का रहने वाला है।

क्राइम ब्रांच की टीम सेंट्रल थानाक्षेत्र में गश्त कर रही थी कि गुप्त सूत्रों की सहायता से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी देसी पिस्तौल सहित सेक्टर 12 स्थित टाउन पार्क के मेन गेट पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। यदि तुरंत रेड की जाए तो आरोपी को देसी पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया जा सकता है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को देसी पिस्तौल सहित काबू कर लिया।

भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ने का लें संकल्प : अभय चौटाला

राजा नाहर सिंह के 164वें बलिदान दिवस पर इनेलो विधायक ने किया शहर के युवाओं से आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ऐलनाबाद से इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला ने आज बल्लभगढ़ स्थित अमर शहीद राजा नाहर सिंह महल में उनके 164वें बलिदान दिवस पर आयोजित समारोह में जहां युवाओं से देशभक्ति का जज्बा पैदा करने की अपील की। वहीं भाजपा सरकार पर करारी चोट करते हुए खुले मंच से आह्वान किया कि जिस तरह से राजा नाहर सिंह ने 1857 के स्वाधीनता आंदोलन में अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे, ठीक उसी प्रकार अब पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश में अंग्रेज रूपी भाजपा सरकार को उखाड़ फैंकने के लिए, तैयार हो जाए।

उन्होंने उत्तरप्रदेश में युवा चेहरा अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी शक्ति लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में राजा तो बहुत रियासतों के हुए हैं, लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्यों का ही इतिहास बनता है।

सेक्टर 3 स्थित राजा नाहर सिंह महल में राजा नाहर सिंह के बलिदान दिवस पर उन्के चित्र पर पुष्प अर्पित करते ऐलना बाद के इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला।

शहीद राजा नाहर सिंह भी सही मायनों में ऐसे देशभक्त युवा राजा थे। जिनके तन, मन में देशभक्ति का जुनून था। उन्होंने गोरे अंग्रेजों से भारत देश को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमना पसंद किया। राजा नाहर सिंह के वंशज राजकुमार तेवतिया, राजा नाहर सिंह पड़पौत्र सुनील तेवतिया के संयोजन में राजा नाहर सिंह सोसायटी की तरफ से मुख्यातिथि अभय सिंह चौटाला का बल्लभगढ़ की पावन धरा पर पहुंचने पर पगड़ी बांधकर स्वागत किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक राजा नाहर सिंह प्रपौत्र सुनील तेवतिया ने अपने संबोधन में इनेलो की सरकार बनने पर राजा नाहर सिंह के पैतृक महल को म्यूजियम बनाने व राजा नाहर सिंह की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की भी मांग रखी। जिससे कि आने वाली पीढ़ी को राजा नाहर सिंह के बलिदान के इतिहास का पता लग सके। विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि राजा नाहर सिंह का जीवन बचपन से लेकर बलिदान दिवस पर प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने बल्लभगढ़ रियासत के राजा रहते हुए इस रियासत में पड़ने वाले 210 गांवों के लोगों को अंग्रेजी जुल्मों से बचाने के लिए कई बार अंग्रेजी सेना को नाकों चने चबाने का काम किया। यहां तक कि अंग्रेजों को दिल्ली पर कब्जा करने से भी कई बार रोका।

इस मौके पर पूर्व विधायक आनंद कौशिक, कांग्रेस के पूर्व महासचिव प्रदीप जैलदार, इनेलो के कार्यकारी जिलाध्यक्ष देवेंद्र तेवतिया, अनिल तेवतिया, जिला प्रधान महासचिव बच्चू सिंह तेवतिया, राजा नाहर सिंह सोसायटी के अध्यक्ष सोहनलाल सैनी, नवाब सिंह यादव, किसान सैल के महासचिव उदयवीर सहरावत, जिला बार एसो. के पूर्व अध्यक्ष बाबी रावत, जाजरू के सरपंच सतबीर डागर, उमेश कौशिक, दीपक डागर, वासुदेव गर्ग, ओमप्रकाश गर्ग, धर्मपाल चहल सहित सैकड़ों लोगों राजा नाहर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपहरण कर फिरौती मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

अपहृत व्यक्ति को बरामद की पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच 48 प्रभारी राकेश सिंह की टीम द्वारा साहस और बुद्धिमता का परिचय देते हुए आरोपियों द्वारा साजिश के तहत एक ऑटो चालक का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया तथा पीड़ित को सकुशल वापस लाया गया।

गिरफ्तार किए गए आरोपी फेरू उत्तर प्रदेश की शिकोहाबाद तहसील के नंगला नयाहरिया गांव का रहने वाला है। वह फिलहाल हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित जोगिंदर नगर इलाके में रह रहा था। अपहरण की साजिश में आरोपी का जीजा रिंकू तथा दो अन्य साथी भी शामिल है। मास्टर माइंड मुख्य आरोपी रिंकू ने राहुल नगर निवासी अपने परिचित ऑटो चालक राजीव का चार जनवरी को अपहरण किया था। योजना के तहत

फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार युवक फेरू।

रिंकू ने राजीव के बस स्टैंड बल्लभगढ़ बुलाया और उसके ऑटो में बैठकर शिकोहाबाद तहसील स्थित अपने गांव असरौली ले गया। वहां पर रिंकू के दो अन्य साथियों ने राजीव को एक मकान में रस्सियों से बांध दिया।

अगले दिन रिंकू ने राजीव के फोन से उसकी पत्नी को फोन किया और उसे बताया कि उन्होंने राजीव का अपहरण कर लिया है यदि वह अपने पति की जान की सलामती चाहती है तो एक घंटे में उनके बैंक अकाउंट में 25 हजार रूपए जमा करवा दें। उसने फेरू का अकाउंट नंबर उसे दे दिया। राजीव की पत्नी ने इसकी सूचना थाना एसजीएम नगर, चौकी नंबर तीन में दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की।

मरम्मत के कारण बड़खल फ्लाई ओवर हुआ बंद, जनता परेशान

बंद बड़खल फ्लाईओवर पर वाहनों का रूट डायवर्ट करते पुलिसकर्मी।

फरीदाबाद। बड़खल फ्लाईओवर को एक तरफ मरम्मत के लिए रविवार सुबह दस से सोमवार सुबह छह बजे तक बंद कर दिया गया। जिससे रविवार को यहां से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यदि काम पूरा नहीं हुआ, तो फ्लाइओवर को अधिक समय तक बंद किया जाएगा। बरसात में मरम्मत करने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

हो रही परेशानी : मथुरा रोड पर जाने के लिए एनआईटी, सेक्टर-21, गांधी कालोनी अन्य इलाकों के निवासियों के लिए बल्लभगढ़, बाटा और नीलम फ्लाइओवर, बड़खल फ्लाईओवर, ओल्ड अंडरपास ही सहारा है। ऐसे में बड़खल फ्लाईओवर बंद होने से लोगों को बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों में नीलम से या फिर मेवला अंडरपास से लम्बा चक्कर काटकर जाना पड़ा। ऐसे में यदि ओल्ड अंडरपास और मेवला अंडरपास में बरसात का पानी भर जाए तो लोगों के लिए, एकमात्र रास्ता नीलम फ्लाईओवर का बचता है। जिस कारण से यहां लम्बा जाम लग सकता है।

बरसात में कैसी मरम्मत : बड़खल फ्लाईओवर पर बने बड़े बड़े गड्ढ़ों के कारण गत दिवस एक रिक्शा पलट गया था। जिस कारण यहां लम्बा जाम लग गया था। जिसके कारण इस पुल की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन पुल की मरम्मत का कार्य बरसात में होने पर शहर के निवासियों का कहना है कि बरसात के कारण यहां किया जा रहा मरम्मत कार्य कितने दिन चलेगा। बरसात में मरम्मत कार्य करने से दोबारा यहां स्थिति जस की तस हो जाएगी। जिससे सरकार का पैसा व्यर्थ हो जाएगा।

ट्रेन के कोच से मिला बुजुर्ग का शव

फरीदाबाद। जीआरपी ने शनिवार रात अमृतसर-दादर एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच से बुजुर्ग का शव बरामद किया है। शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस इसे नेचुरल मौत मान कर चल रही है। पुलिस ने शव बीके अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है।

जांच अधिकारी एएसआई भीम सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब 9:30 बजे रेलवे की ओर से जानकारी मिली कि फरीदाबाद स्टेशन पहुंचने वाली दादर एक्सप्रेस के कोच नंबर-एस-6 में एक बुजुर्ग का शव पड़ा है। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और एस-6 कोच से शव उतारा और इस बारे में यात्रियों से जानकारी ली गई। यात्रियों ने इसे नेचुरल मौत बताया। मृतक के पास से कोई ऐसी चीज नहीं मिली है, जिससे उसकी पहचान हो सके। वह बिना टिकट ही यात्रा कर रहा था। मृतक की उम्र करीब 65 साल है। उसके शरीर पर एक क्रीम कलर का कुर्ता, क्रीम कलर की जैकेट और एक कंबल था। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

फ्रंटलाइन, 60 प्लस और गंभीर रोगियों को आज लगेगी बूस्टर डोज

शुगर-बीपी और कैंसर रोगियों को वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई जाएगी

कविता। फरीदाबाद

60 प्लस आयुवर्ग और फ्रंट लाइन वर्करों को आज से बूस्टर डोज लगाई जाएगी। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी कर ली है। जिला वैक्सीनेशन अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि फ्रंट लाइन वर्करों और 60 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों के अलावा शुगर-बीपी और कैंसर रोगियों को वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई जाएगी।

सब जगह लगेगी डोज

डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने कोविड-19 वैक्सीन की दो खुराक ली हैं, वे सीधे किसी भी टीकाकरण केंद्र में डोज ले सकते हैं। ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट की सुविधा भी शुरू हो गई। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति और कमजोर वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीसरी एहतियाती टीकाकरण प्रक्रिया 10 जनवरी से देश भर में शुरू होने वाली है। इसी कड़ी में आज सभी वैक्सीनेशन सेंटरों पर बुजुर्गों, फ्रंट लाइन वर्करों और बीमार रोगियों को बूस्टर डोज लगाई जाएगी।

कोरोना रोधी टीका लगवाते नागरिक

पहले वाली डोज

डॉ. मान सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 से ऊपर के लोगों के लिए एहतियाती तौर पर वहीं टीके लगाए जाएंगे। यानि खुराक वही वैक्सीन होगी जो उन्हें पहले दी गई थी। जिन लोगों को कोवैक्सिन मिला है, उन्हें एहतियाती खुराक के समान ही मिलेगा और जिन्हें कोविशील्ड की प्राथमिक दो खुराक मिली है, उन्हें कोविशील्ड मिलेगी।

बच्चों का टीकाकरण भी

डॉ. मान सिंह ने बताया कि 15-18 आयु वर्ग के लिए टीकाकरण तीन जनवरी से शुरू हो गया था। वहीं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और कमजोर वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीसरी एहतियाती खुराक की टीकाकरण प्रक्रिया 10 जनवरी से शुरू हो रही है। ऐसे में बच्चों के लिए अलग से टीकाकरण शिविरों की व्यवस्था जिले में है, जिससे बुजुर्गों को किसी तरह की समस्या नहीं आएगी।

रविवार को 15,541 डोज लगी

डॉ. मान सिंह ने बताया कि रविवार को जिले में 15541 ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। जिसमें 15 प्लस आयुवर्ग में प्रथम डोज सरकारी में 4643 और निजी में 189 बच्चों को लगी। वहीं 15 से 60 प्लस आयुवर्ग में सरकारी में 15132 को और निजी में 409 नागरिकों को डोज लगाई गई है।

पांच साल पहले शुरू हुए थे शहर के काले दिन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

समाजसेवी संस्था सेव फरीदाबाद के पदाधिकारियों ने अपने कार्यालय पर प्रेस वार्ता करके नौ जनवरी को काले दिवस के रूप में मनाया। संस्था के अधिकारियों का कहना है कि पांच साल पहले आज ही के दिन से फरीदाबाद के काले दिन शुरू हो गए थे, जब वर्तमान पार्षदों ने अपना कार्यभार संभाला था। गत पांच वर्षों में फरीदाबाद गर्त में चला गया है जिसकी पोल पिछले तीन दिनों से हो रही बरसात ने खोल कर रख दी है।

सेव फरीदाबाद के अध्यक्ष पारस भारद्वाज ने बताया कि एक नागरिक संगठन होने के नाते उनका दायित्व है कि वो जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के किये गए कार्यों को उजागर करें। उनका कहना था कि वैसे तो यहां काम विपक्ष मसलन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का है परन्तु यह सब विपक्षी दल आज सत्ता के साथ मिलकर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। इसलिए जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है।पारस भारद्वाज ने कहा कि इस शहर की जनता ने विकास की आस में भारतीय जनता पार्टी को सांसद, विधायक और पार्षद बनाते समय रिकॉर्ड वोटों से विजयी बनाया परन्तु बदले में प्रत्येक नागरिक के साथ विश्वासघात किया गया। संस्था ने आरोप लगाया कि

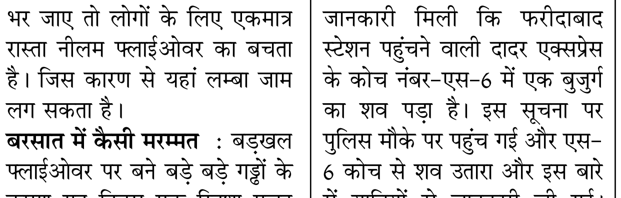

पत्रकारो से बातचीत करते समाज सेवी संस्था सेव फरीदाबाद के पदाधिकारी।

आज फरीदाबाद की हालत के जिम्मेवार सत्ता और विपक्ष दोनों ही हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के संरक्षण में यहां हर तरह का अवैध काम फल फूल रहा है। फरीदाबाद में अधिकारी नेता और ठेकेदारों का ऐसा भयानक गठजोड़ चल रहा है जिसने शहर के नागरिकों का जीना दूभर कर दिया है। निगम में भ्रष्टाचार पिछले 5 सालों में अपने चरम पर रहा। जब जांच के आदेश हुए तो 200 करोड़ की फाइलें निगम के रेकॉर्ड रूम में आग लगा कर जला दीं जाती हैं। फरीदाबाद निगम को सरकार से पिछले 5 वर्षों में 10 हजार करोड़ का बजट मिला। जिससे हर वार्ड के पार्षद के पास औसतन 250 करोड़ रुपये आये। इतने पैसों में तो एक नया शहर विकसित किया जा सकता था। इसके विपरीत विकास की बजाय विनाश किया गया।

मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर भारतीय जनता पार्टी के हैं और ज्यादातर पार्षद या तो भाजपा के हैं या अंदरखाने भाजपा को समर्थन देते नज़र आते हैं। ईको ग्रीन के नाम पर चल रही धांधलेबाजी को भी मुखर होकर उजागर किया गया। सेव फरीदाबाद के संरक्षक ठाकुर कमल सिंह तंवर ने सराय, पल्ला, तिलपत सेक्टर 37 में धड़ल्ले से चल रहे अवैध निर्माणों का हवाला देते हुए कहा की सरकार निष्पक्ष जांच करवाए तो पता चलेगा।

कोरोना के 878 नए मामले आए सामने

फरीदाबाद। जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। रविवार को जिले में कोरोना विस्फोट हो गया। जिसमें 878 नए मामले संक्रमित पाए गए। वहीं राहत यह रही कि 31 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 96.46 प्रतिशत पर पहुंच गया।

878 नए संक्रमित आने से जिले में एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 2932 पर पहुंच गया। जिसमें 73 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। उनमें से दो लोग वैंटीलेटर पर और 8 ऑक्सीजन पर भर्ती है। वहीं जिले में 2859 को होम आईसोलेशन में रखा गया है। जिले में पिछले 24 घंटे में 3486 लोगों के टेस्ट किए गए। जबकि अब तक जिला

कोरोना की जांच करवाता व्यक्ति।

फरीदाबाद में 1351816 लोगों ने टेस्ट करवाया गया। इनमें से 103131 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। जबकि 1244006 लोग नेगेटिव मिले। वहीं जिले में फिलहाल सरकारी में 3357 की सरकारी की और निजी में 1322 लोगों की रिपोर्ट आनी शेष है। जिला में एक्टिव केस रेट 2.84 प्रतिशत है। महामारी को रोकने के लिए टीकाकरण भी जोर शोर से किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एनएसएस कैम्प में दिया प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

फरीदाबाद । राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद के प्राचार्य महेन्द्र कुमार गुप्ता के दिशानिर्देशन में सात दिवसीय एनएसएस कैम्प फरीदाबाद के फ़तेहपुर बिल्लौच गांव में चल रहा है। कैम्प के पांचवे दिन डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसायटी के ट्रेनर व नोडल ऑफिसर (समाज सेवी) डॉ एमपी सिंह ने फार्स्ट एड की ट्रेनिंग दी। इसके साथ ही डिजैस्टर मैनजमेंट के बारे में बताया। डॉ दुर्गेश ने डॉ एमपी सिंह जी का स्वागत व धन्यवाद व्यक्त किया। जज्बा फ़ाउंडेशन के संस्थापक व राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित व पूर्व छात्र हिमांशु भट्ट ने भी अपने अनुभव साझा किया और एनएसएस के बारे स्थापना व संगठन के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। फरीदाबाद की प्रमुख संस्था सोनू नव चेतना फाउंडेशन के ट्रस्टी सोनू भाटी ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम व एनएसएस प्रभारी डॉ दुर्गेश ने बताया कि कैम्प के पांचवे दिन वालंटियर्स ने बढ़चढ़ कर ट्रेनिंग में भाग लिया। उन्होंने बताया कि सभी अतिथियों ने बच्चों को अपने अनुभव के साथ साथ समाज की जानकारी भी देने का काम किया। जिससे सभी युवाओं में समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को समझने का कार्य हुआ है ओर युवाओं में एक नई ऊर्जा का विस्तार हुआ है। इस दौरान गांव के कुछ अन्य बच्चे, लोग व महाविद्यालय से आए साथी दीपा मनचंदा व शोभा भी उपस्थित रहे।

एसी नगर में लगाया वैक्सीनेशन कैंप

फरीदाबाद। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन एसी नगर फरीदाबाद एवं सेवा भारती फरीदाबाद हरियाणा के सौजन्य से कोविड वैक्सीनेशन कैंप पंडित अमरनाथ हाई स्कूल नीलम बाटा रोड पर लगाया गया। इस शिविर में 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों और जिनकी पहली व दूसरी डोज रह गई थी उन्हें टीका लगाया गया। इस अवसर पर आरडब्ल्यू प्रधान दिनेश बंसवाल ने कहा कि कोरोना के खात्मे के लिए केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने तेजी से टीकाकरण अभियान चलाया हुआ है ताकि लोगों की इस महामारी से सुरक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि हम और हमारा परिवार इस बीमारी से तभी सुरक्षित रहेगा। जब हम सभी मिलकर टीके लगवाएंगे और दूसरे लोगों को भी टीके लगवाने के प्रेरित करेंगे। इस मौके पर आरडब्ल्यू के उपाध्यक्ष बशारत हुसैन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड शिविरों में जाकर अवश्य ही टीकाकरण करवाएं, यह पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस अवसर पर आरडब्ल्यू के अध्यक्ष दिनेश बंसवाल,उपाध्यक्ष बशारत हुसैन,महासचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष अशोक कपूर, सह कोषाध्यक्ष तेज प्रकाश, सचिव नवीन, इमरान, अश्विनी गुप्ता, राकेश, धर्मेंद्र, चिंटू, जॉनी, नेत्रपाल, जोगिंदर, सुनील कुशवाहा, सुनील गुप्ता, विजेंदर शर्मा अनिल बघेल, सपन पाल, अजीत, सुमित, रजत, गजे सिंह, जोगिंदर चौहान जी इत्यादि उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री ने शान्ति देवी के निधन पर शोक जताया

बल्लभगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने गांव भनकपुर पहुंच कर शान्ति देवी का शोक व्यक्त कर परिवार जनों का ढाढस बढ़ाया। बता दें कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के मीडिया सलाहकार(पत्रकार)जोगेंद्र रावत की दादी शान्ति देवी का शनिवार की सुबह 92 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार गांव भनकपुर मे किया गया था। दादा छज्जन सिंह द्वितीय विश्व युद्ध के योध्दा रहे। जिनका गत जून में निधन हो गया था। श्रीमती शांति देवी अपने पीछे दो पुत्र विजय सिंह व शेर सिंह, सुपौत्र जोगेंद्र रावत, अजीत रावत असिस्टेंट सैनेटरी इंस्पेक्टर, और कोशिन्द्र रावत के अलावा प्रपौत्र भूमेश रावत , पार्थ रावत और आदविक रावत सहित पूरा हरा भरा परिवार छोड़ कर स्वर्गलोक गमन कर गई है। शान्ति देवी का भारतीय जाट समाज के अध्यक्ष सुभाष चौधरी, शहीद स्मारक के अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, लखन बैनीवाल, रिछपाल लाम्बा, प्रेम खट्टर, आनन्दपाल राठी, सुषमा यादव, संदीप चौधरी, महेश गोयल, पार्षद शैलेन्द्र सिंह,मुख्यमंत्री निगरानी समिति के बल्लबगढ चैयरमैन पारस जैन, ब्रिजलाल शर्मा, भाजपा के आदर्श नगर मंडल के अध्यक्ष गजेंद्र वैष्णव, पाली मंडल अध्यक्ष शमशेर रावत, इनलो के पृथला अध्यक्ष बोधराज रावत, उदयराम नम्बरदार, हरिचंद शास्त्री, धर्मपाल रावत, नंदकिशोर, चिरन्जी मास्टर, सम्पूर्ण पंडित कुलदीप शर्मा सहित कई गणमान्य लोग शामिल हो कर शोक व्यक्त किया।

सामाजिक बुराइयों से लड़ने पर आशा रानी को मिला सम्मान

फरीदाबाद। सामाजिक बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रही युवा आशा रानी को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान आशा रानी को हरियाणा के खेल एवं युवा मामले के प्रदेश मंत्री सरदार संदीप सिंह द्वारा पंचकूला में सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मिला। सम्मानित युवाओं में फरीदाबाद से आशा रानी, करनाल से नीरु देवी, अंबाला से सुनैयना गुप्ता, रोहतक से सचिन और जींद से अजय शामिल हैं। राज्य युवा आयोग हरियाणा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न समाज सेवा में पुरस्कार पाने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान दिया गया। हरियाणा राज्य युवा आयोग के चेयरमैन मुकेश गौड़ ने मंत्री को बताया कि ये सम्मान युवाओं ने समाज में कोरोना काल के अलावा अन्य मौकों पर भी समाज में बिना स्वार्थ के बेहतर कार्य करने पर मिला है। सामाजिक बुराइयों के खिलाफ समाज में जाकर लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर चेयरमैन मुकेश गौड़ ने खेलमंत्री से मांग की कि अर्जुन अवार्डियों की तरह इन युवाओं को भी सम्मान व सुविधाएं मिलनी चाहिए।

खेल मंत्री संदीप सिंह आशा रानी को सम्मान देते हुए

राजा नाहर सिंह नाम पर रखा जाए जिले का नाम

फरीदाबाद। ऐतिहासिक नगरी बल्लभगढ़ में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद एवं बल्लभगढ़ शहर के राजा नाहर सिंह का एक भव्य स्मारक बनाया जाएगा। जहां पर महाराजा नाहर सिंह की 26 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उक्त फैसला आज राजा नाहर सिंह बलिदान दिवस पर प्रगतिशील किसान मंच के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यवीर डागर द्वारा आयोजित समारोह में लिया गया। इस समारोह में हरियाणा के परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने सत्यवीर डागर द्वारा बनाए जाने वाले इस भव्य स्मारक में यथासंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। उल्लेखनीय है कि बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह को 1857 के संग्राम के बाद 9 जनवरी 1958 को दिल्ली के टाउन हॉल चौक पर सरेआम फांसी दे दी गई थी, लेकिन अभी तक इस ऐतिहासिक नगरी में राजा नाहर सिंह की कोई प्रतिमान नहीं है। यही कारण है कि आज उनके बलिदान दिवस पर आयोजित समारोह में सत्यवीर डागर ने प्रस्ताव रखा कि यदि सरकार इस अमर शहीद प्रतिमा के लिए उनको स्थान उपलब्ध कराएं क्योंकि उन्होंने महाराजा नाहर सिंह की 26 फीट ऊंची प्रतिमा बनवा नी शुरू कर दी है। वरिष्ठ किसान नेता सत्यवीर डागर द्वारा रखे गए इस प्रस्ताव का बलिदान दिवस समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने एकमत में स्वागत किया और इस मौके पर उपस्थित हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा से समारोह के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग रखी। जिस पर पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि सत्यवीर डागर द्वारा प्रस्तावित इस समारोह के लिए वह यथासंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। इस मौके पर गुरुकुल इंद्रप्रस्थ के संचालक आचार्य ऋषिपाल ने प्रस्ताव रखा कि क्योंकि राजा नाहर सिंह का इस देश के स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है इस कारण सरकार को चाहिए की फरीद के नाम पर रखे गए इस जिले का नाम भी फरीदाबाद के स्थान पर स्वतंत्रता सेनानी राजा नाहर सिंह के नाम पर राजा नाहर सिंह रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर मास्टर मोहन तंवर, नरबीर तेवतिया, रिछपाल लाम्बा, सुभाष प्रधान, अवतार सारंग, आनंदपाल राठी, रामरतन, देवराज आर्य, सुखबीर सरपंच, प्रदीप डागर, बाबू बौहरे जी, ओमी यादव, सुषमा यादव, प्रेम खट्टर, धर्मपाल चहल, आजाद छिकारा, राहुल देव खुटेला, संदीप, किशनपाल आजाद सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

बुली बाई एप
विकृत सोच का उदाहरण

कोविड-19 से अधिक खतरनाक एक वायरस अपने आसान शिकारों की तलाश में है। कट्टरता तेजी से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से फैल रही है। इससे देश की भावी संपदा, यानी नौजवान प्रभावित हो रहे हैं। इसका एक उदाहरण विकृत सोच से पैदा किया गया 'बुली बाई' एप है। वेब आधारित एप में विकृत चित्रों तथा आपत्तिजनक कथनों से मुस्लिम महिलाओं को निशाना बनाया गया है। पुलिस ने चार नौजवानों को अब तक इस मामले में गिरफ्तार किया है। कथित रूप से नीरज भसीन ने यह एप बनाया था जो एक इंजीनियरिंग छात्र है। श्वेता सिंह की आयु केवल 19 साल है और उसने अत्यधिक आपत्तिजनक विषयवस्तु पोस्ट की है। मयंक रावत की आयु 21 साल है और उसने कथित रूप से अतिवादी पोस्टों के लिंक साझा किए हैं। विशाल झा की आयु भी 21 साल है और उसने कथित रूप से अनेक ट्विटर हैंडलों का प्रयोग कर मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री परोसी है। वे विभिन्न राज्यों तथा विभिन्न पृष्ठभूमियों से हैं तथा उनके कॅरियर लक्ष्य भी अलग-अलग हैं। लेकिन वे सोशल मीडिया से आपस में जुड़े हैं। उनका जुड़ाव सांप्रदायिक घृणा की विकृत सोच से है। वे बहुत समझदार हैं, वर्तमान मामलों पर उनकी पकड़ है और वे जीवन में कुछ पाना चाहते हैं। लेकिन गहराई में वे एक विकृत व्यक्तित्व का शिकार हो गए हैं जो वेब की अंधेरी दुनिया से उनमें आया है। अब उनके भविष्य से अन्य नौजवानों को सबक लेना चाहिए जो सांप्रदायिक जहर फैलाने में कुछ भी बुरा नहीं समझते हैं। इन चार नौजवानों के परिवार हमेशा लोगों की घृणा का शिकार रहेंगे तथा पड़ोसी उनसे संबंध तोड़ सकते हैं। विश्वविद्यालय उनको निकाल सकते हैं। उनका कालेज जीवन बरबाद हो जाएगा तथा उनके सपने इस अपराध के कारण जेलों में दम तोड़ सकते हैं?

सबसे बुरी बात है कि चार नौजवानों को शायद ही मुस्लिम महिलाओं के बारे में आमतौर से तथा उन महिलाओं के बारे में खासतौर से कोई जानकारी हो जिनकी वे सार्वजनिक रूप से चरित्र हत्या करते थे। आज देश के नौजवान और किशोर आनलाइन उग्रवादीकरण के सर्वाधिक शिकार हैं। इस शब्द का प्रयोग न केवल आतंकवाद, बल्कि सभी समाज-विरोधी कार्रवाइयों के संदर्भ में है। नौजवानों की वेब और सोशल मीडिया तक बेलगाम पहुंच के इन दिनों में इस बात के विशेष प्रयास किए जाने चाहिए कि वे अश्लील अभियानों या विभाजनकारी राजनीति से जुड़ने के विशेष प्रयास न करें। लेकिन ये विकृतियां उनमें प्रवेश के रास्ते तलाश लेती हैं। कोई संकटग्रस्त, अपरिपक्व व विचारहीन सोच वाला व्यक्ति इनसे प्रभावित होकर वेब में इनसे जुड़ सकता है। अपरिपक्व सोच को लगातार फर्जी खबरों, गढ़े गए गलत तथ्यों, प्रचार की राजनीति तथा विकृत सोशल नेटवर्क से प्रभावित किया जा सकता है जहां महिलाओं को गाली-गलौज व निन्दा का स्वाभाविक लक्ष्य माना जाता है।

इनमें से अधिकांश का संबंध अत्यधिक यौन संबंधी या सांप्रदायिक गाली-गलौज से है। महिलाओं को लगातार बलात्कार, हत्या, तेजाब हमले तथा अब नीलामी से डराया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र में अब महिलाओं का यौन उत्पीड़न अंतरराष्ट्रीय परिघटना बन गया है जिसमें पीड़ितों का चयन उनके धर्म के आधार पर करने के बाद उनके खिलाफ विभिन्न कार्रवाइयां की जाती हैं। देश के नौजवानों को सोचना चाहिए कि कट्टरता व सांप्रदायिक घृणा सोशल मीडिया में अंतर्निहित हैं और विकृत सोच वाले लोग इनका प्रसार समाज की पवित्रता नष्ट करने के लिए करते हैं। वे मासूम नौजवानों का ब्रेनवाश कर उस समय तक उनकी तारीफ करते हैं, जब तक उनका अपने आप विनाश नहीं हो जाता है। इसके बाद ऐसे लोग नए परिवार तलाशते हैं।

तालिबान नेताओं में बिखराव संभव

यदि सत्ता का गोंद उनको एकसाथ बांधे रखने में सफल नहीं होता है तो पूरी संभावना है कि अपने आंतरिक मतभेदों के कारण इस्लामवादी मिलिशिया बिखर जाए।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

तालिबानों ने जब से पहली बार 1996 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था, तब से यह सवाल लगातार पृष्ठभूमि में बना रहा है कि क्या उनकी सरकार सत्ता में बनी रहेगी और वह कितने समय तक चलेगी। इस सवाल पर चर्चा कभी धीमी तो कभी तेज होती रही है। अनुमान यह भी लगाया जाता है कि क्या तालिबान सरकार भीतर से विस्फोट का शिकार होकर बिखर जाएगी या इसे इस्लामिक स्टेट आफखुरासान जैसे संगठन की हिंसक कार्रवाई का शिकार होकर समाप्त होना होगा, अथवा यह इन दोनों कारणों से बिखर जाएगी। जहां तक पहले कारण का सवाल है, सभी जानते हैं कि अप्रैल, 1994 में दक्षिण अफगानिस्तान में गठन के बाद लगभग दो दशकों में इनके विभिन्न गुटों के बीच आंतरिक मतभेद लगातार बने हुए हैं। स्टीव कोली ने 'डाइरेक्टरेट एस: द सीआईए एंड अमेरिकाज़ सीक्रेट वार्स इन अफगानिस्तान एंड पाकिस्तान-2001-2016' में सीआईए के उप-निदेशक जान मैक्लागलिन के संदर्भ से संगठन का विश्लेषण किया है जिन्होंने जार्ज बुश जूनियर की कैबिनेट को 2001 में इस बारे में जानकारी दी थी। इसके अनुसार, 'तालिबान एकरूपी संगठन नहीं है।' उनके आंकलन में कहा गया था कि 'इनमें वैचारिक जुड़ाव है, पर उसमें अनेक लोग इस कारण भी शामिल हैं क्योंकि इससे उनको पैसा और बंदूकें मिल जाती हैं।' कोली ने तार्किक रूप से यह नतीजा भी निकाला था कि 'संगठन में विभाजक रेखायें चौड़ी करने के तरीके' हो सकते हैं और उनकी तलाश की जानी चाहिए।

कोली के अनुसार, सीआईए ने तालिबान नेतृत्व में ऐसे लोगों की पहचान की थी जिनका दावा था कि वे तालिबान के सुप्रीम कमांडर मुल्ला मुहम्मद उमर के दृष्टिकोण से असहमत थे जिसने ओसामा बिन लादेन तथा अलकायदा को सुरक्षित स्वर्ग उपलब्ध कराया था। उनका मानना था कि आतंकवादियों को पालने-पोसने के कारण इस्लामवादी कट्टरपंथी मिलिशिया को अंतरराष्ट्रीय मान्यता से वंचित होना पड़ा था। लेकिन यह मतभेद तालिबान के भीतर ही सीमित था और इसके कारण उनमें कोई विभाजन नहीं हुआ था। 7 अक्टूबर, 2001 को अमेरिका नीत युद्ध के बाद भी उनमें कोई विभाजन नहीं हुआ था, जबकि इसके कारण उनको दिसंबर के मध्य में अफगानिस्तान से पलायन करना पड़ा था। तालिबान गुटों में विभाजन की सोच के कारण ही 'अच्छे' और 'बुरे' तालिबान का विचार विकसित हुआ था। जहां अच्छे तालिबान से अर्थ उन लोगों से था जिनके साथ अमेरिका व अन्य देश लाभदायक वार्ता के बाद उचित नतीजे पर पहुंच सकते थे। इस विचार का पहला पैरोकार निश्चित रूप से पाकिस्तान था जो वर्ड ट्रेड सेंटर तथा पेंटागन ई-विंग पर 11 सितंबर, 2001 को हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिकन राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर के प्रशासन के निकट जाना चाहता था। लेकिन इस दृष्टिकोण के कोई व्यावहारिक नतीजे नहीं निकले थे। तालिबान के पहले अमीरुल मोमिनीन या विश्वासियों के सुप्रीम कमांडर मुल्ला मुहम्मद उमर ने ओसामा बिन लादेन व उसके सहयोगियों को सौंपने तथा अलकायदा को अफगानिस्तान से निकालने से इनकार कर दिया था। लेकिन इसके बावजूद 'अच्छे तालिबान' के इस विचार का अस्तित्व बना रहा। 22 दिसंबर, 2001 से 20 सितंबर, 2014 तक अफगानिस्तान के राष्ट्रपति रहे हामिद करजई इस विचार के समर्थक थे। अच्छे तालिबानों में उनका एक हिस्सा शामिल माना जाता था जिसमें इस्लामवादी मिलिशिया का सह-संस्थापक व वर्तमान समय में तालिबान सरकार के तीन उप-प्रधानमंत्रियों में से एक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर इनमें प्रमुख था। लेकिन बुश प्रशासन ने इस विचार को अस्वीकार कर दिया और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। हालांकि, करजई ने लगातार तालिबानों तथा पूर्व तालिबान विदेश मंत्री मुल्ला अब्दुल सलीम जईफ के साथ संपर्क बनाए रखा और वे तालिबान नेतृत्व को इस बात पर मनाने का प्रयास करते रहे कि युद्ध का अंत करने के लिए वार्ता हो। उनके भाई अहमद वली करजई का मुल्ला बरादर से परोक्ष संपर्क भी लगातार बना हुआ था।

जनवरी, 2010 में मुल्ला बरादर की गिरफ्तारी तथा पाकिस्तानी अधिकारियों व बाद में अमेरिकनों द्वारा उससे पूछताछ ने भी परोक्ष संपर्क समाप्त नहीं किए। इन संपर्कों के माध्यम से वार्ता जारी रही तथा अमेरिका व करजई सरकार के तालिबानों के एक हिस्से से संपर्क बने रहे। वास्तव में मुल्ला बरादर की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से इस्लामाबाद का कदम था जिससे वह वार्ताओं तथा खासकर अमेरिका और तालिबान के बीच वार्ताओं को ध्वस्त करना चाहता था। इन वार्ताओं के बारे में पाकिस्तान को विश्वास में नहीं लिया गया था और इससे इस्लामाबाद बहुत नाराज था। 16 फरवरी, 2010 को न्यूयार्क टाइम्स में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी जिसका शीर्षक था 'तालिबान की गिरफ्तारी पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण'। इसमें कार्लोटा गाल व सऊद मेखनट ने बताया था कि बरादर की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई थी जब तालिबान में तीखी आंतरिक बहस चल रही थी कि शांति के लिए बातचीत की जाए या अमेरिका से युद्ध जारी रखा जाए। उस समय अमेरिका अफगानिस्तान में 30,000 और सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा था जो उस वर्ष के अंत में नया हमला करने की राष्ट्रपति बराक ओबामा की रणनीति का हिस्सा था।

इस रिपोर्ट में कंधार प्रांतीय परिषद के एक सदस्य हाजी मुहम्मद एहसान के संदर्भ से कहा गया था कि कुछ कट्टरपंथी लड़ाई जारी रखना चाहते थे, जबकि बाकी लोग बातचीत के माध्यम से शांति स्थापित करने के पक्ष में झुक रहे थे। तालिबान के भीतर मतभेद जारी रहे जिनमें से अधिकांश का संबंध नस्ली व क्षेत्रीय जुड़ावों तथा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से भी है। 2015 में गुटीय टकराव उस समय खासतौर से चर्चा का विषय बने जब पता चला कि 13 अप्रैल, 2013 को मुल्ला उमर मार डाला गया था, लेकिन इस तथ्य को गोपनीय रखा गया तथा उनके नाम से मुल्ला अख्तर मंसूर संगठन चलाता रहा। जुलाई, 2015 में वारिस बना मंसूर 21 मई, 2016 को अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया जिसके बाद शेख हैबतुल्ला अखुंदजादा को अमीरुल मोमिनीन बनाया गया। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद सरकार गठन की प्रक्रिया में गुटीय टकराव और तीखे हो गए थे। देश की राजधानी काबुल पर 15 अगस्त, 2021 को तालिबान का कब्जा हो गया। इसके बाद स्थाई सरकार के बजाय अंतरिम सरकार में मंत्रियों की पहली सूची पेश करने में तीन सप्ताह का समय लगा। मंत्रालयों की संरचना और बाद में उनके विस्तार से पूरी तरह स्पष्ट है कि मंत्रिमंडलीय पदों पर सुलह-समझौते के प्रयास लगातार हुए। समय बीतने के साथ मानवाधिकार, खासकर महिलाओं के अधिकारों व समावेशी सरकार के मुद्दे लगातार उभर रहे हैं।

इनके बारे में तीखे मतभेद विद्यमान हैं जिनसे मामले भविष्य में और गंभीर हो सकते हैं। ऐसे में यह कहना कठिन है कि क्या तालिबान सरकार में भीतर से विस्फोट होगा? यह कहना भी कठिन है कि क्या सत्ता का गोंद तालिबान में विपरीत ध्रुवों को आपस में बांधे रहने में सफल होगा?

नाभिकीय ऊर्जा उपयोग पर विवाद

> **"नवीकरणीय ऊर्जा अंततः नाभिकीय ऊर्जा का स्थान लेगी, लेकिन इसके बावजूद कोयला और गैस जलते रहेंगे।"**

गुइन डायर
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जर्मनी के बाकी नाभिकीय ऊर्जा बिजलीघर बंद कर दिए गए हैं। इसके बाद देश में केवल तीन नाभिकीय बिजलीधर बचे हैं और वे भी 2022 में बंद कर दिए जाएंगे। जर्मनों को अब नाभिकीय विभीषिका के भय में जीने से मुक्ति मिल जाएगी। इसके साथ ही जर्मन इंस्टीट्यूट फार इकोनोमिक रिसर्च ने वादा किया है कि नाभिकीय बिजलीघरों से न मिलने वाली बिजली 'नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार से प्राप्त होगी।'

यह बहुत अच्छा समाधान है, पर इसमें एक समस्या भी है। जर्मनी में नाभिकीय बिजली के स्थान पर प्रयोग होने वाली अधिकांश पवन व सोलर बिजली, कोयला व गैस से पैदा बिजली का स्थान नहीं लेगी जो अब भी बड़ी मात्रा में बिजली पैदा करने के साधन हैं। इस प्रकार जर्मनी 2038 तक कोयला जलाता रहेगा, जबकि फ्रांस इसका प्रयोग बंद कर चुका है तथा ब्रिटेन 2024 तक बंद कर देगा। जर्मनी की घोषणा से केवल एक दिन पहले बेल्जियम ने भी 30 दिसंबर को घोषणा की थी कि वह 2025 तक अपने सभी नाभिकीय बिजलीघर बंद कर देगा। उसने यह भी वादा किया है कि इससे कम पड़ने वाली बिजली की आपूर्ति अंततः नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से की जाएगी, लेकिन इस बीच वह और ज्यादा कोयला और गैस जलाएगा। जब यूरोपीय संघ ने नया कानून पास कर कहा है कि वह नाभिकीय बिजली को 'ग्रीन' मानता है, बशर्ते कि इन प्लांटों के पास नाभिकीय कचरा निस्तारण की सटीक योजनायें हों तो पूरे यूरोपीय संघ में इतना विवाद क्यों पैदा हो रहा है। जर्मन पर्यावरण मंत्री स्टेफी लेम्के ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह 'गलत' बता कर इसकी निन्दा की है।

यह एक प्रकार से सामान्य समझदारी पर भय की विजय है। जब कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन से भारी खतरा मौजूद है और हम वि-कार्बनीकरण की दौड़ हार रहे हैं तो नाभिकीय बिजलीघरों को खारिज करने की मांग मूर्खतापूर्ण है। वर्तमान समय में दुनिया में 441 वाणिज्यिक नाभिकीय रिएक्टर काम कर रहे हैं और वे दुनिया की कुल बिजली में 10 प्रतिशत योगदान करते हैं। यदि पर्यावरण आंदोलन 1970 व 1980 के दशकों में हुई कुछ दुर्घटनाओं के कारण इसे पंगु करने पर न आमादा हो तो तीन से चार गुना अधिक नाभिकीय बिजली पैदा की जा सकती है। ऐसे में संदेह है कि नाभिकीय बिजली के प्रति पर्यावरणवादियों की पुरानी दुश्मनी को अमेरिका का फासिल ईंधन उद्योग प्रोत्साहन दे रहा है तथा इस पर पैसा खर्च कर रहा है। वह हमेशा संभावित विरोधियों का पता लगा कर उनको ध्वस्त करने में तेजी दिखाता है। लेकिन अब यह दुश्मनी इस अर्थ में आत्मनिर्भर बन रही है कि इसमें काल्पनिक आंकड़ों व भय पैदा करने की रणनीति अपनाई जाती है। वास्तव में अब तक केवल तीन बड़ी दुर्घटनायें पिछले साठ साल में हुई हैं, जब सैकड़ों नाभिकीय बिजलीघर काम कर रहे थे। इनमें से केवल एक दुर्घटना-1986 की चेर्नोबिल मनुष्यों के हताहत होने का कारण बनी है। इसमें 28 कामगार मारे गए थे तथा बाद में 15 अन्य थायरायड कैंसर से मरे थे। लेकिन 2011 में फुकुशीमा दाइची प्लांट दुर्घटना में कोई नहीं मरा था, हालांकि समुद्र की तलहटी में आए 9.0 पैमाने के भूकंप और उससे पैदा सुनामी से शहर बरबाद होने के कारण 20,000 लोग मारे गए थे।

इससे बहुत अधिक संख्या में लोग रोज कोयले के कारण पैदा प्रदूषण से मरते हैं जितने नाभिकीय बिजली दुर्घटनाओं में पिछले पचास साल में नहीं मरे हैं। इसके बावजूद थोड़े से यूरोपियनों को तकनीक से डराया गया है और वे इतने संगठित हैं कि अधिकांश यूरोपीय देशों ने नाभिकीय बिजलीघरों पर प्रतिबंध लगा दिया है या वे उनको बंद करने जा रहे हैं। हम यूरोपियनों को उनकी नाभिकीय-विरोधी मूर्खता के लिए माफ कर सकते हैं क्योंकि अधिकांश अन्य मामलों में वे दुनिया में उत्सर्जन कम कर रहे हैं।

लेकिन यूरोप के बाहर नाभिकीय बिजलीघरों पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ताइवान और फिलीपीन्स हैं। यहां वर्तमान समय में 52 नाभिकीय बिजलीघर निर्माणाधीन हैं जिनमें से अधिकांश एशिया में हैं। कांपैक्ट माड्यूलर नाभिकीय रिएक्टरों की एक नई पीढ़ी सामने आई है जिसे फैक्ट्रियों में जोड़ा जा सकता है और वे पिघल नहीं सकते हैं। इनके पांच साल से भी कम समय में बाजार में आने की उम्मीद है। इस प्रकार फासिल ईंधन के पश्चात वाली दुनिया में पहेली का खोया हिस्सा मिल गया है और अब यूरोपीय शांति से सो सकते हैं।

आप की बात

बचपन छीनता बाल श्रम

भारत प्रगति के राह पर चमकता दिखाई दे रहा है ,विश्व के कई बड़े देश भारत के तरक्क़ी का गुणगान कर रहे है । भारक्त विश्व अर्थव्यवस्था में सभी बड़े देशो को कड़ी टक्कर दे रहा है। बीते दिनो में भारत तेज़ आर्थिक विकाश दर हासिल कर लिया है ,जहां सड़कें ,पुलों और एक्सप्रेस वे ,हाइवे का जाल बिछ रहा है , महानगरों और शहरों में प्रगति दिन रात बढ़ती चली जा रही है, तो क्या यह भारत के विकाश की जमीनी हकीकत है ? कई सारे रिपोर्ट्स के अनुसार भारत मे बाल श्रम ,बधुआ मजदूरी में बढ़ोतरी होता चला जा रहा है। भारत के उत्तरी हिस्से , उत्तर प्रदेश ,बिहार , झारखंड , और पश्चिम बंगाल , जैसे राज्यो से जिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही है , उन परिवार से बच्चों को बड़ी मात्रा में बड़े शहरों में कारखानों , लघु उद्योगो में लगा दिया जाता है।कई जगहों पर बच्चो से बंधुवा मजदूरी भी करवाया जा रहा है। एक रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले जनगणना में करीब 2 करोड़ से अधिक बच्चे भारत मे बाल श्रमिक है। सरकार के द्वारा कई कानून ,योजनाएं लाने के बावजूद भी इनकी संख्या घटने के बजाए बढ़ती ही चली जा रही है। बचपन बचाओ आंदोलन के एक रिपोर्ट्स के अनुसार भारत में करीब 4 से 5 करोड़ बच्चे शिक्षा से वंचित हैं।

– **रितेश सिंह चंचल**, आजमगढ़

देश विरोधी चैनल

भारत देश मे ऐसे लोग है। जो देश मे रहने के बावजूद भी देश विरोधी क्रियाकलापों में संलग्न रहते है। दूसरे देशों की जयजयकार करते है।आज के सूचना प्रौद्योगिकी और तकनीकी युग मे तमाम न्यूज वेव पोर्टल का चलन हो गया है। जो देश विरोधी गतिविधियों और धार्मिक कट्टरता बढ़ाने में विदेशी ताकतों के इशारे पर लोगो को गुमराह कर रहे है।सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर में दीक्षांत समारोह में भाग लेने आये केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि उन न्यूज वेव पोर्टल जो देश मे भ्रम,भय ,झूठ और देश विरोधी कहने वालों पर मंत्रालय द्वारा कार्यवाही की गई।उन्होंने कहा न्यूज वेव पोर्टल चलाने वालों के लिये स्पष्ट गाइड लाइन जारी की गई है। जिसका पालन देश मे करना होगा। चैनल संचालित करने से पहले सूचना विभाग से अनुमति और स्थान की जानकारी देनी होगी। पूर्व में कई पाकिस्तानियों ने ऐसे चैनल संचालित कर देश विरोधी षडयंत्र रचा था।जिनके विरुद्ध कार्यवाही की गई।सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा विशेष निगरानी तन्त्र बनाया जाए, जो ऐसे लोगो पर निगाह रखे जो विदेशी धन के द्वारा देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

राजनीति में लालच

चुनावों की आहट में राजनीतिक दल मतदाताओं को संभावित लालच के जरिए अपने पक्ष में करने में जुटे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई नया ऐलान हो ही रहा है। देश में इस समय 5 राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव दहलीज पर हैं। कोरोना संक्रमण ने राजनीतिक दलों को रैलियों और सभाओं में भीड़ के प्रति सचेत किया है। सभी दल इससे चिंतित अवश्य हैं और वह सत्ता के जुगाड़ के लिए कोई न कोई नुस्खा जरूर निकाल रहे हैं। मतदाताओं से लालच के जरिए वोट हथियाने की नीति वैसे कोई नई नहीं है पर इससे अप्रत्यक्ष रूप से आम आदमी नुकसान उठा रहा है। दिल्ली से आप और पंजाब से कांग्रेस ने इस दिशा में नए पांसे फेंके हैं। सिद्धू ने ग्रहणीयों को 2,000 नगद देने और साल के हर सवा महीने में एक गैस सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की है। इसके अलावा भी अन्य दलों मतदाताओं को ललचा रहे हैं। सत्ता के लिए लालच की राजनीति को अब संवैधानिक जरिए रोके जाने की जरूरत है। इस तरह की मुफ्तखोरी का भार तो हर भारतीय ही सिर पर पड़ना है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

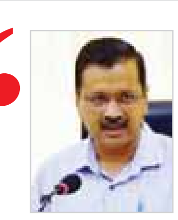

कोविड-19 के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। बहुत कम लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

गृह मंत्रालय पीएम की सुरक्षा में हुई चूक के मामले को देख रहा है। बड़े और कठोर निर्णय लिए जाएंगे।

– **अनुराग ठाकुर**
केंद्रीय मंत्री

मैं किसी को भी लोकतंत्र का गला घोटने नहीं दूंगा। मैं उसके रास्ते में खड़ा हो जाऊंगा।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

सपा कब तक जनता को झूठ, फरेब परोसेगी: स्वतंत्र देव

● जिन्ना की मूर्ति लगाने, राम मंदिर पर बुलडोजर चलाने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं अखिलेश: प्रदेश अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उनकी झूठ की राजनीति जनता के सामने खुल कर आ गयी है। उन्होंने रविवार को एक बयान में कहा कि सपा कब तक जनता को झूठ और फरेब परोसेगी। कोरोना काल में जनता को तिलांजलि देकर अखिलेश ने बता दिया है कि वह सत्ता के आगे जनता को कुछ नहीं समझते हैं।

उन्होंने कहा कि अखिलेश सत्ता में आने के लिए आतुर हैं लेकिन उन्होंने जनता के लिए किया क्या है जो उन्हें सत्ता में लाया जाए। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा अखिलेश सत्ता में जिन्ना की मूर्ति लगाने, सरदार पटेल की मूर्ति हटाने, राम मंदिर पर बुलडोजर चलाने, नियुक्ति के लिए दुकान खोलने, बहन, बेटियों को फिर से असुरक्षित करने, माफिया, गुंडो को सरंक्षण देने के लिए आना चाहते हैं। जनता उन्हें देख-परख चुकी है और योगी का सुशासन भी देख चुकी है। इसमे कोई शक नही है कि भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ फिर से जीत कर आयेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनके समय की ही नहीं बल्कि उससे पहले की सिंचाई योजनाएं पूरी करके किसानों के लिए योगी सरकार ने जो भी किया है, इसका लाभ किसान ही बता सकते हैं जिनकी चिंता समाजवादी पार्टी को कभी नहीं रही। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने सत्ता संभालते ही लगभग 86 लाख लघु एवं सीमांत किसानों का 36000 करोड़ का कर्ज माफ किया और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ कर दीर्घगामी फायदा दिया। श्री सिंह ने कहा कि बिजली की बात अखिलेश न ही करें तो अच्छा है। उनके समय में सिर्फ दो तीन जिलों में ही बिजली दी जाती थी लेकिन योगी सरकार ने सभी 75 जिलों में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई, वह भी बिना किसी भेदभाव के। सबका साथ सबका विकास की परिकल्पना का सही अर्थों में पालन किया है योगी सरकार ने। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश सरकार ने 2012 से 2017 तक बिजली के क्षेत्र में क्या किया आँकड़े बताते हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि 2012-17 के दौरान प्रतिवर्ष 29 नए सबस्टेशन बने जबकि योगी जी के कार्यकाल में 2017-21 के दौरान प्रतिवर्ष 337 नए सबस्टेशन बनाये गए। सपा शासनकाल की तुलना में प्रतिवर्ष 154 प्रतिशत अधिक हाई टेंसन एचटी लाइन जोड़ी गयी। उन्होंने कहा कि 2012-17 के दौरान 47.75 लाख घरों में बिजली कनेक्शन दिये गए जबकि 2017-21 के दौरान 1.41 करोड़ घरों में मुफ्त बिजली कनेक्शन दिये गए जो सपा शासनकाल की तुलना में 195 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह 2012-17 के दौरान प्रतिवर्ष औसतन 9.55 लाख घरों में बिजली कनेक्शन दी गयी जबकि 2017-21 के दौरान प्रतिवर्ष औसतन 35.20 लाख घरों में बिजली कनेक्शन दिये। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा शासनकाल की तुलना में योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में मजरों के विद्युतीकरण में प्रतिवर्ष औसतन 328 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने अखिलेश पर तंज़ किया कि उनके इत्र वाले मित्रों के पास करोड़ों रुपया जब्त होने के बाद से सपा ज्यादा ही परेशान लग रही है और पैसे की कमी का रोना रो रही है।

ट्वीट डिलीट करने से कारनामे डिलीट नहीं होते: डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

● भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने इत्र कारोबारी के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की फोटो दिखाते हुए बोला हमला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा और बड़ा सियासी हमला बोला है। आरोपित इत्र कारोबारी के साथ सपा प्रमुख के संबंध को लेकर उन्होंने सवाल किया कि ट्वीट डिलीट क्यों किया? उन्होंने कहा कि ट्वीट डिलीट कर देने से अखिलेश के कारनामे डिलीट होने से रहे। भाजपा प्रवक्ता ने इसके साथ ही यूपी के विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर अलग-अलग पार्टियों के कारणों की अपने नई व्याख्या भी की है। कहा कि सपा अपनी जमीन और संपत्ति बचाने के लिए, बसपा अपनी इज्जत बचाने के लिए, कांग्रेस अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए और ओवैसी आग लगाने के लिए जबकि भाजपा सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है।

बीजेपी मुख्यालय पर पत्रकारों से बात करते हुए डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनाव का शंखनाद होने के साथ ही दो महत्वपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं। पहली घटना सिर मुड़ाते ओले पड़ने जैसी है। हाल के दिनों में चर्चित और जांच की जद में आए इत्र कारोबारी के साथ अखिलेश यादव की फोटो का प्रिंट दिखाते हुए उन्होंने कहा कि सपा के इत्र की गंध सात समंदर पार से महसूस और दिखाई दे रही है। आज भ्रष्टाचार को लेकर जिन लोगों पर प्रभावी कार्रवाई हो रही है अखिलेश उन सब के साथ देश-देशांतर तक सानिध्य लाभ ले रहे थे। डॉ त्रिवेदी ने बताया कि यह फोटो 24 मई 2015 को ट्वीट की गई थी जिसे अब डिलीट कर दिया गया है। कहा कि अखिलेश यादव को यह जानना चाहिए कि ट्वीट डिलीट होने से कारनामे डिलीट नहीं होते।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा अखिलेश यादव कहते फिरते हैं कि उनके सपने में भगवान श्रीकृष्ण आए थे। क्या भगवान कृष्ण ने उन्हें यह नहीं बताया कि कर्म का सिद्धांत भी उन्होंने दिया है। ट्वीट डिलीट कर देने से कर्म के सिद्धांत से मुक्ति नहीं मिलती है। अपने इस कारनामे का जवाब अखिलेश यादव को देना होगा। डॉ त्रिवेदी ने इस दौरान पूर्व की सरकार को नोएडा अथॉरिटी के भू आवंटन मामले में भी कटघरे में खड़ा किया। कहा कि सीएजी की रिपोर्ट में 2005 से 2017 तक नोएडा अथॉरिटी के अलग अलग भूमि आवंटन में भारी अनियमितता पाई गई।

औद्योगिक विकास की जमीनें आवासीय के रूप में आवंटित कर दी गईं। महज 22 प्रतिशत औद्योगिक जमीनों का उद्योगों के लिए आवंटन हुआ। इससे सरकार को 52000 करोड रुपये से अधिक की हानि हुई। अखिलेश यादव को इस आर्थिक घोटाले का जवाब भी जनता को देना होगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अखिलेश यादव के जमाने में जो पैसा निकला वह उनकी तिजोरियों में पहुंचा जबकि भाजपा सरकार में निकला धन गरीबों के घरों तक। डॉ त्रिवेदी ने डिजिटल चुनाव प्रक्रिया को लेकर सपा प्रमुख के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव के आगाज का अंजाम क्या होगा? इसका जवाब अखिलेश यादव ने दे दिया है।

डिजिटल चुनाव प्रक्रिया में उन्हें समस्या नजर आ रही है। अखिलेश के बारे में सुन रखा था कि वह विदेश से इंजीनियरिंग पढ़ कर आए थे। अब टेक्नोलॉजी पर उनकी यह सोच जानकर सवाल पैदा होता है। अब तो यही लगता है जितनी भी कर ली लिखाई-पढ़ाई, निकले असल सपाई। डिजिटल चुनावी प्रक्रिया पर उनका बयान समाजवादी पार्टी की अवश्यंभावी पराजय का आधार है। अखिलेश ने अभी से शिकस्त की पेशबंदी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक नए तथ्य सामने आ रहे हैं।

अखिलेश कोरोना काल में भले अंतर्ध्यान रहे हों, लेकिन अब बचने का कोई रास्ता नहीं है, जनता को जवाब तो देना ही पड़ेगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यूपी के क्षितिज पर जो अरुणोदय 2017 में हुआ था 2022 में उसी क्षितिज पर वह योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जन कल्याण का मार्ग और प्रशस्त करने को प्रखर और प्रभावी सूर्य के रूप में दिखेगा।

आदर्श आचार संहिता को पूरी सख्ती से लागू करे निर्वाचन आयोग: मायावती

● 403 में से 400 सीटें जीतने का सपना देख रही पार्टियों का सपना 10 मार्च को टूटेगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों में चुनाव की घोषणा के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि निर्वाचन आयोग आदर्श आचार संहिता को पूरी सख्ती से लागू कराने के लिए ठोस कार्रवाई अवश्य करें क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से चुनावों के दौरान हर प्रकार की धांधली करने तथा सत्ता और धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए अनुचित इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति काफी घातक रूप में बढ़ी है इसको लेकर पूरा देश भी काफी चिंतित है। साथ ही मायावती ने उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने की उम्मीद जताते हुए कहा है कि पार्टी उत्तराखंड में भी ज्यादा सीटें लेकर आएगी। वहीं पंजाब में अकाली दल के नेतृत्व में गठबंधन का प्रदर्शन मजबूत होगा।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बीएसपी एक अनुशासित पार्टी है व आदर्श चुनाव आचार संहिता पर पूरी सख्ती से अमल करने की हिदायत अपनी पार्टी के सभी स्तर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं आदि को हमेशा देती रहती है। इस चुनाव में मुख्य चुनाव आयोग ने जो भी चुनाव आचार संहिता लागू की है उसको बहुजन समाज पार्टी पूरी ईमानदारी से पालन करेगी। चुनाव फ्री एंड फेयर होना चाहिए इस इसके लिए चुनाव आयोग से हमारा अनुरोध भी है। खासकर दलित व अन्य कमजोर वर्गों के लोग अति संवेदनशील को पोलिंग बूथों पर अपना मत डाल सके। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग को काफी सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। वरना इन वर्गों के लोग अपना वोट डालने से वंचित रह जाएंगे। मायावती ने जनता से कहा कि इस चुनाव में विरोधी पार्टियों के खास करके विभिन्न रूपों में जारी होने वाले प्रलोभन भरे चुनावी घोषणा पत्रों में ना फंसे। तथा ना ही अपना वोट किसी भी प्रकार की भावनाओं में बहकर करना है। बल्कि अपने हितों में आजमाई हुई अपनी पार्टी बीएसपी को ही अपना वोट देना है जिसकी कथनी और करनी में कभी भी कोई अंतर नहीं होता है जिसे यहां की जनता अच्छी प्रकार से जानती है। बीएसपी की सरकार में कानून द्वारा कानून का राज रहता है। जिसका मुकाबला अभी तक यहां किसी पार्टी की सरकार ने नहीं किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुछ पार्टियां ऐसी भी हैं जो दूसरी पार्टियों के निकाले हुए लोगों के साथ अनेकों पार्टियों के साथ गठबंधन करके इस चुनाव में 403 में से 400 सीटें जीतने का सपना देख रही है। उनका यह सपना 10 मार्च को टूट जाएगा जब बहुजन समाज पार्टी बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी। यही स्थिति हमें बीजेपी और व अन्य पार्टियों की देखने को मिलेगा। इसके साथ साथ उत्तराखंड स्टेट में भी पहले से ज्यादा रिजल्ट लाएगी साथ ही पंजाब स्टेट में ही बीएसपी व शिरोमणि अकाली दल गठबंधन कर सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार जरूर बनेगी।

टिकट वितरण को लेकर की बैठक

बसपा सुप्रीमो मायावती ने टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ आज बैठक की। बैठक को लेकर बताया जा रहा है कि अब तक मायावती ने 300 से ज्यादा विधानसभा सीटों के लिए अनौपचारिक रूप से टिकट का ऐलान कर चुकी हैं। इन उम्मीदवारों को अपन अपने विधानसभा क्षेत्र में काम भी करने को कह दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बीएसपी ने सबसे ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है, उसके बाद ब्राह्मणों का नंबर है। बसपा की ओर से ओबीसी उम्मीदवार को भी काफी तादाद में टिकट देने की चर्चा है।

चुनाव की नयी प्रचार व्यवस्था में सबसे अधिक प्रभावित होगी बसपा

● राजनीतिक जानकारों की मानें तो कैंपेन कर्फ्यू का सबसे ज्यादा असर बसपा पर पड़ेगा, क्योंकि पार्टी के समर्थक वर्चुअली साउंड नहीं है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निर्वाचन आयोग की तरफ से उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों में चुनाव की घोषणा के बाद बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए 15 जनवरी तक रोड शो, पदयात्रा, रैली पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में अगर 15 जनवरी के बाद भी कैम्पेन कर्फ्यू लागू रहता है तो इस बार के चुनाव में बसपा समर्थक मायावती के दर्शन से महरूम हो जाएंगे। क्योंकि वह मण्डल व जिलेवार रैलियां नहीं कर सकेंगी।

प्रदेश में चुनावी सुगबुगाहट के बीच भाजपा सहित सपा व कांग्रेस ने अपने अपने हिसाब से कैम्पेन शुरू कर दिया था। जनसभाओं के माध्यम से पार्टी के लीडर अपनी बात जनता तक पहुंचाते देखे गए। अलबत्ता बसपा सुप्रीमो कहीं नजर नहीं आई। ऐसे में अब निर्वाचन आयोग की तरफ से 15 जनवरी तक रोक लगा दी गई। साथ ही जिस तरह से कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है उस हिसाब से फिर से यदि आयोग की तरफसे कैम्पेन पर रोक लगाई जाती है तो बसपा सुप्रीमो को अपनी बातों को जनता तक पहुंचाने के लिए वर्चुअल रैली का सहारा लेना होगा। लेकिन दिक्कत इस बात की है कि बसपा कार्यकर्ता डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा सक्रिय नहीं है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो चुनाव आयोग के कैंपेन कर्फ्यू का सबसे ज्यादा असर बसपा पर पड़ेगा, क्योंकि पार्टी के समर्थक वर्चुअली साउंड नहीं है। मायावती खुद भी ट्विटर पर साल 2018 के आखिर में जुड़ी थी और उनके पार्टी के नेता भी काफी देर में सोशल मीडिया पर आए हैं। मायावती अभी तक यूपी में महज एक रैली ही कर सकी हैं। वो भी तीन महीने पहले लखनऊ में 9 अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर। इसके अलावा न तो मायावती की कोई रैली हुई है और न ही कोई दौरा। मायावती और उनकी पार्टी के लिए सबसे ज्यादा दिक्कतें खड़ी हो गई है, क्योंकि 2022 का चुनाव बसपा के साथ साथ दलित सियासत के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

भाजपा ने संकल्प पत्र के एक भी वादे को पूरा नहीं किया: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। भाजपा की विदाई और समाजवादी पार्टी को सत्ता सौंपने का राज्य के मतदाताओं ने निर्णय कर लिया है। भाजपा द्वारा लोकतंत्र पर हमला जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। 10 मार्च 2022 को लोकतंत्र के पक्ष में परिणाम आ जाएगा। अखिलेश यादव रविवार को पार्टी मुख्यालय में एकत्र कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा जनता ने स्वयं चुनाव लड़ने का इरादा कर लिया है। यह चुनाव किसानोंए नौजवानोंए महिलाओं के मान सम्मान का चुनाव है। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। चुनाव में भाजपा का सफाया होना तय है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को समस्याओं में उलझा दिया है। भाजपा राज में किसानों को कुचल कर मार दिया, नौजवानों पर लाठियां बरसाईं और नौकरी रोजगार छीना है। किसानों को धोखा दिया। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। किसान की आय दुगुनी तो नहीं हुई। उसकी कमाई आधी और महंगाई दुगनी हो गई है। भाजपा ने गरीब की जेब काटी और अमीर की तिजोरी भरी। इसीलिए जनता भाजपा के विधायकों, सांसदों को गांव में नहीं घुसने दे रही है, जनता भाजपा के खिलाफखड़ी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को ऑक्सीजन तक नहीं दे पाई। कोरोना काल में दवा और बेड की व्यवस्था नहीं कर पाई। सड़कों पर सांड छोड़ दिए हैं, जो लोगों को घायल कर रहे हैं। फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि जिस दिन से समाजवादी पार्टी ने 300 यूनिट घरेलू बिजली फ्री देने की घोषणा की है, उसी दिन घबराकर भाजपा ने बिजली का बिल आधा करने की घोषणा की। इसका मतलब है कि भाजपा जानबूझकर गरीबों की जेब पर डाका डाल रही थी। गरीबों को सस्ती बिजली दी जा सकती थी लेकिन भाजपा की नियत साफ नहीं थी। पांच साल तक इसने महंगी बिजली दी है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में फिर से नौजवानों और छात्रों को लैपटॉप मिलेगा, रोजगार मिलेगा, किसानों को फसल का उचित लाभप्रद दाम मिलेगा, उनके घर खुशहाली आएगी और जनता को अच्छा इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। पुलिस का कबाड़ा कर दिया। एनसीआरबी का डाटा कहता है कि इनकी सरकार में सबसे ज्यादा दंगे हुए, फेक एनकाउंटर हुए, बहन बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित रही। हिरासत में सबसे ज्यादा मौतें हुई। मानवाधिकार ने यूपी सरकार को सबसे ज्यादा नोटिस दी।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा लगातार झूठ फैलाती है। इसके विज्ञापन झूठे हैं और इनका विकास झूठा है। बीजेपी घूम घूम कर झूठ का प्रचार करती है। भाजपा लोकतंत्र के लिए खतरा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता घर घर जाएंगे। समाजवादी सरकार ने जनहित में जो काम किए उन उपलब्धियों को लोगों को बताएंगे। जनता भाजपा के झूठ तंत्र और षड्यंत्रों को कामयाब नहीं होने देगी। समाजवादी और अम्बेडकरवादी मिलकर भाजपा को हटाने के लिए संकल्पित है।

सपा ने निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग को लेकर चुनाव आयोग को दिया ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया है। इसके साथ ही सपा ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि यूपी में निष्पक्ष चुनाव के लिये अपर मुख्य सचिव गृह समेत 4 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाया जाए। सपा ने राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर अधिकारियों को उनके वर्तमान पदों से हटाने की मांग की है। सपा के राष्ट्रीय सचिव और मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी की ओर से जारी पत्र के मुताबिक पार्टी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी के कथित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने वाले अधिकारियों को उनके वर्तमान पद से तत्काल हटाया जाए। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शासन में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, प्रशांत कुमार अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था तथा अपर पुलिस महानिदेशक एसटीएफ अमिताभ यश भाजपा सरकार के कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं और इन सभी को तत्काल प्रभाव से हटाए बगैर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक, प्रभाव मुक्त चुनाव संभव नहीं है। चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी मांग करती है कि उपरोक्त सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान पदों से हटाया जाए जिससे कि प्रदेश में निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयमुक्त चुनाव संपन्न हो सके। गौरतलब है कि पत्रक में समाजवादी पार्टी ने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी को उप मुख्य सचिव तथा अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल को अतिरिक्त मुख्य सचिव लिखा है जबकि राज्य में न तो उप मुख्य सचिव का कोई पद और ना ही अतिरिक्त मुख्य सचिव का।

प्रदेश के 29138 मतदान स्थल संवेदनशील: प्रशांत कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● जेल से चुनाव प्रभावित करने वाले अपराधियों पर नजर रखी जा रही है, ऐसे सभी अपराधियों की लिस्ट पुलिस ने बनाई है

● अपराधियों और अवैध तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 107 अंतरराष्ट्रीय एवं 469 अंतर्राज्यीय बैरियर स्थापित किए जाएंगे

यूपी के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने रविवार को यूपी विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विधाान सभा चुनाव को देखते हुए कमिश्नरेट और जनपदों में शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन कर लिया गया है। कुल मतदान स्थल 174351 है। पांच बूथ और उससे अधिक बूथ पर कानून व्यवस्था के निमित्त भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। एडीजी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय सीमाओं पर आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की तरफ से 31 चौकियां स्थापित की गई हैं। दोनों विभागों की टीम में संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही हैं। दोनों विभागों की टीमों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। उत्तर प्रदेश के सात जनपदों की सीमा नेपाल के आठ जनपदों से मिलती है। सभी पर पुलिस की तरफसे चुनाव के मद्देनजर पूरी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि 95 विधानसभाएं संवेदनशील चिन्हित की गई हैं। लाइसेंसी 1133894 शस्त्रों में से 904921 लाइसेंसों का सत्यापन कराते हुए 368490 लाइसेंसी शस्त्रों को जमा करा लिया गया है। कोई भी एनबीडब्ल्यू पेंडिंग नहीं है। जनपद स्तर पर 275 और कारागार स्तर पर 869 अपराधी चिन्हित किए गए हैं जो अपरोक्ष रूप से जेल में रहते हुए चुनाव प्रभावित कर सकते हैं। 174351 में से 29138 मतदान स्थलों को संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया गया है। केंद्र की ओर से 150 कंपनी अर्धसैनिक बल मिल चुके हैं। 75 कंपनी सीआरपीएफ का आवंटन और हुआ है जो 10 जनवरी को मिल जाएंगे। चुनाव ड्यूटी में लगने वाले सभी पुलिसकर्मियों को वैक्सीन की डबल डोज लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी पुलिस बल को एंटी कोविड किट दी जाएगी। आचार संहिता का पालन कराया जाएगा। उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को पोस्टल बैलट से वोट डालने का अधिकार मिलेगा। उन्होंने बताया कि 456 मतदान केंद्र कम्युनिकेशन शैडो प्रभावित चिन्हित किए गए हैं। जिन पर संचार के लिए आरटी सेट एवं सेटेलाइट फोन का प्रयोग किया जाएगा। अपराधियों और अवैध तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 107 अंतरराष्ट्रीय एवं 469 अंतर्राज्यीय बैरियर स्थापित किए जाएंगे। 109 ड्रोन कैमरे 109 रिवर बोट, 420 पोर्टेबल सीसीटीवी कैमरे, 563 स्टिल कैमरे और 3573 बॉडीवॉर्न कैमरे का प्रयोग किया जाएगा। जेल से चुनाव प्रभावित करने वाले अपराधियों पर नजर रखी जा रही है। ऐसे सभी अपराधियों की लिस्ट पुलिस ने बनाई है। यूपी के 7 जिलों की सीमा नेपाल से मिलती हैं। बॉर्डर पर फोर्स को एक्टिव कर दिया गया है। पड़ोसी राज्यों से सुरक्षा समन्वय स्थापित किया गया है। बिहार और झारखंड के बॉर्डर पर भी नक्सलियों की गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जंगलों में पुलिस और पीएसी के जवान मार्च कर रहे हैं। ग्रामीणों से हर संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए कहा गया है। चुनाव के हर चरण में मतदान वाले जिलों की संवेदनशीलता को देखते हुए करीब 900 कंपनी केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बलों को लगाया जाएगा।

तीन तस्कर गिरफ्तार, 5.450 किलो अफीम बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को 5.300 किग्रा अफीम (अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य 55 लाख रूपये) के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त कुलेश्वर कुमार दांगी चतरा (झारखण्ड), राजकुमार दांगी चतरा (झारखण्ड) और रामदयाल अमरिया पीलीभीत हैं। इन सभी अभियुक्तों को पुराना बस स्टैण्ड के पास बरेली से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जनपदो में मादक पदार्थ तस्कर गिरोह के सक्रिय होने की सूचनायें प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में एसटीएफ को अभिसूचना संकलन के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ सदस्य चतरा (झारखण्ड) से बरेली के बहेड़ी में अवैध अफीम की खेप लेकर आने वाले है। जिसकी आपूर्ति पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों और उत्तराखण्ड में की जायेगी। इस सूचना से केन्द्रीय नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, बरेली को अवगत कराते हुए उनकी टीम को साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए मुखबिर द्वारा बताये स्थान पुराने रोडवेज बस स्टैण्ड बरेली के पास से तीनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया, जिनकी तलाशी ली गयी तो यह लोग पैरों में पहने हुए इनक्लेट के नीचे अफीम छिपाकर रखे थे, जिस पर इनको गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि यह लोग जंगल खूटी (झारखण्ड) निवासी राजा आदिवासी से अफीम लेते है। जो रॉची में आकर इन लोगों को अफीम सप्लाई करता है। राजा आदिवासी इन लोगों को 80 हजार रूपये प्रति किग्रा के हिसाब से अफीम देता है, जिसे यह लोग उत्तर प्रदेश के तस्करों को 1.20 लाख के हिसाब से देते है। यह अफीम बहेड़ी के सुकटिया निवासी प्रेमपाल व शिवचरन पुत्रगण काशीराम को देना था। परन्तु प्रेमपाल स्वयं न आकर अपने दामाद राम दयाल को इस तस्करों को रिसीव करने के लिए भेजा था, जो (राम दयाल) इनको प्रेमपाल के बताये स्थान पर ले जाता। राम दयाल स्वयं भी अफीम की तस्करी में लिप्त है जो पूर्व में भी अफीम तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है, जिसके अपराधिक रिकार्ड के बारे में जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, बरेली में दाखिल कर उनके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कराया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, बरेली द्वारा की जा रही है।

भारत पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण शुरू

भाषा। नई दिल्ली

कोच्चि में आईएसी विक्रांत का समुद्र में सफलतापूर्वक हुआ ट्रायल।

भारत के प्रथम स्वदेशी विमानवाहक पोत (आईएसी) विक्रांत ने अगस्त में बेड़े में शामिल होने से पहले गहरे समुद्र में जटिल युद्धाभ्यास के लिए रविवार को एक और परीक्षण शुरू किया। चालीस हजार टन वजनी इस विमानवाहक पोत ने गत वर्ष अगस्त में पांच दिवसीय पहली समुद्री यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की थी और गत वर्ष अक्टूबर में 10-दिवसीय समुद्री परीक्षण किया था।

भारत में बनने वाला यह सबसे बड़ा और सबसे जटिल युद्धपोत है। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक माधवाल ने कहा, आईएसी अब जटिल युद्धाभ्यास करने के लिए रवाना हुआ है, ताकि विशिष्ट रीडिंग स्थापित की जा सके कि पोत विभिन्न परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान जहाज के विभिन्न सेंसर सूट का भी परीक्षण किया जाएगा। इस युद्धपोत का निर्माण लगभग 23,000 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और इसके निर्माण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास अत्याधुनिक विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू हाल ही में कोच्चि में इस युद्धपोत को देखने गए थे। कमांडर माधवाल ने कहा, दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की लगातार दो हाई प्रोफाइल यात्राओं के बाद, आईएसी विक्रांत का अगले सेट का समुद्री परीक्षण किया जा रहा है।

दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने प्रगति की समीक्षा करने के बाद अपनी संतुष्टि व्यक्त की थी और परियोजना में शामिल सभी हितधारकों को शुभकामनाएं दी थीं। यद्यपि प्रथम समुद्री परीक्षण प्रणोदन, नौवहन सूट और बुनियादी संचालन स्थापित करने के लिए थे, दूसरे समुद्री परीक्षण में जहाज को विभिन्न मशीनरी और उड़ान परीक्षणों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। विशाखापत्तनम स्थित डीआरडीओ सुविधा केंद्र नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला के कई वैज्ञानिक विक्रांत के तीसरे चरण के समुद्री परीक्षणों की निगरानी कर रहे हैं। यह युद्धपोत लड़ाकू जेट मिग-29के, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर बहु-उद्देश्ईय हेलीकॉप्टर संचालित करेगा। इसमें 2,300 से अधिक कंपार्टमेंट हैं, जिन्हें लगभग 1700 लोगों के दल के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें महिला अधिकारियों को समायोजित करने के लिए विशेष केबिन भी शामिल हैं।

युद्धपोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा बनाया गया है। भारत के पास वर्तमान में केवल एक विमानवाहक पोत है - आईएनएस विक्रमादित्य। हिंद महासागर क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाने के चीन के बढ़ते प्रयासों को देखते हुए भारतीय नौसेना अपनी समग्र क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

गोवा चुनाव में टीएमसी के आने से भाजपा को फायदा होगा: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने गोवा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस विरोधी रुख अख्तियार करने के लिए टीएमसी को आड़े हाथों लेते हुए रविवार को दावा किया कि तटीय राज्य में ममता बनर्जी नीत पार्टी की मौजूदगी से सबसे ज्यादा लाभ भाजपा को होगा। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में राउत ने कहा कि टीएमसी कांग्रेस समेत अन्य दलों से अविश्वनसीय नेताओं को शामिल कर रही है और ऐसा रवैया भाजपा से लड़ने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी को शोभा नहीं देता। दावा किया कि टीएमसी गोवा विधानसभा चुनावों के लिए अत्यधिक खर्च कर रही है और कई लोग कहते हैं कि पार्टी की ओर से खर्च किए गए धन का स्रोत कहीं औरै है। गोवा की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए राउत ने कहा कि सभी दलों ने राज्य को राजनीतिक प्रयोगशाला बना दिया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि गोवा में सभी 40 विधानसभा सीटों पर 14 फरवरी को चुनाव होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी), महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी), आप, टीएमसी और राकांपा चुनाव मैदान में हैं। राउत ने दावा किया, टीएमसी की गोवा में मौजूदगी से भाजपा को सबसे ज्यादा लाभ होगा। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि बनर्जी अन्य दलों के अविश्वसनीय नेताओं को अपने दल में शामिल करा रही हैं। यह उनकी छवि के अनुकूल नहीं है। राउत ने कहा, अगर प्रधानमंत्री और भाजपा का उद्देश्य कांग्रेस के अस्तित्व का सफाया करना है तो यह समझ में आता है, लेकिन बनर्जी का भी यही उद्देश्य है, तो यह उनकी छवि के अनुकूल नहीं है। गोवा के पिछले विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस ने 17 सीटें जीतीं थी और सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और अब यह केवल दो सीटों पर सिमट गई है।

विपक्ष के नेता की नियुक्ति पर मतभेद के चलते 11 कांग्रेस पार्षदों ने दिया एएमसी से इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात में कांग्रेस के 11 पार्षदों ने विपक्ष के नेता की नियुक्ति को लेकर असहमति के कारण अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) से इस्तीफा दे दिया। इस पद की दावेदारी करने वाली एक पार्षद ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने बताया कि इन पार्षदों ने इस्तीफा नहीं दिया है , बल्कि उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। एक सौ 92 सदस्ईय एएमसी में कांग्रेस के 24 पार्षद हैं भाजपा सत्तासीन है। असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएम आईएम ने पिछले साल फरवरी में निगम चुनाव में सात सीटें जीती थीं। कमला चावड़ा ने कहा , मेरे समेत 11 पार्षदों ने विपक्ष के नेता के नाम को लेकर असहमति प्रकट करते हुए इस्तीफा दे दिया है और प्रदेश अध्यक्ष का पत्र भेजे हैं। हम शहजाद पठान को एएमसी में विपक्ष का नेता नियुक्त किए जाने के फैसले से प्रसन्न नहीं हैं।

अदालतों में बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध जरूरी: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अदालतों में न्याय प्रशासन को सुचारू तरीके से चलाने के लिए बार (वकील) और बेंच (पीठ) के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध जरूरी है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने यह टिप्पणी एक वकील द्वारा दायर याचिका का निस्तारण करते हुए की, जिसने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। अधिवक्ता के व्यवहार पर संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने उसके खिलाफ कार्वाई करने के लिए मामले को बार काउंसिल को भेजा था।

उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसपर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, अदालत में न्याय प्रशासन के सुचारु तरीके से चलने के लिए बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध अनिवार्य है। किसी भी अधिवक्ता को अदालत में अभद्र व्यवहार का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा, इससे अंततः अदालत कक्ष का माहौल खराब होता है और अंततः यह वादी के मामले को खराब कर सकता है और वादी बिना गलती के नतीजा भुगत सकता है।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे वकील ने अपने कृत्य के लिए उच्च न्यायालय के सामने बिना शर्त माफी मांगी, जिसके कारण वह आदेश पारित किया गया। याचिकाकर्ता ने बिना शर्त माफी मांगी और शीर्ष अदालत के समक्ष हलफनामा दिया कि भविष्य में उसकी ओर से ऐसा व्यवहार दोबारा नहीं होगा। इसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से कहा कि वह उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामने बिना शर्त माफी मांगे और उच्च न्यायालय से उसकी माफी पर विचार करने का अनुरोध किया।

ओडिशा में हो सकती है बेमौसम वर्षा

भुवनेश्वर। मौसम विज्ञान ने रविवार को चेतावनी दी कि 11 जनवरी से अगले तीन दिनों तक ओडिशा में भारी वर्षा, तूफान एवं ओलावृष्टि होने की संभावना है। उसने किसानों को अपनी फसल को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की सुझाव दिया है। मौसमविज्ञानियों ने कहा कि पूर्वी भारत की ओर बढ़ रहे पश्चिमी विक्षोभ एवं बंगाल की खाड़ी से भारी नमी के चलते इस दौरान कृषि पर कुछ असर पड़ने की आशंका है। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र ने एक बुलेटिन में कहा, 11-14 जनवरी के दौरान ओडिशा के जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। उसने गरज के साथ बौछारें पड़ने की एलो चेतावनी जारी की है और कहा कि मंगलवार को सात जिलों-बारगढ़, बोलांगीर, सोनेपुर, संबलपुर, झारसुगुडा, सुंदरगढ़ एवं देवगढ़ में ओलावृष्टि हो सकती है। कंधमाल, बौद्ध, अंगुल, ढेंकानाल, कटक और नयागढ़ जिलों में बुधवार को गरज के साथ बौछार या भारी वर्षा हो सकती है।

सुल्ली डील्स मामले के आरोपी के पिता ने कहा मेरे बेटे को फंसाया गया है

भाषा। इंदौर

सुल्ली डील्स मोबाइल ऐप बनाने के आरोप में दिल्ली पुलिस द्वारा इंदौर से गिरफ्तार किए गए 26 वर्षीय आईटी विशेषज्ञ के पिता ने रविवार को दावा किया कि उनके बेटे को इस मामले में फंसाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि "सुल्ली डील्स" ऐप बनाने वाले ओंकारेश्वर ठाकुर (26) को इंदौर से गिरफ्तार किया गया है और यह इस मामले में पहली गिरफ्तारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को बिना उनकी मंजूरी के इस ऐप पर नीलामी के लिए डाला गया था। निजी महाविद्यालय आईपीएस अकादमी में पढ़ाई के बाद बैचलर ऑफ कंप्यूटर ऐप्लिकेशन (बीसीए) की उपाधि लेने वाला ओंकारेश्वर ठाकुर शहर की रहवासी टाउनशिप न्यूयॉर्क सिटी में परिवार के साथ रहता है। ठाकुर की गिरफ्तारी के बाद उसके पिता अखिलेश ठाकुर ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मुझे पता चला है कि केवल एक व्यक्ति के बयान के आधार पर मेरे आईटी विशेषज्ञ बेटे को गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया है। मेरे बेटे को फंसाया जा रहा है और उसे बदनाम किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के दल ने उनके घर से उनके बेटे का मोबाइल और लैपटॉप भी जब्त कर लिया है। एक निजी कंपनी में कार्यरत अखिलेश ठाकुर ने बताया कि ओंकारेश्वर ने 2018 में बीसीए की उपाधि लेने के बाद घर से ही वेब डिजाइनिंग का काम निजी स्तर पर शुरू किया था। अखिलेश ठाकुर ने कहा, मैं तो पुराने जमाने का व्यक्ति हूं। मुझे तो ठीक से मोबाइल चलाना भी नहीं आता है। मुझे सुल्ली डील्स ऐप के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। दिल्ली पुलिस ने मेरे बेटे की गिरफ्तारी की सूचना देते हुए रविवार सुबह फोन पर मेरी उससे बात भी कराई।

बेटे ने मुझसे कहा कि मेरा परिवार तनाव न ले। अखिलेश ठाकुर ने बताया कि वह अपने बेटे की कानूनी मदद के लिए रविवार को ही दिल्ली जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस के दो कर्मी सादी वर्दी में शनिवार दोपहर उनके घर आए और उनके बेटे की पहचान के बाद उसे शनिवार शाम की उड़ान से अपने साथ दिल्ली ले गए। अखिलेश ठाकुर ने कहा, जब दिल्ली पुलिस ने मेरे बेटे को हिरासत में लिया, तब मैं नजदीकी उज्जैन जिले के नागदा गया था। इंदौर के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सुल्ली डील्स मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा इंदौर से ठाकुर की गिरफ्तारी के बारे में उन्हें मीडिया से ही पता चला और गिरफ्तारी के वक्त दिल्ली पुलिस ने स्थानीय पुलिस से कोई आधिकारिक सूचना साझा नहीं की।

क्विक न्यूज

राजस्थान में 12वीं तक के स्कूल 30 जनवरी तक के लिये बंद

जयपुर। राजस्थान सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलो में बढ़ोतरी के मद्देनजर पाबंदियो का दायरा बढ़ाते हुए राज्य के सभी शहरी क्षेत्रो मे 12 वी तक के स्कूल 30 जनवरी तक के लिए बंद करने के साथ ही रविवार को कर्फ्यू, बाजार के समय को सीमित करने और रेस्टोरेंट मे बैठने की क्षमता को सीमित करने की घोषणा की है। राज्य सरकार की ओर से जारी नए दिशानिर्देशो का उद्देश्य लोगो की आवाजाही और गतिविधियो पर पाबंदियो को कड़ा करना है क्योकि कोरोना वायरस और उसके नए स्वरूप के मामले राज्य मे तेजी से बढ़ रहे है। गृह विभाग की ओर से रविवार को जारी दिशानिर्देशो के अनुसार राज्य के समस्त नगर निगमा नगरपालिका क्षेत्र मे कक्षा 12 वी तक की शैक्षणिक (विद्यालया कोचिंग) गतिविधियां 30 जनवरी तक बंद रहेंगी परन्तु ऑनलाइन अध्ययन जारी रहेगा। इससे पहले सरकार ने जयपुर और जोधपुर नगर निगम क्षेत्रों मे पहली से आठवी तक की कक्षाएं 17 जनवरी तक बंद करने की घोषणा की थी। राज्य मे सोमवार से स्कूल बंद रहेंगे जबकि बाकी पाबंदिया 11 जनवरी से प्रभावी होगी। वही राज्य मे शनिवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। इस दौरान सभी बाजार कार्यालय और व्यवसायिक परिसर बंद रहेंगे।

मांडविया स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोविड-19 समीक्षा बैठक करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया कोविड मामलो मे तीव्र वृद्धि के बीच स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार को पांच राज्यों एवं एक केंद्रशासित प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ संवाद करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि केंद्रीय मंत्री राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र एवं केंद्रशासित प्रदेश दादर एवं नागर हवेली एवं दमन और दीव के स्वास्थ्य मंत्रियो के साथ डिजिटल माध्यम से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री ने देश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के लिए रविवार को एक बैठक की अध्यक्षता की। देश मे कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से इस महामारी के मामले बढ़ गए है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़े के अनुसार कोरोना वायरस के1,59,632 नए मामले सामने आए है जो 224 दिनो मे सर्वाधिक है। देश मे फिलहाल 5,90,611 कोविड-19 मरीज उपचाराधीन है जो 197 दिनो मे सर्वाधिक है। 29 मई को भारत में एक दिन में 1,65,553 मामले सामने आए थे।

अभिनेत्री ईशा गुप्ता कोविड-19 से संक्रमित

मुंबई। अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने रविवार को कहा कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गई है और वर्तमान में घर पर पृथकवास में हैं। छत्तीस वर्षीय अभिनेत्री ने इस बारे मे जानकारी इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसको के साथ साझा की। ईशा ने लिखा, अत्यधिक सावधानियो के बावजूद, मै कोविड-19 से संक्रमित हो गई हूं। मै प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं और खुद को पृथक कर लिया है और वर्तमान मे घर पर पृथकवास मे हूं। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे यकीन है कि मै इससे और मजबूत होकर वापस आऊंगी। कृपया सुरक्षित रहें और मास्क लगाएं। अपना और दूसरो का ख्याल रखें। सभी को प्यार। ईशा गुप्ता आखिरी बार 2021 की वेब सीरीज नकाब मे नजर आई थी। शनिवार को, मुंबई मे कोविड-19 के 20,318 नए मामले सामने आए थे जबकि पांच और मरीजो की मौत हो गई थी। शहर मे अब एक लाख से अधिक उपचाराधीन मरीज है।

जयराम रमेश ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने रविवार को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हर गोबिंद खुराना की 100वी जयंती पर उन्हे श्रद्धांजलि दी। खुराना को 1968 मे फिजियोलॉजी अथवा चिकित्सा के क्षेत्र मे नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें रॉबर्ट डब्ल्यू होली और मार्शल डब्ल्यू निरेनबर्ग के साथ संयुक्त रूप से पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रमेश ने ट्वीट किया, आज आण्विक जीव विज्ञान की प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक, हरगोबिंद खुराना की 100 वी जयंती है। उन्हे 1968 मे नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मुझे इस बात का बड़ा अफसोस है कि मै कभी उनसे मिलने का साहस नही जुटा पाया। हालांकि, कैंपस मे हम कभी-कभार एक दूसरे के पास से गुजरते थे। उन्होंने ट्वीट किया, हालांकि, पिछले एक साल मे मै उनकी बेटी जूलिया और उनके कुछ छात्रो के संपर्क मे रहा हूं।

कांग्रेस का लोकतंत्र के प्रति न्यूनतम सम्मान भी नहीं: सोनोवाल

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाल के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा मे चूक को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि वह लोकतंत्र के प्रति न्यूनतम सम्मान भी नही रखती। सोनोवाल ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस द्वारा रची गई साजिश से मोदी की लोकप्रियता प्रभावित नही होगी, जो एक वैश्विक नेता है। फिरोजपुर मे बुधवार को मोदी की सुरक्षा मे बड़ी चूक हुई थी जब प्रदर्शनकारियों द्वारा मार्ग बाधित करने के चलते प्रधानमंत्री का काफिला फ्लाईओवर पर फंस गया था, जिसके बाद वह एक रैली सहित पहले से तय कार्यक्रमो मे शामिल हुए बिना ही पंजाब से वापस लौट आए थे।

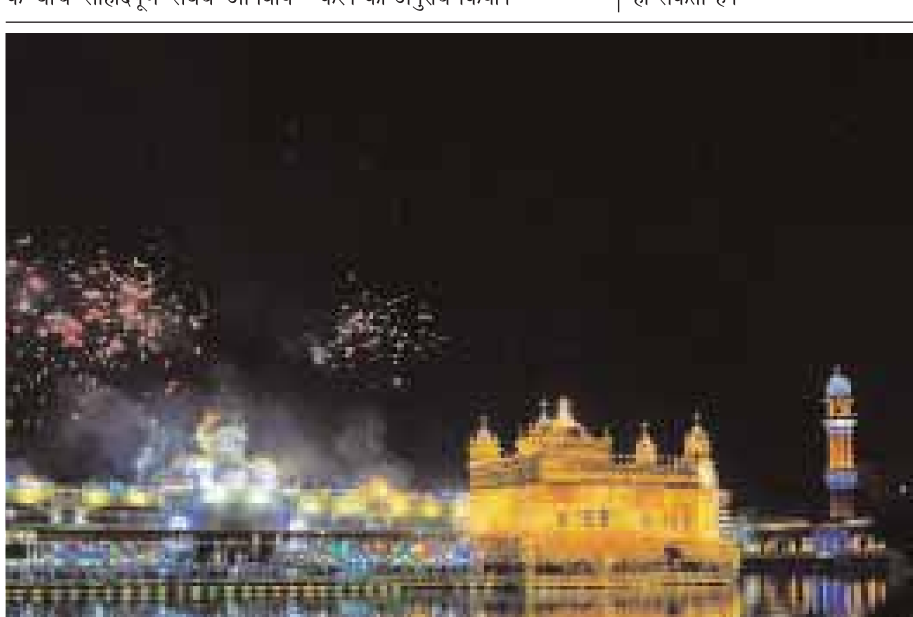

अमृतसर में 10वें सिक्ख गुरू गोबिन्द सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर गोल्डेन मन्दिर सजाया गया।

नदी को लोगों की आजीविका का साधन बनाने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। सरकार गंगा नदी को लोगों की आजीविका का साधन बनाने के लिए आईआईटी व आईआईएम जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की मदद लेगी और उनके सुझावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए दोनों संस्थानों का एक समूह (कंसोर्टियम) भी बनाया जाएगा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक जी अशोक कुमार ने भाषा से कहा, हम नदियों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने को लेकर अर्थ गंगा परियोजना पर अमल करने के लिए काम कर रहे है। गंगा नदी को तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों की आजीविका से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है।

अर्थ गंगा परियोजना पर आईआईटी, आईआईएम जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों का एक कंसोर्टियम बनाया जाएगा। यह कंसोर्टियम गंगा सहित सहायक नदियों एवं उस पर आधारित आजीविका से जुड़े पहलुओं पर विचार विमर्श कर एक रिपोर्ट तैयार करेगा। कुमार ने कहा कि इस रिपोर्ट एवं सुझाव के आधार पर एक समग्र कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

आईआईएम, लखनऊ में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2019 में हुई राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में अर्थ गंगा का सुझाव दिया था। देश भर में गंगा की सहायक नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के साथ ही गंगा नदी के किनारे बसे करीब 4500 गांवों की आर्थिक स्थिति को संवारने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव किया गया था। एनएमसीजी के महानिदेशक ने बताया कि गंगा नदी के किनारे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के कार्यक्रम में कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन, पर्यटन, नौकायन, राफ्टिंग, अंतर नदी परिवहन, संग्रहालय विकास, डॉलफिल सफारी जैसे कार्यक्रमों पर अमल किया जाएगा।

लद्दाख में चादर ट्रेक व हिम तेंदुए को देखने का कार्यक्रम स्थगित

लेह। लद्दाख में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर चादर ट्रेक और हिम तेंदुए को देखने के कार्यक्रम सहित विभिन्न शीतकालीन पर्यटन गतिविधियों को स्थगित कर दिया अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। लद्दाख में पिछले साल नवंबर से अब तक कोरोना वायरस के।,500 से अधिक नए मामले सामने आए हैं, 13 मरीजों की मौत हुई है। संक्रमण के अधिकतर मामले लेह में दर्ज किए गए हैं। केंद्रशासित प्रदेश में जनवरी में 288 मामले सामने आए और दो मरीजों की मौत हुई। लद्दाख में संक्रमण के कुल मामले रविवार को बढ़कर 22,472 हो गए। 59 मामले शामिल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़कर 221 हो गई है। लेह में 163 और कारगिल में 58 लोगों की मौत हुई है। कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए अगले आदेश तक चादर ट्रेक 2022 व हिम तेंदुआ देखने का अभियान और जिले में अन्य शीतकालीन पर्यटन गतिविधियों को स्थगित करने का आदेश दिया है।

आईआईएम इंदौर के विद्यार्थी को देश में रहकर काम करने के लिए मिला 49 लाख का पैकेज

इंदौर (मध्यप्रदेश)। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर कोविड-19 की मार के बीच इंदौर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम-आई) के एक विद्यार्थी को एक कंपनी ने देश में नौकरी के लिए 49 लाख रुपए सालाना वेतन देने की पेशकश की है। यह आईआईएम-आई में इस सत्र के अंतिम प्लेसमेंट के दौरान वार्षिक वेतन पैकेज का सबसे उंचा प्रस्ताव है, जो पिछली बार के अधिकतम पेशकश के मुकाबले 18 प्रतिशत अधिक है।

आईआईएम-आई के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले साल आईआईएम-आई के विद्यार्थियों के अंतिम प्लेसमेंट सत्र के दौरान देश में नौकरी के लिए सबसे अधिक 41.5 लाख रुपए सालाना पैकेज की पेशकश की गई थी। अंतिम प्लेसमेंट में नियोक्ताओं के रूप में शामिल 180 से ज्यादा देशी-विदेशी कंपनियों ने आईआईएम-आई के कुल 572 विद्यार्थियों को औसत आधार पर रिकॉर्ड 25.01 लाख रुपए के वेतन प्रस्ताव दिए और यह आंकड़ा पिछले साल के 23.6 लाख रुपए के औसत पगार पैकेज के मुकाबले छह फीसदी अधिक है।

आईआईएम-आई के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा, इस वर्ष का यह अद्भुत प्लेसमेंट हमारे निरंतर प्रयासों और कड़ी मेहनत का परिणाम है। आईआईएम-आई विश्वस्तरीय शैक्षणिक मानकों के साथ एक प्रासंगिक बिजनेस स्कूल बने रहने के लिए प्रतिबद्ध है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक अंतिम प्लेसमेंट में आईआईएम-आई के दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) और पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) के कुल 572 विद्यार्थी नौकरी के प्रस्ताव पाने में कामयाब रहे। जानकारी के मुताबिक यह देश भर के आईआईएम में इस साल पढ़ाई पूरी करने जा रही सबसे बड़ी बैच है।

महाराष्ट्र सरकार ने ब्यूटी सैलून व जिम के लिए कोविड संबंधी पाबंदियों को संशोधित किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को जिम और ब्यूटी सैलून के लिए कोविड-19 से संबंधित प्रतिबंधों को संशोधित किया और उन्हें 10 जनवरी की मध्यरात्रि से 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम करने की अनुमति दे दी। शनिवार को राज्य में कोरोना वायरस के 41,000 मामले सामने आए थे तब सरकार ने कहा था कि जिम और ब्यूटी सैलून बंद रहेंगे जबकि नाई की दुकान पर 50 फीसदी क्षमता के साथ काम हो सकेगा।

आदेश में रविवार को संशोधन किया गया और ब्यूटी सैलून को भी 50 फीसदी क्षमता के साथ काम करने की अनुमति दे दी गई। संशोधित आदेश के मुताबिक, सिर्फ उन गतिविधियों की इजाज़त है जिसमें मास्क नहीं उतारना पड़े। उसमें कहा गया है कि इन सेवाओं का इस्तेमाल करने की इजाजत सिर्फ पूर्ण टीकाकरण करा चुके लोगों को है और इस काम में लगे सभी कर्मचारियों का भी पूर्ण टीकाकरण होना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि जिम को भी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित करने की अनुमति दी गई है और कसरत करने के दौरान मास्क लगाना होगा। महाराष्ट्र सरकार ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच पाबंदियों को शनिवार को और कड़ा करते हुए सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के समूहों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया, जो 10 जनवरी की मध्यरात्रि से प्रभावी होगा।

सरकारी परिपत्र में कहा गया है कि इसके अलावा, आवश्यक सेवाओं को छोड़कर रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक लोगों की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया है कि कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए आवश्यक गतिविधियों और शिक्षकों की प्रशासनिक गतिविधियों को छोड़कर स्कूल और कॉलेज 15 फरवरी तक बंद रहेंगे। कार्यालय प्रमुखों की लिखित अनुमति के बिना सरकारी कार्यालयों में किसी भी आगंतुक को आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए लोगों को ऑनलाइन संवाद की सुविधा मुहैया कराई जाएगी

परिपत्र में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने का विकल्प चुनना चाहिए और यदि कार्यालय से काम करना आवश्यक है तो काम के घंटे को अलग- अलग करना चाहिए। निजी कार्यालयों से भी कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देकर और काम के घंटे को अलग-अलग करके कार्यालय आने वाले कर्मचारियों की संख्या को युक्तिसंगत बनाने के लिए कहा गया है। परिपत्र में कहा गया है कि विवाह और सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक समारोहों में उपस्थित लोगों की सीमा 50 होगी। अंतिम संस्कार में 20 से अधिक व्यक्ति शामिल नहीं हो सकते।

मुंबई में जुहू बीच पर कोविड-19 केसों के बढ़ने पर भी लोगों की उमड़ी भीड़।

न्यूनतम समर्थन मूल्य से दोगुने भाव पर बिक रही है कपास

सफेद सोने से किसानों के चेहरे खिले

भाषा। जयपुर

सफेद सोना कही जानी वाली कपास फसल की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी से इन दिनों देशभर के किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। राजस्थान से लेकर पंजाब व हरियाणा से लेकर मध्य प्रदेश तक देश की प्रमुख मंडियों में कपास के भाव में जबर्दस्त उछाल आया है। खरगोन मंडी में इसी सप्ताह यह 11,115 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए। यह कपास के 5,726 रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की तुलना में लगभग दोगुना भाव है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा कपास उत्पादक देश है। जानकारों के अनुसार, बुवाई क्षेत्र में कमी और बेमौसमी बारिश के कारण इस साल कपास उत्पादन अपेक्षाकृत कम रहने का अनुमान है। वहीं घरेलू स्तर पर स्पिनिंग मिलों व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती मांग से इसके भावों में जबर्दस्त उछाल आया है। सफेद सोने की खान कही जाने वाली मध्य प्रदेश की खरगोन मंडी में इसी सप्ताह कपास की एक ढेरी रिकॉर्ड 11,115 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकी। वहीं नरमे कपास की बंपर फसल के कारण कपास पट्टी से विख्यात राजस्थान की गंगानगर मंडी में शुक्रवार को नरमे की एक ढेरी की बोली 10,501 रुपए प्रति क्विंटल लगी। भाव के लिहाज से यह भी अब तक का रिकॉर्ड है। केंद्र सरकार ने 2021-22 विपणन सत्र के लिए कपास का समर्थन मूल्य 5,726 रुपए से लेकर 6,025 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। सरकार की ओर से भारतीय कपास निगम एमएसपी पर खरीद करता है। लेकिन खुले बाजार में व्यापारी इससे कहीं अधिक दाम देकर कपास खरीद रहे हैं।

खरगोन के कृषि उपनिदेशक एम एल चौहान ने पीटीआई-भाषा से कहा, मंडी में कपास की 11,511 रुपए प्रति क्विंटल की बोली ... इस सीजन और संभवत: अब तक की सबसे ऊंची बोली है। गंगानगर कृषि उपज मंडी समिति के सचिव शिव सिंह भाटी के अनुसार, शुक्रवार को नरमे कपास की एक ढेरी 10,501 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिकी। पड़ोसी राज्य पंजाब में भी हालात कमोबेश ऐसे ही है। फाजिल्का आढ़तिया संघ के जिला अध्यक्ष अनिल नागौरी ने कहा, उत्पादन कम और मांग ज्यादा होने के कारण कपास के भावों में उछाल है। हमारे इलाके में भी भाव 9,600 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास हैं। निश्चित रूप से कीमतों में तेजी से किसान खुश हैं। गंगानगर के प्रमुख कपास कारोबारी संजय महिपाल ने पीटीआई भाषा को बताया, कपास निगम के पास कपास का भंडार नहीं है। उत्पादन कम रहने की आशंका के बीच घरेलू मिलों की बढ़ी मांग से कपास कीमतों में उछाल है और इसका भारी फायदा किसानों को मिल रहा है।

जन धन खातों में जमा 1.5 लाख करोड़ रुपए के पार

भाषा। नई दिल्ली

जन धन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों में जमा राशि का आंकड़ा 1.5 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। सरकार ने यह योजना साढ़े सात साल पहले शुरू की थी। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खातों की संख्या 44.23 करोड़ पर पहुंच चुकी है। इन खातों में जमा राशि का 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने वाली इस योजना ने पिछले साल अगस्त में क्रियान्वयन के सात साल पूरे किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में जनधन योजना शुरू करने की घोषणा की थी। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कुल 44.23 करोड़ जन धन खातों में से 34.9 करोड़ खाते सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में और 8.05 करोड़ खाते क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में हैं। शेष 1.28 करोड़ खाते निजी क्षेत्र के बैंकों में खोले गए हैं। इसके अलावा पीएमजेडीवाई के 31.28 करोड़ लाभार्थियों को रुपे कार्ड जारी किया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि समय के साथ रुपे कार्ड की संख्या और इसका इस्तेमाल बढ़ा है। इस योजना के पहले साल में 17.90 करोड़ खाते खोले गए थे। किसी खाताधारक द्वारा किए गए लेनदेन के आधार पर जन धन खातों में शेष या बैलेंस रोजाना के आधार पर बदल सकता है। किसी दिन खाते में बैलेंस शून्य पर भी आ सकता है। सरकार ने पिछले महीने संसद को सूचित किया था कि आठ दिसंबर, 2021 तक जन धन खातों में शून्य शेष या बैलेंस वाले खातों की संख्या 3.65 करोड़ थी। यह कुल जन धन खातों का 8.3 प्रतिशत बैठता है। आंकड़ों के अनुसार, 29.54 करोड़ जन धन खाते ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी बैंक शाखाओं में हैं। 29 दिसंबर, 2021 तक कुल जन धन खाताधारकों में से 24.61 करोड़ महिलाएं थीं।

क्विक न्यूज

पीईएसबी ने एचओसीएल के निदेशक-वित्त के पद के लिए योगेंद्र शुक्ला के नाम की सिफारिश की

नई दिल्ली। सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी के उप-महाप्रबंधक (डीजीएम) योगेंद्र प्रसाद शुक्ला को हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड में निदेशक, वित्त बनाने की अनुशंसा की है। पीईएसबी की सात जनवरी की एक अधिसूचना से यह जानकारी प्राप्त हुई। शुक्ला अभी उत्तर प्रदेश के टांडा में एनटीपीसी की 1,760 मेगावॉट की ताप विद्युत परियोजना के वित्त विभाग में उप-महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं।प्रक्रिया के मुताबिक, चुने गए उम्मीदवार का नाम अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के पास भेजा जाएगा।

एलआईसी विनिवेश के लिए संशोधित एफडीआई नीति पर जल्द मंत्रिमंडल से संपर्क करेंगे: डीपीआईआईटी सचिव

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के विनिवेश को गति देने के लिए एफडीआई नीति में बदलाव के लिए जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल से संपर्क करेगा। डीपीआईआईटी के सचिव अनुराग जैन ने कहा कि इस मसले पर वित्तीय सेवा विभाग और निवेश तथा सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के साथ चर्चा की गई है और सभी की एक राय है। जैन ने यहां संवाददाताओं से कहा, अब बस मसौदा तैयार करना है। हम कोशिश करेंगे कि अंतर-मंत्रालई विचार-विमर्श के बाद जल्द ही कैबिनेट नोट बना लें और मंजूरी ले लें। यह बहुत जल्द होगा। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री ने निर्देश दिया है कि विनिवेश को चालू वित्त वर्ष के दौरान पूरा किया जाना है, इसलिए हमें भी उसी गति से काम करना है। इस समय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के अनुसार बीमा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग से 74 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। हालांकि, ए नियम भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) पर लागू नहीं होते हैं, जो एक अलग एलआईसी अधिनियम के जरिए संचालित है।

कनाडा की अदालत ने देवास को एयर इंडिया के 50 फीसदी फंड जब्त रखने की अनुमति दी

नई दिल्ली। कनाडा की एक अदालत ने देवास मल्टीमीडिया के शेयरधारकों को एयर इंडिया के 50 फीसदी फंड को जब्त रखने की अनुमति दी है, जिसे वैश्विक एयरलाइंस निकाय आईएटीए के पास रखा गया था। अदालत ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को राहत देते हुए देवास मल्टीमीडिया के शेयरधारकों से उसके जब्त किए गए फंड को मुक्त करने का आदेश दिया। इस महीने की शुरुआत में अदालत ने एयर इंडिया और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के फंड को जब्त करने का आदेश दिया था, जिसे इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्टेशन एसोसिएशन (आईएटीए) के पास रखा गया था। अदालत ने यह फैसला देवास मल्टीमीडिया के शेयरधारकों द्वारा दायर याचिका की सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें एंट्रिक्स सौदे को रद्द करने के संबंध में मध्यस्थता आदेश को लागू करने की मांग की गई थी। कनाडा की अदालत के आठ जनवरी 2021 के आदेश में कहा, अदालत ने पाया कि यह न्याय के हित में है कि अगले आदेश तक एयर इंडिया की जब्ती राशि को वर्तमान में आईएटीए के पास एयर इंडिया के फंड के 50 प्रतिशत तक सीमित कर दिया जाए। देवास के शेयरधारकों ने शनिवार को अदालत के ताजा आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे आईएटीए में रखे गए एयर इंडिया के फंड (50 प्रतिशत तक) को जब्त रख सकते हैं। उन्होंने कहा, यह देवास के लिए बहुत बड़ी जीत है।

बजट 2022: एसोचैम ने एनबीएफसी क्षेत्र के लिए स्थाई पुनर्वित्त व्यवस्था की वकालत की

नई दिल्ली। उद्योग मंडल एसोचैम ने आगामी आम बजट मे एनबीएफसी क्षेत्र के लिए एक पुनर्वित्त व्यवस्था बनाने और उन्हे प्राथमिकता क्षेत्र के तहत बैंको से ऋण उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। एसोचैम ने बजट से पहले अपनी सिफारिशों में सरकार से कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियो (एनबीएफसी) के लिए वित्तपोषण सहायता से क्षेत्र मे नकदी सुनिश्चित होगी। यह क्षेत्र वित्तीय समावेश और सहूलियत भरी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकार एक फरवरी को वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करेगी। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों मे एनबीएफसी क्षेत्र ने बाहरी कारको के चलते तरलता की कमी देखी है। ऐसे में वाजिब कीमत पर धन उधार लेने की उनकी क्षमता प्रभावित हुई है। एसोचैम ने कहा, राष्ट्रीय आवास बैंक (जो आवास वित्त कंपनियों या एचएफसी का वित्त पोषण करता है) की तर्ज पर एनबीएफसी के लिए सीधे केंद्रीय बैंक से पुनर्वित्त व्यवस्था की लंबे समय से मांग रही है। वित्त संबंधी संसद की स्थाई समिति ने जून, 2003 में एनबीएफसी के लिए एक नए पुनर्वित्त संस्थान के गठन की सिफारिश की थी। उद्योग मंडल ने सुझाव दिया कि एनबीएफसी को बैंकों से प्राथमिकता वाले क्षेत्र के तहत ऋण मिलना चाहिए।

एएमओ इलेक्ट्रिक की 10 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना, कई नए उत्पाद लाने की तैयारी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी एएमओ इलेक्ट्रिक अगले वित्त वर्ष में करीब 10 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर विशेष ध्यान दे रही है, जिससे वह बाजार में नए उत्पादों की पेशकश कर सकेगी। इसके अलावा कंपनी का इरादा अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और देशभर में अपने बिक्री ढांचे को मजबूत करने का भी है। नोएडा की कंपनी फिलहाल में देशभर मे अपने 150 से अधिक आउटलेट्स के बिक्री नेटवर्क के जरिए चार इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचती है। एएमओ इलेक्ट्रिक के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सुशांत कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड अगले कुछ वर्षो में जबर्दस्त वृद्धि की ओर अग्रसर है। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए हम अगले वित्त वर्ष मे लगभग 10 करोड़ डॉलर जुटाने पर विचार कर रहे है। इससे हमारे शोध एवं विकास प्रयासो को गति मिलेगी और हम उद्योग में शीर्ष तीन खिलाड़ियों मे शामिल होने की राह पर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होने कहा कि कंपनी पूंजी जुटाने के लिए विभिन्न वित्तीय संस्थानो से बातचीत कर रही है। कुमार ने बताया कि कंपनी की चालू तिमाही मे दो नए उत्पाद और अगले वित्त वर्ष में एक इलेक्ट्रिक बाइक सहित चार नए तेज रफ्तार वाले उत्पाद पेश करने की योजना है। उन्होंने कहा, सभी नए मॉडलो की गति सीमा 50 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। इनमे बैटरी अदला-बदली का विकल्प भी होगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.50 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,50,005.88 करोड़ रुपए की जोरदार बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,490.83 अंक या 2.55 प्रतिशत के लाभ में रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ इन्फोसिस और विप्रो के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,380.16 करोड़ रुपए बढ़कर 16,47,762.23 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 43,648.81 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 14,25,928.82 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 41,273.78 करोड़ रुपए बढ़कर 4,62,395.52 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी बैंक की 39,129.34 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 8,59,293.61 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 36,887.38 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 5,50,860.60 करोड़ रुपए रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 27,532.42 करोड़ रुपए बढ़कर 4,38,466.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 13,333.93 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,67,778.73 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का मूल्यांकन 1,820.06 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,70,300.72 करोड़ रुपए रहा। इस रुख के उलट इन्फोसिस की बाजार हैसियत 32,172.98 करोड़ रुपए के नुकसान से 7,62,541.62 करोड़ रुपए रह गई। विप्रो की हैसियत भी 2,192.52 करोड़ रुपए घटकर 3,89,828.86 करोड़ रुपए पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और विप्रो का स्थान रहा।

डिस्कॉम पर जेनको का बकाया जनवरी में 4.4% बढ़कर 1.21 लाख करोड़ के पार

भाषा। नई दिल्ली

बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) का बकाया जनवरी, 2022 में सालाना आधार पर 4.4 प्रतिशत बढ़कर 1,21,030 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

जनवरी, 2021 तक डिस्कॉम पर बिजली वितरण कंपनियों का बकाया 1,15,904 करोड़ रुपए था। पेमेंट रैटिफिकेशन एंड एनालिसिस इन पावर प्रोक्यूरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपैरेंसी इन इन्वॉयसिंग ऑफ जेनरेशन (प्राप्ति) पोर्टल से यह जानकारी मिली है। जनवरी, 2022 में डिस्कॉम पर कुल बकाया पिछले महीने यानी दिसंबर, 2021 की तुलना में भी बढ़ा है। दिसंबर में यह 1,15,462 करोड़ रुपए था। बिजली उत्पादकों तथा डिस्कॉम के बीच बिजली खरीद लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए प्राप्ति पोर्टल मई, 2018 में शुरू किया गया था।

जनवरी, 2022 तक 45 दिन की मियाद या ग्रेस की अवधि के बाद भी डिस्कॉम पर कुल बकाया राशि 1,01,357 करोड़ रुपए थी। यह एक साल पहले समान महीने में 99,650 करोड़ रुपए थी। दिसंबर, 2021 में डिस्कॉम पर कुल बकाया 99,981 रोड़ रुपए था।बिजली उत्पादक कंपनियां डिस्कॉम को बेची गई बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए 45 दिन का समय देती हैं। उसके बाद यह राशि पुराने बकाए में आ जाती है। ज्यादातर ऐसे मामलों में बिजली उत्पादक दंडात्मक ब्याज वसूलते हैं। बिजली उत्पादक कंपनियों को राहत के लिए केंद्र ने एक अगस्त, 2019 से भुगतान सुरक्षा प्रणाली लागू है। इस व्यवस्था के तहत डिस्कॉम को बिजली आपूर्ति पाने के लिए साख पत्र देना होता है। केंद्र सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को भी कोविड-19 महामारी की वजह से कुछ राहत दी है। भुगतान में देरी के लिए डिस्कॉम पर दंडात्मक शुल्क को माफ कर दिया गया है। सरकार ने मई, 2020 में डिस्कॉम के लिए 90,000 करोड़ रुपए की नकदी डालने की योजना पेश की थी। इसके तहत बिजली वितरण कंपनियां पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) तथा आरईसी लिमिटेड से सस्ता कर्ज ले सकती हैं। बाद में सरकार ने इस पैकेज को बढ़ाकर 1.2 लाख करोड़ रुपए और उसके बाद 1.35 लाख करोड़ रुपए कर दिया।

कुछ इस्पात उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क नहीं लगाएगी सरकार

- निदेशालय ने 14 सितंबर, 2021 को दोनों श्रेणियों के उत्पादों पर बाध्यकारी डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी

भाषा। नई दिल्ली,

सरकार ने चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने इस बारे में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को मंजूर नहीं किया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने कुछ घरेलू विनिर्माताओं की शिकायत पर लौह या नॉन-अलॉय धातु के कोल्ड रोल्डाकोल्ड रिड्यूस्ड फ्लैट इस्पात उत्पादों तथा लौह या नॉन-अलॉय के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के संदर्भ में जांच की थी। निदेशालय ने 14 सितंबर, 2021 को इन दोनों श्रेणियों के उत्पादों पर बाध्यकारी डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। डीजीटीआर शुल्क की सिफारिश करता है, जबकि राजस्व विभाग शुल्क लगाने पर अंतिम निर्णय लेता है। विभाग ने कहा है कि केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है। निदेशालय ने अपनी जांच के बाद निष्कर्ष दिया था कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और यूक्रेन की कंपनियों द्वारा कोल्ड रोल्ड उत्पादों को डंप किया जा रहा है। वहीं हॉट रोल्ड उत्पादों की डंपिंग चीन, जापान, कोरिया, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया से हो रही है।

भारत का जापान और दक्षिण कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार की कीमत से कम दाम पर किसी उत्पाद का निर्यात करती है, तो उसे डंपिंग कहा जाता है।

ओमीक्रोन के मामले बढ़ने के बीच एफएमसीजी कंपनियां स्टॉक के साथ तैयार, बिक्री में आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामले बढ़ने के बीच रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) की मांग में जोरदार उछाल आया है। पिछले दो सप्ताह के दौरान एफएमसीजी कंपनियों की मांग काफी तेजी से बढ़ी है। इन कंपनियों ने आपूर्ति के किसी तरह के संकट से बचने के लिए स्टॉकिस्टों को अधिक माल भेजना शुरू कर दिया है। पारले प्रोडक्ट्स, डाबर इंडिया और आईटीसी जैसी कंपनियां महामारी की नई लहर के कारण आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी व्यवधान से बचने के लिए कच्चे माल का अतिरिक्त स्टॉक रख रही हैं। पूर्व में हुए अनुभव के मद्देनजर इन कंपनियों ने यह कदम उठाया है। हालांकि, ए कंपनियां विनिर्माण सामग्री की मुद्रास्फीति से प्रभावित हैं। एफएमसीजी कंपनियों का मानना है कि कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि और कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर लगाए अंकुशों से उनकी आउट ऑफ होम चैनल उत्पादों की मांग प्रभावित हो सकती है। हालांकि, घरेलू उपभोग के उत्पादों और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सामान की मांग तेज होगी। कंपनियों को उम्मीद है कि डिजिटलीकरण में तेजी के साथ ई-कॉमर्स और प्रौद्योगिकी मंच पर मौजूदगी एफएमसीजी उत्पादों की सतत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा, पिछले दो हफ्तों में हमने बाजार में मांग में 10-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी है। हम इस बात को समझ रहे हैं कि अब उपभोक्ता बाहर निकलकर सामान नहीं खरीदना चाहेंगे। बिस्कुट क्षेत्र की कंपनी ने ताजा परिस्थितियों के मद्देनजर पहले से बफर स्टॉक रखा है। शाह ने कहा, वास्तव में हमने अपने खुदरा भागीदारों को आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिक स्टॉक रखने के लिए भी कहा है। इसके अलावा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा की स्थिति में हमने अपने कारखानों में अतिरिक्त स्टॉक रखा है।

वसूली से पहले जीएसटीआर-1 3बी में विसंगति की वजह स्पष्ट करने को कारोबारियों मिलेगा उचित समय

नई दिल्ली, । कर अधिकारी कम कर चुकाने या कर न चुकाने के चलते वसूली कार्वाई शुरू करने से पहले बिक्री रिटर्न जीएसटीआर- । में दर्शाए गए कारोबार में अंतर और कर भुगतान फार्म 3बी में विसंगति की वजह स्पष्ट करने के लिए कारोबारियों को उचित समय देंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने वसूली कार्वाई के संबंध में दिशानिर्देश जारी कर कहा कि कर अधिकारी इस तरह की विसंगतियों की वजह समझाने के लिए कारोबारियों को उचित समय देंगे। जीएसटी कानून में एक जनवरी से हुए बदलाव के अनुसार कर अधिकारियों को उन व्यवसायों के खिलाफ सीधे वसूली कार्वाई शुरू करने की इजाजत दी गई थी, जिन्होंने मासिक रिटर्न जीएसटीआर -। में अधिक बिक्री दिखाई थी, लेकिन कर भुगतान के दौरान जीएसटीआर - 3बी में इसका उल्लेख नहीं किया।

शेष पेज एक का

सुप्रीम कोर्ट...

सचिवालयों और संबद्ध सेवाओं से जुड़े करीब 400 कर्मचारी पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। इस कारण इन कर्मचारियों को कार्यालय आने से रोक दिया गया है। शीर्ष अदालत के परिसर में कोविड-19 जांच सुविधा स्थापित की गई है और यह सोमवार से शनिवार तक खुली रहती है। एक परिपत्र में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय परिसर में प्रवेश करने वाले, यानी रजिस्ट्री कर्मचारी, समन्वय एजेंसियों के कर्मचारी, अधिवक्ता और उनके कर्मचारी आदि, विशेष रूप से वे, जिनमें कोविड-19 संक्रमण (संक्रमणों) के लिए अधिसूचित लक्षणों के समान कोई लक्षण है, तो वे कृपया इस सुविधा में अपनी जांच करवा सकते हैं। जानकारी के अनुसार संसद के संक्रमित कर्मचारियों में राज्यसभा सचिवालय के 65 कर्मचारी, लोकसभा सचिवालय के 200 और संबद्ध सेवाओं के 133 कर्मचारी गत चार जनवरी से आठ जनवरी के बीच नियमित कोविड जांच में संक्रमित पाए गए हैं। नवीनतम निर्देशों के अनुसार, अवर सचिव या कार्यकारी अधिकारी के पद से नीचे के 50 फीसदी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए इस महीने के अंत तक घर से काम करना अनिवार्य किया गया है।

देश में...

आए सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 5,90,611 हो गई है, जो करीब 197 दिन में सर्वाधिक है। इससे पहले पिछले साल 29 मई को संक्रमण के 1,65,553 मामले सामने आए थे। देश में पिछले 24 घंटे में 327 लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,83,790 हो गई है। ओमीक्रोन के 3,623 मामलों में से 1,409 लोग या तो देश से बाहर चले गए हैं या स्वस्थ हो गए हैं। महाराष्ट्र में ओमीक्रोन के सर्वाधिक 1,009 मामले सामने आए। इसके बाद दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, राजस्थान में 373, केरल में 333 और गुजरात में 204 मामले सामने आए। मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 5,90,611 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर गिरकर 96.98 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटों में संक्रमण का इलाज करा रहे लोगों की संख्या में 1,18,442 मामलों की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण की दैनिक दर 10.21 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 6.77 प्रतिशत दर्ज की गई। कोविड-19 से स्वस्थ हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 3,44,53,603 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.36 प्रतिशत दर्ज की गई। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 151.58 करोड़ से अधिक खुराकें दी गई हैं। देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ए मामले एक करोड़ के पार, पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में जिन 327 और मरीजों की मौत हुई है, उनमें 242 लोगों की केरल और 19 लोगों की मौत पश्चिम बंगाल में हुई। इस महामारी से अब तक कुल 4,83,790 मरीज जान गंवा चुके हैं जिनमें से महाराष्ट्र में 1,41,627, केरल में 49,547, कर्नाटक में 38,366, तमिलनाडु में 36,843, दिल्ली में 25,143, उत्तर प्रदेश में 22,924 और पश्चिम बंगाल में 19,883 लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

रक्षा मंत्रालय...

लिए 3डी मॉडलिंग तकनीक का भी सहारा लिया गया। पिछले छह महीनों के दौरान, रक्षा सचिव के सक्रिय हस्तक्षेप से नवीनतम सर्वेक्षण तकनीकों के उपयोग से बहुत तेज गति से आगे बढ़ा, जो इसके परिणाम से स्पष्ट होता है। 17.78 लाख एकड़ में से 8.90 लाख एकड़ जमीन का पिछले तीन महीनों के दौरान सर्वेक्षण किया गया। सर्वे में रक्षा भूमि पर अतिक्रमणों का पता लगाने के लिए टाइम सीरीज़ सैटेलाइट इमेजरी पर आधारित रीयल-टाइम चेंज डिटेक्शन सिस्टम के लिए एक परियोजना भी शुरू की गई है। रक्षा भूमि टुकड़ों की सुरक्षा के लिए रष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, हैदराबाद द्वारा उपग्रह इमेजरी पर एक पायलट परीक्षण किया गया है।

ईरान ने...

गणराज्य में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण के अच्छे रुख का उल्लेख किया। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर ने महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई का भी उल्लेख किया और कहा कि हालांकि मामलों की संख्या बढ़ रही है लेकिन टीकाकरण भी बेहतर गति से आगे बढ़ रहा है।

चुनाव के...

निर्देश देने वाले राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को अकेला छोड़ दिया था। उससे पहले, मई 2019 में संसदीय चुनावों की मतगणना से पहले राहुल गांधी ने लंदन के लिए उड़ान भरी और पीएम उम्मीदवार पर फैसला करने के लिए यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए।

पहाड़ों में...

बंगाल में हल्की बारिश और ओले पड़ सकते हैं। राजधानी दिल्ली में न्यूनतम पारा और गिर सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को भारी बारिश हुई और अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम है।

अमेजन ने फ्यूचर कूपंस के साथ सौदे को निलंबित करने के सीसीआई के आदेश को एनसीएलएटी में चुनौती दी

भाषा। नई दिल्ली

अमेजन ने फ्यूचर कूपंस प्राइवेट लि. के साथ उसके सौदे को करीब दो वर्ष पहली मिली मंजूरी को निरस्त करने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रतिस्पर्धा आयोग ने फ्यूचर कूपंस के साथ ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन के सौदे की मंजूरी को दिसंबर में निलंबित कर दिया था थी और साथ ही अमेजन पर 202 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था। सीसीआई ने फ्यूचर कूपंस में 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए अमेजन के सौदे को नवंबर, 2019 में मंजूरी दी थी। सीसीआई के द्वारा पारित आदेशों के लिए एनसीएलएटी अपीलीय प्राधिकरण है। सूत्रों ने बताया कि अमेजन ने सीसीआई के पिछले महीने के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील दायर की है। इस बारे में अमेजन और फ्यूचर को भेजे गए ई-मेल का जवाब नहीं मिला। फ्यूचर कूपंस लिमिटेड (एफसीपीएल) फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) की प्रवर्तक है। अमेजन इस मामले को अक्टूबर, 2020 में सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र में लेकर गई थी तब से दोनों कंपनियों के बीच कानूनी लड़ाई छिड़ गई है। अमेजन का कहना है कि एफआरएल ने रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस रिटेल के साथ 24,713 करोड़ रुपए का बिक्री करार कर 2019 में उसके साथ हुए निवेश समझौते का उल्लंघन किया है।

एफपीआई ने जनवरी में अबतक शेयरों में 3,202 करोड़ रुपए डाले

भाषा। नई दिल्ली

लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 3,202 करोड़ रुपए डाले हैं। बाजार में आए करेक्शन की वजह से एफपीआई का निवेश प्रवाह सुधरा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना, ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंता तथा मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर की वजह से भारतीय बाजारों को लेकर एफपीआई का प्रवाह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। एफपीआई का ताजा निवेश अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान भारतीय बाजारों से उनकी 38,521 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी के बाद आया है। इससे पहले पिछले साल सितंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 13,154 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 3-7 जनवरी के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 3,202 करोड़ रुपए डाले हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, एफपीआई द्वारा रुक-रुक कर की जा रही खरीदारी की वजह बाजार में अंतरिम करेक्शन है। इसकी वजह से उनको खरीदारी का अच्छा अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि भारत सहित दुनियाभर में कोरोनो वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बीच एफपीआई अपने निवेश में रुख में सतर्कता बरतेंगे। जनवरी के पहले सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय ऋण या बांड बाजार में 183 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। बीते साल उन्होंने 1.04 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजय कुमार ने कहा कि एफपीआई की मुख्य चिंता अमेरिका में मौद्रिक रुख को सख्त किए जाने को लेकर है। अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से वे उभरते बाजारों में बिकवाली कर सकते हैं।

इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट बमुश्किल बचाया

निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामना किया

●इंग्लैंड ने नौ विकेट के नुकसान पर 270 रन बनाए

एपी। सिडनी

इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने कम होती रोशनी के बीच आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का डटकर सामना किया जिससे मेहमान टीम सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर रविवार को चौथा टेस्ट ड्रॉ कराने में सफल रही। जैक लीच (26), स्टुअर्ट ब्रॉड (नाबाद 08) और जेम्स एंडरसन (नाबाद 00) ने बेहद दबाव के बीच अंतिम 10 ओवर बल्लेबाजी करके इंग्लैंड को हार से बचाया।

स्कॉट बोलैंड (30 रन पर तीन विकेट), कप्तान पैट कमिंस (80 रन पर दो विकेट) और नाथन लियोन (28 रन पर दो विकेट) ने आस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज पर पहुंचाया जिसके बाद स्टीव स्मिथ (10 रन पर एक विकेट) ने दो ओवर शेष रहते लीच को आउट किया। टीम हालांकि अंतिम ओवर ओवर में आखिरी विकेट हासिल नहीं कर सकी। ब्रॉड और एंडरसन ने दो ओवर टिके रहकर इंग्लैंड को हार से बचा लिया जिसने 102 ओवर में नौ विकेट पर 270 रन बनाए। टीम 388 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। इंग्लैंड की टीम ने इसके साथ ही मौजूदा श्रृंखला में लगातार तीन हार के क्रम को तोड़ा।

इंग्लैंड ने बल्लेबाजी में श्रृंखला का संभवत: अपना सबसे प्रतिबद्ध प्रदर्शन किया जिससे मैच ड्रा की ओर बढ़ रहा था लेकिन अंतिम घंटे से पहले कमिंस ने जोस बटलर (11) और मार्क वुड (00) को तीन गेंद के अंदर आउट करके आस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी कर दिया। इस समय टीम का स्कोर 85 ओवर में सात विकेट पर 218 रन था। टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन शुरुआत करने वाले बोलैंड ने पहली पारी के शतकवीर जॉनी बेयरस्टो (41) को मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया। यह बोलैंड का दूसरे टेस्ट में 14वां विकेट था। ब्रॉड और लीच ने इसके बाद आठ से अधिक ओवर तक आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। कम होती रोशनी के बीच आस्ट्रेलिया को अंतिम तीन ओवर में गेंदबाजी स्पिनरों लियोन और स्मिथ से करानी पड़ी। स्मिथ ने लीच को वार्नर के हाथों कैच कराया लेकिन ब्रॉड और एंडरसन ने अंतिम दो ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया। इससे पहले बाएं हिस्से में चोट के बावजूद स्टोक्स ने 123 गेंद 10 चौके और एक छक्के की मदद से 60 रन की पारी खेली। उन्होंने पहली पारी में भी 66 रन बनाए थे।

लियोन ने स्टोक्स को स्लिप में स्मिथ के हाथों कैच कराया। अंतिम घंटे से पहले कमिंस ने बटलर और वुड को पगबाधा किया। बोलैंड ने बेयरस्टो को पवेलियन का रास्ता दिखाया लेकिन लीच, ब्रॉड और एंडरसन ने बल्ले के आसपास नौ क्षेत्ररक्षकों की मौजूदगी के बावजूद मैच ड्रा करा दिया।

इंग्लैंड की टीम आज बिना विकेट खोए 30 रन से आगे खेलने उतरी लेकिन सुबह के सत्र में सलामी बल्लेबाज हसीब हमीद (09) और डेविड मलान (04) के विकेट जल्दी गंवा दिए। कमिंस की गेंद पर हमीद को विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और अपने कल के स्कोर में सिर्फ एक रन जोड़ने के बाद बोलैंड की गेंद पर कैरी को ही कैच दे बैठे।

लियोन ने अपने तीसरे ही ओवर में मलान को बोल्ड करके इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 74 रन किया। सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने आक्रामक रवैया अपनाया। उन्होंने आठ चौकों की मदद से 69 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। क्राउली हालांकि 100 गेंद में 13 चौकों की मदद से 77 रन बनाने के बाद कैमरन ग्रीन की गेंद पर पगबाधा हो गए।

जो रूट (24) और स्टोक्स ने 26 ओवर में 60 रन की साझेदारी की लेकिन बोलैंड ने इंग्लैंड के कप्तान को चाय के विश्राम से पहले कैरी के हाथों कैच करा दिया।

टेस्ट ड्रा होने पर एक-दूसरे को बधाई देते क्रिस ब्राड और जेम्स एंडरसन

रूट ने कहा, ड्रा ने टीम की प्रतिष्ठा बहाल की

सिडनी। कप्तान जो रूट ने दावा किया है कि एशेज में निराशा के बाद सिडनी में रोमांचक ड्रॉ से इंग्लैंड की टीम प्रतिष्ठा बहाल करने में सफल रही है और यह सही दिशा में उठाया गया एक छोटा कदम है।

रूट की टीम ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में पांचवें दिन पूरे दिन बल्लेबाजी की और मैच ड्रॉ कराया। टीम ने 388 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 270 रन बनाए। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने कम होती रोशनी के बीच अंतिम दो ओवर में आस्ट्रेलिया को सफलता से महरूम रखकर इंग्लैंड को हार से बचाया। पहले तीन मैचों में 12 दिन के भीतर तीन हार के बाद इंग्लैंड की टीम पहले ही श्रृंखला गंवा चुकी है लेकिन इस ड्रॉ के साथ मेहमान टीम ने आस्ट्रेलिया की 5-0 से क्लीनस्वीप की उम्मीदों को तोड़ दिया।

तीन बल्लेबाजों जैक क्राउली, बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो ने 100 से अधिक गेंदें खेली जबकि एंडरसन, जैक लीच और ब्रॉड ने अंतिम 10 ओवर में बेहद दबाव में बल्लेबाजी करके आस्ट्रेलिया को जीत से महरूम किया।

अंगुली में फ्रैक्चर की वजह से जोस बटलर इंग्लैंड लौटेंगे

सिडनी। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर अंगुली में फ्रैक्चर के कारण एशेज दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटेंगे। इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने चौथे टेस्ट के रोमांचक समापन के बाद कहा कि रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ड्रॉ हुए मैच के दौरान बटलर को बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली में चोट लगी, जो फ्रैक्चर है। वह आगे के देखरेख और इलाज के लिए सोमवार को स्वदेश लौटेंगे। टीम के कप्तान जो रूट ने चौथे टेस्ट मैच के बाद कहा कि यह काफी गंभीर चोट है। उसने इस स्थिति में भी जिस तरह का समर्पण दिखाया वह दर्शाता है कि वह टीम की कितनी परवाह करता है। बटलर जब विकेटकीपिंग नहीं कर पाए और टीम के वैकल्पिक विकेटकीपर बेयरस्टो को भी इंग्लैंड की पहली पारी में शतक के दौरान पैट कमिंस की गेंद पर अंगूठे में चोट लग गई थी। इस कारण मैच के चौथे दिन ओली पोप इंग्लैंड की ओर से विकेटकीपिंग करने उतरे। पोप ने बल्लेबाजी क्रम में अपनी जगह बेयरस्टो को गंवा दी है और इस टेस्ट में अंतिम एकादश में उन्हें जगह नहीं मिली। इंग्लैंड की टीम ने कहा कि बेयरस्टो शुक्रवार से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट के लिए टीम के साथ होबार्ट जाएंगे और उनके अंगूठे की चोट का आकलन इस सप्ताह के अंत में किया जाएगा। इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के विशेषज्ञ विकेटकीपर सैम बिलिंग्स को बेयरस्टो और बटलर के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया है।

विराट कोहली की तीसरे टेस्ट मैच में वापसी की संभावना

●कप्तान ने नेट्स पर जमकर अभ्यास किया

भाषा। केपटाउन

टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने रविवार को यहां नेट्स पर अभ्यास किया तथा उनके ऑफ ड्राइव और कवर ड्राइव इस बात के संकेत हैं कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में वापसी कर सकते हैं। वह पीठ दर्द के कारण जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे।

भारतीय टीम ने जोहानिसबर्ग में मिली हार को भुलाकर दक्षिण अफ्रीका में पहली बार श्रृंखला जीतने के उद्देश्य से अभ्यास शुरू किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम की तस्वीर के साथ ट्वीट किया, हम यहां खूबसूरत केपटाउन में हैं। भारतीय टीम ने तीसरे टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी है। तीन

मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है। तीसरा टेस्ट यहां 11 से 15 जनवरी के बीच खेला जाएगा। यदि कोहली मैच के लिए फिट हो जाते हैं तो हनुमा विहारी को उनके लिए टीम में जगह बनानी होगी। बीसीसीआई ने एक अन्य ट्वीट में कई तस्वीरें दी हैं जिनमें एक तस्वीर में कोहली को नेट्स पर बल्लेबाजी करते हुए दिखाया गया है। दक्षिण अफ्रीका में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कवायद में लगे भारत ने सेंचुरियन में पहले मैच में 113 रन से जीत दर्ज करके शानदार शुरुआत की थी लेकिन जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट में उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम शनिवार को केपटाउन पहुंच गई थी।

भारत दूसरे मैच में कप्तान विराट कोहली के बिना उतरी थी लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उम्मीद जताई थी कि वह निर्णायक मैच के लिए फिट हो जाएंगे। कोहली की पीठ के ऊपरी हिस्से में जकड़न थी और उनकी अनुपस्थिति में केएल राहुल ने टीम की कमान संभाली थी। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का तीसरे मैच में खेलना संदिग्ध है। वह दूसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी जगह इशांत शर्मा या उमेश यादव को अंतिम एकादश में लिया जा सकता है।

केपटाउन में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम

जोकोविच मामले की सुनवाई आज, आस्ट्रेलिया में रहने पर होगा फैसला

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के आव्रजन डिटेंशन होटल में चार रात बिताने के बाद दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के निर्वासन मामले की अदालत में सोमवार को सुनवाई होगी।

पिछले हफ्ते मेलबर्न हवाई अड्डे में आने के बाद जोकोविच का वीजा रद्द कर दिया गया था। आस्ट्रेलिया के सीमा अधिकारियों ने कहा है कि वह देश में प्रवेश के लिए सभी गैर नागरिकों के कोविड-19 के खिलाफ पूर्ण टीकाकरण की अनिवार्यता से छूट की पात्रता को पूरा नहीं करते। सर्बिया के इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि काफी समर्थन मिल रहा है।

जोकोविच के वकीलों ने आस्ट्रेलिया से निर्वासन को चुनौती देते हुए अदालत में याचिका दायर की है जिसमें कहा गया है कि यह सर्बियाई खिलाड़ी पिछले महीने कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया था और इससे उबर चुका है।

संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों को देना होगा तीन महीने का नोटिस

●एसएलसी ने जारी किए नए दिशा-निर्देश

भाषा। कोलंबो

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा रखने वाले श्रीलंका के खिलाड़ियों को तीन महीने का नोटिस देना होगा और फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग में खेलने की एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के लिए संन्यास के बाद छह महीने तक इंतजार करना होगा। खिलाड़ियों को समय से पहले संन्यास और लुभावनी टी20 घरेलू लीग में जाने से रोकने के लिए श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने ए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

दिशा-निर्देशों के अनुसार लंका प्रीमियर लीग में खेलने का पात्र होने के लिए खिलाड़ियों को सत्र में कम से कम 80 प्रतिशत मैच खेलने होंगे। एसएलसी ने दनुष्का गुणातिलक और भानुका राजपक्षे के संन्यास की घोषणा करने के बाद यह फैसला किया है।

गुणातिलक ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा है जबकि राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। एसएलसी ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट टीम से संन्यास लेने की इच्छा रखने वाले राष्ट्रीय खिलाड़ियों को श्रीलंका क्रिकेट को तीन महीने का नोटिस देना होगा कि उनकी संन्यास लेने की इच्छा है। बयान के अनुसार विदेशी फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र चाहने वाले संन्यास ले चुके राष्ट्रीय खिलाड़ियों को संन्यास लेने की तारीखे के छह महीने बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड ने कहा कि संन्यास ले चुके राष्ट्रीय खिलाड़ी एलपीएल जैसी घरेलू लीग में खेलने के पात्र तभी होंगे जब वे लीग से पहले वाले सत्र में घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में 80 प्रतिशत मुकाबले खेलेंगे।

पुणेरी पलटन ने गत चैंपियन बंगाल वॉरियर्स को हराया

प्रो कबड्डी लीग

●यूपी योद्धा ने बेंगलुरु बुल्स को बड़े अंतर से हराया

भाषा। बेंगलुरु

रेडर असलम इनामदार के शानदार खेल के दम पर पुणेरी पलटन ने रविवार को यहां प्रो कबड्डी लीग मैच में गत चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स को 39-27 से हराया। यूपी योद्धा ने दिन के दूसरे मुकाबले में पिछले सत्र का सेमीफाइनल खेलने वाली बेंगलुरु बुल्स को 42-27 के बड़े अंतर से हराया। इनामदार ने सुपर 10 (17 अंक) बनाए, जबकि अभिनेश नादराजन ने पलटन के लिए हाई 5 (5 टैकल अंक) हासिल किए। कप्तान मनिंदर सिंह ने वॉरियर्स के लिए सुपर 10 (13 अंक) बनाया, लेकिन उनकी टीम में आत्मविश्वस की कमी दिखी। पुणेरी पल्टन से मध्यांतर तक 20-11 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी। उसने दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में विरोधी टीम को ऑल आउट कर 12 अंकों की बढ़त बना ली। पुणे की टीम में इस बढ़त को बरकरार रखते हुए शानदार जीत दर्ज की।

भरत देश के 73वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने

चेन्नई। भारतीय शतरंज खिलाड़ी भरत सुब्रमण्यम रविवार को इटली में एक टूर्नामेंट में तीसरे और अंतिम ग्रैंडमास्टर मानदंड हासिल करने के बाद देश के 73वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने। चेन्नई का 14 साल का यह खिलाड़ी कैटोलिका में आयोजित प्रतियोगिता के नौ दौर में 6.5 अंक हासिल कर सातवें पायदान पर रहा।

कप्तान लैथम ने लगाया बेहतरीन शतक

●न्यूजीलैंड ने एक विकेट पर 349 रन बनाए

एपी। क्राइस्टचर्च

कप्तान टॉम लैथम के नाबाद शतक और डेवोन कॉनवे के साथ उनकी दूसरे विकेट की अटूट दोहरी शतकीय साझेदारी से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन रविवार को यहां एक विकेट पर 349 रन बनाए।

टॉस हारने के बाद हेगले ओवल पर लैथम (नाबाद 186) ने विल यंग (54) के साथ पहले विकेट के लिए 148 रन जोड़कर मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने कॉनवे (नाबाद 99) के साथ दूसरे विकेट के लिए नाबाद 201 रन जोड़े जिससे न्यूजीलैंड ने पहले ही दिन मैच में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली।

लैथम अब तक 278 गेंद की अपनी पारी में 28 चौके जड़ चुके हैं जबकि कॉनवे की 148 गेंद की पारी में 10 चौके और एक छक्का शामिल है। बांग्लादेश ने पहले टेस्ट में आठ विकेट की जीत से विश्व क्रिकेट जगत को रोमांचित किया था क्योंकि नौवें नंबर की टीम ने दूसरे नंबर की टीम को उसकी सरजमीं पर हराया था।

टॉम लैथम को शतक पूरा करने की बधाई देते डेवोन कॉनवे

बांग्लादेश ने विश्व टेस्ट चैंपियन को लंबे प्रारूप में घरेलू हालात में शिकस्त दी जहां टीम ने पिछले 17 टेस्ट में हार का सामना नहीं किया था। लैथम हालांकि शुरुआत से ही शानदार लय में दिखे। उन्होंने अब तक 112 रन बाउंड्री से जुटाए हैं।

उन्होंने 65 गेंद में अर्धशतक, 133 गेंद में शतक और 199 गेंद में 150 रन पूरे किए। लैथम को रविवार को लंच से पहले दो बार आउट दिया गया लेकिन डीआरएस लेने पर वह नाबाद करार दिए गए। यंग ने भी श्रृंखला का अपना लगातार तीसरा अर्धशतक जड़ा और अपनी पारी में 114 रन की पारी में पांच चौकों के अलावा एक बार सात रन और एक बार पांच रन जुटाए। उन्होंने सात रन तब मिले जब वह तीन रन दौड़ चुके थे और फिर ओवरथ्रो पर गेंद सीमा रेखा पार कर गई। इसी तरह एक रन लेने के बाद ओवरथ्रो पर चार रन के साथ उन्हें पांच रन मिले। शरीफुल इस्लाम ने यंग को मोहम्मद नईम के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। यंग के आउट होने के बाद कॉनवे ने टेस्ट क्रिकेट में अपना स्वप्निल अभियान जारी रखा। वह स्टंप के समय अपने पांचवें टेस्ट में एक दोहरे शतक सहित तीसरे शतक से सिर्फ एक रन दूर थे। उन्होंने दो अर्धशतक भी जड़े हैं।

बोपन्ना-रामकुमार ने एडीलेड टेनिस का खिताब जीता

भाषा। एडीलेड

एटीपी टूर पर पहली बार जोड़ी बनाकर खेल रहे भारत के रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन ने रविवार को यहां इवान डोडिग और मार्सेलो मेलो की शीर्ष वरीय जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर उलटफेर करते हुए एडीलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष युगल खिताब जीता।

भारत की गैरवरीय जोड़ी ने एक घंटे और 21 मिनट में 7-6 (6), 6-1 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने चारों ब्रेक प्वाइंट बचाए जबकि दो बार विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़ी। यह बोपन्ना का 20वां एटीपी युगल खिताब और रामकुमार के साथ पहला खिताब है। रामकुमार इस स्तर पर सिर्फ दूसरा फाइनल खेल रहे थे। वह 2018 में हॉल आफ फेम टेनिस चैंपियनशिप में उप विजेता रहे थे।

बोपन्ना और रामकुमार इस खिताबी जीत के लिए इनामी राशि के रूप में 18700 डॉलर बांटेंगे जबकि प्रत्एक को 250 रैंकिंग अंक मिले।

आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफायर से पहले इस जीत से रामकुमार का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वह एक बार फिर ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल वर्ग के मुख्य ड्रा में जगह बनाने के लिए चुनौती पेश करेंगे। बोपन्ना और रामकुमार ने शुरुआत में ही ब्रेक प्वाइंट बचाया और फिर बेहतर खेल दिखाया। सातवें गेम में मेलो 30-0 के स्कोर पर सर्विस कर रहे थे तब बोपन्ना ने डोडिग के दाईं ओर सर्विस रिटर्न के साथ अंक जुटाया और फोरहैंड विनर लगाकर स्कोर 30-30 किया। ब्राजील का खिलाड़ी हालांकि सर्विस बचाने में सफल रहा।

ऐश बार्टी और अनिसिमोवा ने जीते टूर्नामेंट

मेलबर्न। शीर्ष वरीय ऐश बार्टी ने रविवार को एलेना रेबाकिना को सीधे सेट में हराकर तीन साल में दूसरी बार एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीता। इस जीत की बदौलत बार्टी का 2021 की शुरुआत से शीर्ष 20 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 17-1 हो गया है। बार्टी ने फाइनल में रेबाकिना को 6-3, 6-2 से हराया। बार्टी ने डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में 14वीं खिताबी जीत के दौरान कोको गॉफ, 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन और 2020 फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक को भी हराया। मेलबर्न में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने बेलारूस की एलियाकसांद्रा सासनोविच को तीन सेट में 7-5,1-6, 6-4 से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता।

डोर्टमंड ने पिछड़ने के बाद दर्ज की जीत

बर्लिन। बोरूसिया डोर्टमंड ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए शनिवार को एंट्रैक्ट फ्रेंकफर्ट को 3-2 गोल से हराकर बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया। महमूद दाहूद ने 89वें मिनट में डोर्टमंड की टीम की ओर से विजयी गोल दागा। ज्यूड बेलिंघम ने 86वें मिनट में टीम को बराबरी दिलाई थी।

इस जीत से शीर्ष पर चल रहे बायर्न म्यूनिख और दूसरे स्थान पर चल रहे डोर्टमंड के बीच छह अंक का अंतर रह गया है। बायर्न को शुक्रवार को घरेलू मैदान पर बोरूसिया मोंशेनग्लाबाख ने 2-1 से हराया था। डोर्टमंट के तीनों गोल में एर्लिंग हैलेंड की अहम भूमिका रही। एंट्रैक्ट फ्रेंकफर्ट को राफेल सेंटोस बोरे मॉरी ने 15वें और 24वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दिलाई। फ्रेंकफर्ट की टीम मैच में अधिकांश समय आगे थी लेकिन अंतिम 20 मिनट में डोर्टमंड ने मैच का रुख बदल दिया।

सांकेतिक कब्जा सूचना

ICICI Home Finance

पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई–400 051
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई एचएफसी टावर, जे.बी. नगर, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई–400 059
शाखा कार्यालय : प्लॉट नंबर 1, प्रथम तल, सहयोग भवन, एयरोड्रम सर्किल, कोटा – 324 007

जबकि,

अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002, के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें नीचे वर्णित कर्जदारों से सूचना में वर्णित राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदारों और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा नीचे दी गई तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया राशि अदा करने के बाद ही किया जा सकता है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का विवरण/कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/मांग सूचना में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	चौधरी नवाब सिंह (कर्जदार), मिथलेश कुमारी (सह–कर्जदार) एलएचकेओटी00001302968	16वां पार्क व्यू टावर एफ चतुर्थ तल गौड़ यमुना सिटी पाकेट 3 मिर्जापुर साइट सेक्टर 9 यीडा यमुना एक्सप्रेसवे ग्रेटर नोएडा नंबर 3300 नोएडा, उत्तर प्रदेश 201307. चौहद्दी – उत्तर : विवरण उपलब्ध नहीं, दक्षिण : विवरण उपलब्ध नहीं, पूरब : विवरण उपलब्ध नहीं, पश्चिम : विवरण उपलब्ध नहीं /कब्जा की तिथि : 07 जनवरी, 22	10–05–2021 रू. 14,39,596/–	कोटा–बी

उपरि–वर्णित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वे उक्त राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर कर दें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, उपरोक्त बंधक रखी सम्पत्तियां, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 10 जनवरी, 2022
स्थान : नोएडा

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में एक दिन में सर्वाधिक लोगों की मौत

कोविड-19

एपी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 16 और लोगों की मौत हो गई, जो इस बीमारी के कारण राज्य में सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। न्यू साउथ वेल्स हेल्थ ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में संक्रमण के 30,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। राज्य में इससे पहले संक्रमण के कारण सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या 15 थी। राज्य में पिछले साल 29 सितंबर और एक अक्टूबर को एक दिन में 15 लोगों की मौत इस वायरस के कारण हुई थी।

न्यू साउथ वेल्स हेल्थ ने बताया कि राज्य में 1,927 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 151 लोग गहन चिकित्सा इकाई में हैं। इसके अलावा दो लाख से अधिक लोग घर में पृथक-वास में रह रहे हैं। इसके अलावा, विक्टोरिया में रविवार को 44,155 नए मामले पाए गए। स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा की गई जांच में पता चला है कि नए मामलों में से 80 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के हैं। विक्टोरिया में रविवार को संक्रमण से आठ लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में अब तक डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत

लंदन। कोविड महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक ब्रिटेन में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 1,50,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश में वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामलों में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ब्रिटेन में शनिवार को संक्रमण के 1,46,390 नए मामले सामने आए जबकि 313 मरीजों ने दम तोड़ दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोरोना वायरस महामारी के कारण बढ़ रही मृतकों की संख्या को भयावह करार दिया और लोगों से जल्द से जल्द कोविड-रोधी टीकाकरण कराने की अपील की।

जॉनसन ने कहा कि अपने परिवार, दोस्तों और समुदायों में से किसी को भी गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि इस महामारी से निपटने का एक ही रास्ता है कि प्रत्एक व्यक्ति अपनी बूस्टर खुराक ले और ऐसे लोग टीके की पहली या दूसरी खुराक जल्द से जल्द लें जिन्होंने अब तक टीकाकरण नहीं कराया है। मैं राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं उन सभी स्वयंसेवकों का भी आभार जताना चाहता हूं जोकि देश के टीकाकरण अभियान में सहायता के लिए आगे आए।

कोविड की रोकथाम के लिए पाबंदी को लेकर हुआ समझौता

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को कहा कि कोविड-19 को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच अमेरिका के साथ एक बुनियादी समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिकी सैनिकों के लिए जापान में स्थित अड्डे को छोड़ने पर पाबंदी रहेगी।

किशिदा ने कहा कि अमेरिकी सैनिक अड्डे पर ही रहेंगे। वे केवल बहुत जरूरी होने पर ही अड्डे को छोड़ेगें, जिसका अर्थ है कि आपात स्थिति या सुरक्षा कारणों से ही वे बाहर निकल पाएंगे।

प्रधानमंत्री ने फुजी टीवी पर कहा कि समझौते के विवरण पर अभी काम किया जा रहा है और अमेरिका के साथ संपूर्ण सुरक्षा समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। जापान ने पिछले हफ्ते अमेरिका से अपने सैन्य कर्मियों को अड्डे पर ही रखने के लिए सहयोग मांगा था।

जापान में हाल में कोविड-19 के नए मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे छठी लहर करार दिया है। शनिवार को चार महीने बाद संक्रमण के सबसे अधिक आठ हजार से ज्यादा मामले सामने आए। मामलों में वृद्धि का एक कारण अमेरिका सेना को भी बताया जा रहा है, क्योंकि ज्यादातर नए मामले उसके सैन्य अड्डे के आसपास से सामने आ रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने कोविड से निपटने का रास्ता बदला

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने वर्ष 2021 के अंतिम दिनों में कोविड नियमों में ढील दी। 30 दिसंबर को सरकार ने कर्फ्यू को भी खत्म कर दिया जो मार्च 2020 से ही लागू था। शुरुआत में पृथकवास और संक्रमितों के संपर्क में आने की जांच करने के नियमों में भी ढील दी गई थी लेकिन उसे बाद में वापस ले लिया गया। इन कदमों ने परिपाटी तय की कि कैसे देश महामारी का मुकाबला करने का प्रयास कर रहे हैं। शबीर माधी और उनके सहयोगी इसके साहसिक और जोखिम वाले पक्ष को दर्शाते हैं। नई पहल के मुख्य तत्व क्या थे? दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने कोविड के गंभीर मामलों पर नजर रखते हुए और यह देखते हुए कि चिकित्सा प्रणाली पर अधिक बोझ नहीं पड़े व्यवहारिक रुख अपनाने का फैसला किया। यह सरकार की उस स्वीकार्यता को प्रतिबिंबित करता है कि सरकार आर्थिक, जीविकोर्पाजन और सामाजिक पहलुओं पर पाबंदी से होने वाले असर को कम करने के साथ वायरस के साथ जीने के तरीकों को तलाश कर रही है। यह दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के लिए अहम है जहां पर संसाधन सीमित हैं। सरकार का हालिया कदम आगे बढ़ने में उल्लेखनीय कदम है। उन्होंने कोविड के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव में संतुलन स्थापित करने के लिए व्यावहारिक रुख अपनाया। इस रुख का एक प्रमुख तत्व आबादी के बड़े हिस्से में प्रतिरोधक क्षमता का विकास है। दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक केंद्र गाउटेंग में ओमीक्रोन के आने से पहले हुए सीरो सर्वेक्षण में 72 प्रतिशत लोगों के पहले आई तीन लहरों से संक्रमित होने की जानकारी मिली। सीरो सर्वेक्षण के मुताबिक कोविड-19 से टीकाकरण कराने वाले या नहीं कराने वाले 50 साल से अधिक उम्र के 79 से 93 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी मिली, इसी वर्ग में पिछली लहरों में अस्पताल में भर्ती होने के अधिक मामले आए थे। सीरो सर्वेक्षण के आंकड़े दिखाते हैं कि देश की बड़ी आबादी में प्राकृतिक संक्रमण से और टीकाकरण से पहले ही कोविड के गंभीर संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। मौजूदा सबूत दिखाते हैं कि संक्रमण के खिलाफ उत्पन्न टी सेल प्रतिरोधक क्षमता बहु लक्ष्यों को निष्क्रिय करते हैं और खासतौर पर जब ए प्राकृतिक संक्रमण से पैदा होती है, यह ओमीक्रोन में कई आनुवंशिकी बदलवाव के बावजूद प्रभावित नहीं होती जिसके (ओमीक्रोन के) एक साल से अधिक समय तक बने रहने की आशंका है। इसकी व्याख्या संक्रमण के आ रहे मामलों के अनुपात में अस्पताल में भर्ती होने की दर और यहां तक मौत की दर में देखी जा सकती है।

सऊदी अरब की राजकुमारी तीन साल बाद जेल से रिहा

एपी। दुबई

सऊदी अरब के शाही घराने की एक राजकुमारी के समर्थकों ने रविवार को दावा किया कि उन्हें करीब तीन साल जेल में रखने के बाद प्रशासन ने रिहा कर दिया है।

राजकुमारी बस्माह बिंत सऊद सऊदी अरब के दूसरे राजा की बेटी हैं जो मार्च 2019 में लापता हो गई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि उन्हें बिना आरोप के सऊदी अरब की एक जेल में कैद कर दिया गया। राजकुमारी और उनकी बेटी की गिरफ्तारी का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया था।

राजकुमारी के कानूनी सलाहकार हेनरी इस्ट्रामांट ने कहा कि 58 वर्षीय राजकुमारी बस्माह और उनकी 30 वर्षीय बेटी सुहौद अल-शरीफ को पिछले सप्ताह सऊदी की राजधानी रियाद के बाहरी क्षेत्र में स्थित जेल से रहा किया गया और वह बृहस्पतिवार को जेद्दा में अपने घर वापस लौटीं। उन्होंने बताया कि राजकुमारी कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं और अब वह अपने परिवार के साथ समय बिताएंगी।

वाशिंगटन स्थित सऊदी अरब दूतावास ने इस मामले में तत्काल टिप्पणी नहीं की है। सऊदी अरब सरकार ने इस मामले में कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वर्ष 2020 में सऊदी मिशन ने जिनेवा में कहा था कि राजकुमारी बस्माह अवैध रूप से विदेश यात्रा की कोशिश करने समेत अन्य आपराधिक मामलों की आरोपी हैं।

वहीं हेनरी ने दावा किया कि राजकुमारी और उनकी बेटी को सुरक्षा एजेंसियों ने उस समय पकड़ लिया था, जब वे नियमित उपचार के लिए स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी कर रही थीं।

न्यूयॉर्क में पिछले साल हमले के शिकार चीनी प्रवासी की मौत

एपी। न्यूयॉर्क (अमेरिका)

अमेरिका के ईस्ट हार्लेम में पिछले साल अप्रैल में डिब्बे इकट्ठा करने के दौरान हमले का शिकार हुए एक चीनी प्रवासी की मौत हो गई है और अब इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि याओ पान मा (61) की 31 दिसंबर को मौत हो गई। न्यूयॉर्क और देश भर में एशियाई विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि के मद्देनजर इस हमले ने देश का ध्यान आकर्षित किया।

न्यूयॉर्क शहर के जारोड पॉवेल (49) पर पहले इस मामले में हत्या के प्रयास, गुंडागर्दी और घृणा अपराध के आरोप लगे थे, जिसकी जांच जारी है। परिवार के एक प्रतिनिधि ने कहा कि पॉवेल के खिलाफ आरोप अब बढ़ाए जाने चाहिए। न्यूयॉर्क सिटी में समुदाय के कार्यकर्ता और मा के परिवार के प्रवक्ता कार्लिन चान ने कहा, हम जिला अटॉर्नी कार्यालय से अब हत्या के आरोपों को बढ़ाने के लिए संपर्क कर रहे हैं। हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं। पॉवेल ने जो किया उसके लिए उसे दंड भुगतने की आवश्यकता है।

अभियोजकों का कहना है कि पॉवेल ने मा पर पीछे से हमला किया, उसे जमीन पर पटक दिया और बार-बार उसके सिर पर लात मारी। पुलिस की ओर से जारी सर्विलांस वीडियो में एक हमलावर मा के सिर पर मारते नजर आ रहा है।

चान ने कहा कि हमले के बाद मा को कभी होश नहीं आया और समय के साथ उनकी हालत बिगड़ती चली गई। चान ने कहा कि इस घटना से मा की पत्नी बुरी तरह से टूट गई है। मा चीन से यहां अक्टूबर 2018 में आए थे और वह शेफ थे।

ब्राजील की झील में चट्टान टूटकर गिरने से छह लोगों की मौत

एपी। ब्रासीलिया

ब्राजील की एक झील में शनिवार को चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं पर गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मिनस गैरेस राज्य दमकल विभाग के कमांडर एड्गार्ड एस्तेवो ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है।

अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 32 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर लोगों को शनिवार शाम को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। घटना के वीडियो में दिख रहा है कि फर्नास लेक पर लोग नौका सवारी का आनंद ले रहे थे, तभी चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं के ऊपर गिर गया। एस्तेवो ने बताया कि यह हादसा साओ जोस डा बारा और कैपिटलियो कस्बों के बीच हुआ।

वैश्विक प्रवासी भारतीयों ने आपत्तिजनक भाषण देने वालों की गिरफ्तारी की मांग की

न्यूयार्क। वैश्विक प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों और कई देशों के नागरिकों ने हरिद्वार में एक कार्यक्रम में मुसलमानों के खिलाफ दिए गए कथित भड़काऊ भाषणों पर चिंता जताई है और सम्मेलन में नरसंहार जैसे भाषण देने वाले लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पछले महीने हरिद्वार में आयोजित धर्म संसद में भड़काऊ भाषणों पर दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, स्कॉटलैंड, फिनलैंड और न्यूजीलैंड में प्रवासी समूहों ने ट्विटर पर अपना रोष जताया है। इन लोगों में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। 28 संगठनों के बयान में हरिद्वार धर्म संसद में नरसंहार और घृणा फैलाने वाले भाषण देने वाले लोगों को गिरफ्तार करने में विफल रहने पर सरकार की भी आलोचना की गई है।

राजकुमार विलियम की पत्नी केट ने अपना 40वां जन्मदिन मनाया

लंदन। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम की पत्नी कैथरीन (केट) मिडलटन ने रविवार को अपना 40वां जन्मदिन मनाया और इस मौके पर तीन तस्वीरों का एक विशेष सेट जारी किया गया जिसे इस साल देशभर में प्रदर्शित किया जाएगा। डचेज ऑफ कैंब्रिज , कैथरीन ने नॉरफोक में अपने आवास पर राजकुमार जॉर्ज, राजकुमारी शार्लट और राजकुमार लुईस के साथ जन्मदिन मनाया।

जन्मदिन के अवसर पर विशेष रूप से फैशन फोटोग्राफर पाओलो रोवेर्सी द्वारा खींची गई तस्वीरों में मिडलटन ने विभिन्न परिधान पहने हैं जिन्हें ब्रिटेन के लक्जरी फैशन हॉउस अलेक्जेंडर मकक्वीन ने बनाया है

दो तस्वीरों में उन्होंने मोती और हीरे के कान के आभूषण पहने हैं जो उनकी दिवंगत सास राजकुमारी डायना के थे।

पाकिस्तानी पुलिस ने क्वेटा में छह आतंकवादियों को मार गिराया

भाषा। क्वेटा (**पाकिस्तान**)

पाकिस्तान की आतंकवाद-रोधी पुलिस ने शनिवार रात को दक्षिण-पश्चिमी शहर क्वेटा में मुठभेड़ के दौरान इस्लामिक स्टेट समूह के छह आतंकवादियों का मार गिराया। पुलिस की ओर से रविवार को जारी बयान के मुताबिक, शहर के मंजूर शाहिद इलाके में एक ठिकाने पर छापेमारी की गई। बयान के मुताबिक, गुप्त सूचना मिली थी कि आतंकवादी शहर में हमला करने की साजिश रच रहे हैं। इसके मुताबिक पुलिस के पहुंचने परी आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी और हथगोले फेंके।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद करीब एक घंटे से अधिक समय तक चली मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गए।

बयान के मुताबिक कुछ आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले और उनकी तलाश की जा रही है। मारे गए एक आतंकवादी की पहचान असगर सुमालानी के रूप में हुई है, जिस पर ईनाम घोषित था।

देश में चल रहे प्रदर्शन में अब तक 164 लोग मारे गए हैं : कजाकिस्तान

एपी। मास्को

कजाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह से देश में चल रहे प्रदर्शनों में 164 लोग मारे गए हैं। सरकारी समाचार चैनल खबर-24 ने मृतकों की जो संख्या बताई है,वह पहले बताई संख्या से काफी अधिक है। यह स्पष्ट नहीं हैं कि मृतकों में केवल आम नागरिक हैं या सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने दिन में कहा था कि 16 पुलिसकर्मी अथवा राष्ट्रीय गार्ड के जवान भी मारे गए हैं। अधिकारियों ने इससे पहले 26 आम नागरिकों के मारे जाने की जानकारी दी थी।

मंत्रालय के अनुसार, अधिकांश मौतें देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी में हुईं, जहां 103 लोग मारे गए। वहां प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया और कुछ में आग लगा दी। बाल अधिकारों के क्षेत्र में काम करने वाली एक महिला ने बताया कि तीन बच्चे भी मारे गए हैं और सभी नाबालिग थे। इनमें चार साल की एक बच्ची भी शामिल है। मंत्रालय ने पहले बताया था कि प्रदर्शन में 2,200 से अधिक लोग घायल हुए हैं और उन्हें उपचार की आवश्यकता है, वहीं गृह मंत्रालय ने कहा कि लगभग 1300 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए हैं।

कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह हिंसा में तब्दील हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने करीब 5,800 लोगों को हिरासत में लिया। विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद रूस के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को कजाकिस्तान में सैनिक भेजना पड़ा था। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकाएव के कार्यालय ने कहा कि देश में स्थिति नियंत्रण में है और अधिकारियों ने प्रशासनिक भवनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। इन भवनों को प्रदर्शनकारियों ने कब्जे में ले लिया था और इनमें से कुछ में आग लगा दी गई थी। रूसी टीवी स्टेशन मीर-24 ने कहा कि रविवार को देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी में गोलियों की आवाज सुनी गई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ए कानून लागू करने वाली एजेंसियों की ओर से चेतावनी के तौर पर चलाई गई गोलियां थीं। तोकाएव ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस और सेना को गोली मारने के लिए अधिकृत किया है।

अब तक 5,800 लोगों को हिरासत में लिया गया : कजाकिस्तान

मॉस्को। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह हिंसा में तब्दील हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने करीब 5,800 लोगों को हिरासत में लिया था।

विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद रूस के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को कजाकिस्तान में सैनिक भेजना पड़ा था। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकाएव के कार्यालय ने कहा कि देश में स्थिति में नियंत्रण में है और अधिकारियों ने प्रशासनिक भवनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया

तालिबान ने सरकार के मुखर आलोचक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया

काबुल। तालिबान ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के लोकप्रिय प्रोफेसर तथा अफगानिस्तान के मौजूदा शासन समेत विभिन्न सरकारों के मुखर आलोचक को गिरफ्तार किया है। समूह के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने रविवार को यह जानकारी दी।

मुजाहिद ने ट्वीट किया कि फजीउल्ला जलाल को तालिबान की खुफिया इकाई ने हिरासत में रखा है। समूह ने प्रोफेसर पर सोशल मीडिया पर बेतुकी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया जिनसे लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काया जा रहा है। तालिबान ने 20 साल तक चले युद्ध के बाद 31 अगस्त को अमेरिकी सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान की सत्ता पर नियंत्रण कर लिया था।

रविवार तड़के जलाल की बेटी हसीना जलाल ने ट्वीट कर अपने पिता को रिहा करने की गुहार लगाई। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इस परेशान करने वाली खबर की पुष्टि कर रही हूं। मैंने अपने पिता फजीउल्ला जलाल को तत्काल रिहा करने की गुहार लगाई है।

जेएफके हवाई अड्डे पर सिख कैब ड्राइवर पर हमला बेहद व्यथित करने वाला

भाषा। न्यूयॉर्क

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारतीय मूल के एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से विभाग अत्यंत परेशान है। विदेश विभाग ने किसी भी तरह की घृणा आधारित हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि घृणा अपराध करने वाले लोगों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हुए हों।

सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में यहां जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक पर एक अज्ञात व्यक्ति हमला करते दिख रहा है। हमलावर ने टैक्सी चालक की पगड़ी उतार दी और उसके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। बिना तारीख के 26 सेकंड के इस वीडियो को ट्विटर यूजर नवजोत पाल कौर ने चार जनवरी को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर अपलोड किया था। वीडियो में एक व्यक्ति हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक के साथ मारपीट करता दिख रहा है। कौर ने कहा कि वीडियो को हवाई अड्डे पर मौजूद एक व्यक्ति ने शूट किया था। विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (एससीए) ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा कि जेएफके हवाई अड्डा पर पिछले हफ्ते बनाए गए वीडियो में एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से अत्यंत दुखी हैं। हमारी विविधता अमेरिका को मजबूत बनाती है और हम किसी भी प्रकार की घृणा-आधारित हिंसा की निंदा करते हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि घृणा अपराधों के दोषियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हों।

चीन के चांग ई 5 मिशन से चंद्रमा की सतह पर पानी होने के सबूत मिले

बीजिंग। चीन के चांग ई 5 यान (लैंडर) को चंद्रमा की सतह पर पानी होने का मौके पर साक्ष्य मिला है जिससे उपग्रह के सूखेपन के संबंध में नई जानकारी मिलती है। विज्ञान पत्रिका साइंस एडवांसेज में शनिवार को प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि चंद्रमा पर यान के उतरने के स्थान पर मिट्टी में पानी की मात्रा 120 ग्राम प्रति टन से कम है और वह स्थान पृथ्वी की तुलना में बहुत अधिक शुष्क है।

दूरस्थ परीक्षणों में पहले भी पानी की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी लेकिन यान ने अब चट्टानों और मिट्टी में पानी के लक्षण का पता लगाया है। यान में लगाए गए एक विशेष उपकरण ने चट्टानों और सतह की जांच की तथा पहली बार मौके पर ही पानी का पता लगाया।

पेरिस समझौता तय कार्यक्रम के अनुसार लेकिन हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है

भाषा। टोरंटो

नए साल के आते ही गुजरा साल पुराना लगने लगा है। बीता 2021 भी पहले के वर्षों की तरह जलवायु के लिहाज से तबाही का एक साल था। आगजनी और बाढ़ की घटनाओं का एक और साल जिसके 2022 में भी होने के और अधिक संकेत हैं। बीते वर्ष की तरह 2022 में भी जलवायु कार्वाई का आह्वान जोर पकड़ने वाला है। अगर हमें जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचना है तो यह कई तरह से (तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक) होना चाहिए।

फिर भी एक बात जो पिछले वर्षों की तुलना में 2022 में भिन्न है, वह यह है कि अब हमारे पास एक पूर्ण, कार्यशील वैश्विक जलवायु संधि है। नवंबर 2021 में ग्लासगो में सीओपी-26 की बैठक में अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पेरिस समझौते के शेष विवरणों को अंतिम रूप दिया। अधिकांश दुनिया या कम से कम उत्तरी अमेरिका और ब्रिटेन में इस खबर में भ्रम की स्थिति रही। सीएनएन, द इकोनॉमिस्ट, द ग्लोब एंड मेल और यहां तक कि सीबीसी किड्स ने भी एक ही सवाल पूछते हुए कार्यक्रम दिखाए: क्या सीओपी-26 एक सफलता थी? मीडिया में और स्तंभकारों के बीच जो सर्वसम्मति उभरी, वह यह थी कि जलवायु परिवर्तन को ठीक न करने के बावजूद कुछ प्रगति हुई है। पर्यावरण कार्यकर्ता अधिक आश्वस्त थे कि सीओपी-26 एक विफलता थी।

दोनों प्रतिक्रियाएं उचित भी हैं क्योंकि जलवायु कार्वाई के बारे में दो तथ्य सह-अस्तित्व में हैं। पेरिस समझौता वैसे ही काम कर रहा है जैसे इसे डिजाइन किया गया था, यह वही कर रहा है जो इसे करना चाहिए और यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के रूप में क्या कर सकता है। केवल पेरिस समझौता ही हमें नहीं बचा सकता। जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया उस गति या पैमाने पर परिवर्तन उत्पन्न नहीं कर रही है जिसकी हमें जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए आवश्यकता है।

इस वैश्विक संस्थागत संदर्भ को जलवायु परिवर्तन की दिशा में एक प्रभावी वैश्विक प्रतिक्रिया में बदलने के लिए महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कार्वाई की आवश्यकता है।

पेरिस समझौता व्यापक अर्थों में सफल होगा यदि राज्य अपनी जलवायु योजनाओं की महत्वाकांक्षा और कार्यान्वयन को तेज करें। भले ही पेरिस समझौता संयुक्त प्रतिबद्धताओं के बजाय व्यक्तिगत प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है, फिर भी देश अपने साथियों और प्रतिस्पर्धियों से आगे बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

नाइजीरिया में अगवा किए गए 30 छात्रों को अपहर्ताओं ने रिहा किया

अबुजा (**नाइजीरिया**)। नाइजीरिया में लगभग सात महीने बंधक बनाए रखने के बाद बन्दूकधारियों ने 30 छात्रों को मुक्त कर दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। केब्बी राज्य से जून में दर्जनों छात्रों को अगवा किया गया था। केब्बी के गवर्नर के एक प्रवक्ता ने बताया कि रिहा किए गए छात्र एक शिक्षक के साथ शनिवार को राज्य की राजधानी पहुंचे।

प्रवक्ता ने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी। नाइजीरिया में फिरौती के लिए छात्रों का अपहरण किया जाना आम बात है। केब्बी के सरकारी कॉलेज के छात्रों को 17 जून को अगवा किया गया था जब बंदूकधारियों ने बिरनिन-यूरी स्थित संस्थान पर हमला किया था। अधिकारियों की ओर से अपरहणकर्ताओं की गिरफ्तारी के संबंध में अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है।

पाकिस्तान में भीषण बर्फबारी की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या 23 हुई

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के प्रसिद्ध पहाड़ी पर्यटन स्थल मरी में भीषण बर्फबारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या रविवार को 23 पहुंच गई। एक बच्ची की गंभीर जुकाम और निमोनिया की वजह से मौत हो गई। उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। पंजाब प्रांत के रावलपिंडी के मरी शहर में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे थे और इस बीच भीषण बर्फबारी हो गई जिससे गाड़ियां फंस गईं और प्रशासन बेबस हो गया। इस घटना में 10 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई।

सूत्रों ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची की मौत झीका गली में हुई। उसे गंभीर जुकाम और निमोनिया हो गया था। उन्होंने बताया कि उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचा जा सका जिससे उसकी मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है वहीं गाड़ियां कई फुट जमी बर्फ में फंसी हुई हैं। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एक बयान में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। मंत्री ने कहा कि हालात को सिर्फ प्राकृतिक आपदौ कहा जा सकता है और इस क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी हुई है।

उन्होंने कहा कि बर्फबारी के कारण कारें मरी नहीं जा सकीं तो लोगों ने पैदल ही चलना शुरू कर दिया और वे बर्फ के कारण चल नहीं सकें। मंत्री के मुताबिक मौतों का कारण दम घुटना है। राजनीतिक संचार पर प्रधानमंत्री के सहयोगी शाहबाज गिल ने कहा कि जब भारी बर्फबारी होने लगी तो लोगों ने अपनी कारों को सड़कों पर ही छोड़ दिया और होटलों में शरण लेने के लिए चल दिए जिससे यातायात जाम हो गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन गाड़ियों को सड़कों से हटाने की कोशिश कर रहा है ताकि रास्ता साफ किया जा सके।

मेक्सिको जेल में रंगदारी को लेकर हुए दंगे में 56 कैदी घायल

मेक्सिको सिटी। उत्तरी मेक्सिको की एक जेल में कैदियों द्वारा जबरन वसूली करने की कोशिश को लेकर भड़के दंगे में 56 कैदी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दंगा शुक्रवार को अपोडाका जेल में हुआ, जो मॉन्टेरी शहर के बाहर स्थित है। नुएवो लियोन राज्य के जन सुरक्षा सचिव एल्डो फासी ने कहा, बंदूक का इस्तेमाल नहीं हुआ था, सभी मारपीट के कारण घायल हुए हैं। भारी वस्तुओं से लगी चोट या पत्थरों अथवा कुछ मामलों में फर्श पर पटके जाने के कारण कुछ लोगों के सिर पर जख्म हुए हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने चीनी वित्त मंत्री के सामने ऋण संकट का मद्दा उठाया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने रविवार को चीन के विदेश मंत्री वांग ई के साथ ऋण संकट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि क्या बीजिंग अपने विदेशी ऋण को पुनर्गठित करके विदेशी मुद्रा संकट से उबरने में उनके देश की मदद कर सकता है।

वांग मालदीव से शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे थे और उन्होंने राष्ट्रपति सचिवालय में राजपक्षे से मुलाकात की। इस दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने यह मुद्दा उठाया। श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक राजपक्षे ने कहा कि यदि कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के समाधान के रूप में ऋण पुनर्गठन पर विचार किया जाता है, तो यह श्रीलंका के लिए एक बड़ी राहत होगी। एक अनुमान के मुताबिक श्रीलंका को इस वर्ष 1.5 से दो अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज चीन को चुकाना है।

अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे शिक्षा केंद्रों द्वारा अपनाई गई नई प्रगतिशील नीतियों और उपायों की घोषणा अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत करेगी। **प्रतीक गुजराल** कहते हैं, जर्मनी, फ्रांस और यूएई जैसे गंतव्य भी आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं

अग्रगामी सोच कैसी हो

दुनिया भर में दो चुनौतीपूर्ण वर्षों के बाद, उच्च शिक्षा के लिए 2022 में एक स्थिर दृष्टिकोण की उम्मीद है। ओमिक्रोन के प्रसार को रोकने के लिए सभी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

यदि सब कुछ ठीक रहा, तो अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्रों द्वारा अपनाई गई नई प्रगतिशील नीतियों/उपायों की घोषणा अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्वागत करेगी। जर्मनी, फ्रांस और यूएई जैसे उभरते गंतव्य भी आवश्यक बुनियादी ढांचे, नीतियों के निर्माण की प्रक्रिया में हैं, जो उन्हें 2022 में लीग में शामिल होने में मदद करेंगे।

उच्च शिक्षा प्रणाली के कारण अमेरिका छात्रों का पसंदीदा स्थान बना रहेगा, जिसमें उत्कृष्ट छात्र समर्थन, वैश्विक दृष्टिकोण, सांस्कृतिक विविधता की पेशकश करने वाले बड़े पैमाने पर और गैरपरंपरागत शैक्षणिक कार्यक्रम तथा बेहतर काम और विकास की संभावनाएं प्रदान करना शामिल है। आज विद्यार्थी ज्यादा जागरूक हैं। उन्हें अन्वेषक कहा जाना चाहिए। वे सभी नए बदलावों से अवगत हैं और विश्वविद्यालयों के बारे में पूरी जानकारी रखने हेतु प्रवेश के लिए आते हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों से अवगत होते हैं कि उनमें से किसका भविष्य बेहतर है। तदनुसार, वे एक अच्छे संस्थान पर शोध करते हैं जो उन्हें उनकी रुचि के क्षेत्र में एक एकीकृत शिक्षण दृष्टिकोण प्रदान करता है। वे जानते हैं कि अध्ययन के प्रमुख और गौण क्षेत्रों के रूप में क्या लेना है।

इसके अलावा, वे एक सुरक्षित विकल्प बनाने को लेकर समान रूप से सतर्क हैं। अब छात्र देश व संबंधित विश्वविद्यालय का चयन करते समय स्वास्थ्य सेवाओं को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की सूची में शामिल करते हैं। इस प्रकार, प्रमुख उच्च शिक्षा स्थलों और उनके नेतृत्व या सरकार को किसी भी अप्रिय स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए एक मजबूत और सहायक प्रतिक्रिया निर्मित करने की दिशा में काम करना चाहिए।

वर्ष 2022 में ऑनलाइन और हाईब्रिड कार्यक्रमों में अच्छी गति बनी रहेगी। हालांकि कई संस्थान अब वसंत 2022 से प्रत्यक्ष कक्षाओं में वापस संक्रमण की तलाश और तैयारी कर रहे हैं, मगर ऑनलाइन और हाइब्रिड पाठ्यक्रमों की पहुंच अगले दशक में कार्यक्रम के विकास और भर्ती के आसपास की बातचीत पर हावी रहेगी।

जैसे-जैसे शिक्षक ऑनलाइन वातावरण में पढ़ाने में बेहतर होते जाते हैं, वे नई तकनीकों, सॉफ्टवेयर उपकरण, और अन्य संसाधनों से ऑनलाइन शिक्षण/अध्यापन के अनुभव की गुणवत्ता में सुधार कैसे कर सकते हैं, इसके बारे में सीखते रहेंगे। डिजिटल व हाइब्रिड शिक्षण को अपनाने का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम होगा कि राष्ट्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के स्तर में वृद्धि होगी। संस्थान अब ऐसे शिक्षक सदस्यों को शामिल कर सकते हैं जो अन्यथा किसी विशेष विश्वविद्यालय में पढ़ाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इंटरनेट ने कक्षाओं को वैश्विक बना दिया है -शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए।

यात्रा प्रतिबंधों और यात्रा संबंधी अन्य बाधाओं के सामने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को परिसर-प्रांगण में वापस लाना, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होगा। हालांकि ऐसे कई शिक्षक होंगे जो पारंपरिक कक्षा-संरचना में लौटने का विकल्प चुनते हैं, लेकिन उनके शिक्षण को निस्संदेह उनके डिजिटल शिक्षण अनुभव द्वारा आकार दिया जाएगा।

जैसा कि महामारी अभी बरकरार है, ऐसे में कई छात्रों हेतु स्वयं को शिक्षित करने के दरवाजे खोलते हुए सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले शिक्षण व अध्यापन परिवेश की पेशकश के एकमात्र उद्देश्य पर अभी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शैक्षणिक संस्थान अपने मिशन और रणनीतिक योजना में विविधता व समावेश पर जोर देने के साथ-साथ अपने दर्शकों के साथ अधिक पारदर्शी होने के तरीकों की पुनः जांच करेंगे। संस्थानों को अधिक विविध संकाय व कर्मचारियों हेतुअपने प्रयासों को बनाए रखने और बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए जिनका उद्देश्य अपने छात्र निकाय को प्रतिबिंबित करने वाले प्रतिनिधित्व के स्तर तक पहुंचना हो।

दिलचस्प बात यह है कि केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, ई-लर्निंग के लिए भारत अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत, भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली का अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के साथ एकीकरण भारत को उस वैश्विक मंच पर ले जाने का मंच तैयार करेगा जिसका वह लंबे समय से हकदार था। एनईपी भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी पहल होगी, लेकिन इसकी पहुंच भी इसे विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही है।

-लेखक ट्रूमैन स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रधान सलाहकार (दक्षिण एशिया) हैं।

स्कूलों को प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना होगा

सुमीत मेहता का कहना है कि स्कूलों को शिक्षा के हर पहलू में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना होगा, चाहे वह कक्षा हो या घर पर

■ संस्थान भारत में स्कूली शिक्षा को कैसे बदल रहा है?

हमारा मिशन भारत में स्कूली शिक्षा को बदलना है। हम 400 से अधिक शहरों में 2000 से अधिक स्कूलों की सेवा करते हैं, और आठ लाख से अधिक छात्रों और 10 हजार से अधिक शिक्षकों तक पहुंचते हैं। जब तक स्कूल में शिक्षक, छात्र, भवन और फर्नीचर है, तब तक हमारी एकीकृत स्कूल प्रणाली सब कुछ प्रदान करती है - सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पाठ्यक्रम, किताबें, स्कूल किट और प्रशिक्षण सत्र। हमारी विशिष्ट रूप से डिजाइन की गई एड-टेक प्रणाली प्री-प्राइमरी से लेकर दसवीं कक्षा तक, स्कूली शिक्षा की समूचे दायरे को कवर करती है।

■ आप अन्य एडटेक संस्थानों से कैसे अलग हैं?

अधिकांश अन्य संस्थान या तो टुकड़े-टुकड़े या परिधीय डिजिटल समाधान प्रदान करते हैं, चाहे वह उच्च शिक्षा हो या ट्यूटोरियल या अपस्किलिंग के क्षेत्र में हो। हम मुख्य शिक्षा स्तर पर चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं और भारत में अपने तकनीकी एकीकृत समाधानों के साथ पारंपरिक स्कूली शिक्षा को बदल रहे हैं।

हम विशुद्ध रूप से पाठ्यपुस्तक-आधारित सुनने और दोहराने की प्रणाली को मल्टीमॉडल लर्निंग से बदल देते हैं। संस्थान साल में दो बार उन आकलनों को भी बदल देता है जिनमें परिणाम का उपयोग बच्चों को 'अच्छा' या 'बुरा' के रूप में ठप्पा लगाने के लिए किया जाता है, जिसमें समय सारिणी में निर्मित सुधार के पर्याप्त अवसर होते हैं।

■ भारत में स्कूलों के लिए आपका क्या दृष्टिकोण है?

हम बेहतर प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ शिक्षा-क्षेत्र को बदलना चाहते हैं। स्कूल एड-टेक द्वारा संचालित नया सामान्य हर जगह स्कूलों के लिए सीखने के नुकसान की भरपाई करने, डिजिटल तकनीक को शिक्षाशास्त्र में

सुमीत मेहता
सीईओ, को-फाउंडर, लीड

डालने, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को अधिकतम करने के लिए सिलेबस को संशोधित करने और छात्रों को पढ़ाने के तरीके में नवीन बनने का अवसर है। स्कूल कक्षा की पुनर्कल्पना कर सकते हैं और स्कूलों को तकनीक-आधारित उत्कृष्टता केंद्रों में बदल सकते हैं, शिक्षण को आकर्षक और रोमांचक बना सकते हैं और उन्हें यह सब करना होगा।

■ स्कूलों की जमीनी हकीकत क्या है और इसकी क्या जरूरत है?

कोविड-19 ने स्कूली शिक्षा को प्रभावित किया है, विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वितरण के साथ-साथ कक्षा-आधारित शिक्षण और अध्यापन को। यह माता-पिता की प्रमुख चिंताओं में से एक बन गया है। सरकारी स्कूलों में जाने वाले 130 मिलियन से अधिक छात्र किसी भी शिक्षा से वंचित थे। स्कूली शिक्षा शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और देश में 270 मिलियन छात्रों के शिक्षण परिणामों को प्रभावित करने के लिए महत्वपूर्ण है। स्कूलों को स्कूलों में अकादमिक्स से परे ध्यान देना चाहिए।

■ प्रत्यक्ष शिक्षा पुन : पूरी तरह से शुरू हो जाने के बाद क्या वे अपने पुराने तरीकों पर वापस लौट जाएंगे?

हालांकि सभी ग्रेड में शिक्षण क्षति को मापा नहीं जा सकता है, मगर इसने स्कूल के मालिकों, शिक्षाविदों और शिक्षकों को शिक्षा को बदलने का मौका दिया है - पूर्व-कोविड - 19 दिनों तक नहीं, बल्कि एक मजबूत स्कूल एड-टेक द्वारा समर्थित महामारी उपरांत का नया सामान्य के लिए। स्कूलों को शिक्षा के हर पहलू में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना होगा, चाहे वह कक्षा में हो या घर पर और छात्रों को मिश्रित शिक्षा का सर्वोत्तम लाभ देना चाहिए। नए सामान्य में, स्कूलों को न केवल शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम के साथ बल्कि नियमित प्रशासनिक कार्यों, उपस्थिति प्रबंधन, पाठ्येतर गतिविधियों व पीटीए बैठकों के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना होगा।

■ भविष्य की क्या योजनाएं हैं?

हम 2026 तक 26 मिलियन छात्रों और 60,000 स्कूलों तक पहुंचने की इच्छा रखते हैं। दूसरा, हम शिक्षक को प्रसन्नता प्रदान करना चाहते हैं ताकि उनके पास पढ़ाने के लिए अधिक समय हो। हम होमवर्क जांच को स्वचालित करने के लिए एआई और एमएल् का उपयोग करेंगे जिसमें शिक्षक के समय का 20 प्रतिशत समय लगता है।

अंत में, हम वैयक्तिकरण को बढ़ाना चाहते हैं, शिक्षक और छात्र दोनों के लिए अपने कौशल का निर्माण करने के लिए।

मानव पूंजी को आकार देगी उच्च शिक्षा

डॉ. चंद्रशेखर का कहना है कि संस्थानों को आवश्यक कौशल प्रदान कर छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए ताकि वे समाज में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान कर सकें। आवश्यक कौशल प्राप्त करने से पहले जो उनकी प्रभावी सामाजिक भागीदारी की अनुमति देगा, उन्हें समाज की प्रक्रियाओं और मूल्य को समझना होगा

एक उच्च शिक्षा वातावरण बनाने के लिए जोकि अकादमिक और संस्थागत उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है उच्च शिक्षा शिक्षा मंत्रालय मिशन के साथ मिलकर भारत में मानव पूंजी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 21वीं सदी के भारत में, उच्च शिक्षा के ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो अकादमिक और सामाजिक दोनों रूप से आगे देख रहे हैं। समाज में एक विकसित जीव के गतिशास्त्र और पारंपरिक सत्य शामिल हैं जो अपने नागरिकों के बीच स्थिरता की डिग्री बनाए रखने के लिए लगातार बदल रहे हैं।

यह भी तर्क देता है कि छात्रों को, विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में, सामाजिक सुधार के लिए संघर्ष का एक अभिन्न हिस्सा शामिल होना चाहिए क्योंकि वे एक लोकतांत्रिक समाज में भाग लेने वाले नागरिक बनने का प्रयास करते हैं। सामाजिक परिवर्तन का परिणाम तभी होता है जब छात्र इसमें शामिल होने और बदलाव लाने का कार्य अपने ऊपर ले लेते हैं।

आज के छात्र पिछली पीढ़ी के छात्रों से कई मायनों में भिन्न हैं, जैसा कि मिलेनियल्स पर कई लेखों ने नोट किया है। उनके पास इंटरनेट तक पहुंच है, और सोशल मीडिया टूल्स की दिग्गजों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। इसके अलावा, वे छात्र संगठनों, आस्तिक समुदायों, सेवा-शिक्षण पाठ्यक्रमों, वैकल्पिक अवकाशों व कई अन्य संगठित गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक सेवा में कहीं अधिक व्यापक और गहराई से लगे हुए हैं।

कॉलेज को यह जानने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण अनुभवों को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है कि महत्वपूर्ण चिंतन एक आवश्यक भूमिका निभाता है। संस्थानों को समाज में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करके छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए। कॉलेज में, सीखना उतना ही विविध है जितना कि सामान्य रूप से सामाजिक अनुभव की सीमा, और गतिविधियों की एक विस्तृत विविधता है। वे समाजशास्त्रीय निहितार्थ वाले किसी विशेष सामाजिक संदर्भ में उपयुक्त विकल्पों की विशेषज्ञता की पेशकश कर सकते हैं। विशेषज्ञता के विकल्प छात्रों की विशेष सामाजिक संदर्भ में उपयुक्त विकल्प बनाने की क्षमता में सकारात्मक योगदान देंगे।

लेखक चर्चा और थिंक-पेयर-शेयर से लेकर कॉन्सेप्ट मैपिंग, डिबेट, रोल-प्ले से लेकर सामाजिक क्षणों को विकसित करने तक के लिए कई गतिविधियों का उपयोग करने की सलाह देता है, जहां छात्र संवाद, महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कौशल में महारत हासिल करते हैं और सामाजिक वास्तविकताओं का पता लगाते हैं। हिंसा, मादक द्रव्यों के सेवन, अलगाव, असमानता पर केंद्रित मामलों का उपयोग व छात्रों को समाज का अधिक सक्षम सदस्य बनने हेतु सामाजिक परिवर्तन की अपनी समझ को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है।

उदाहरण के लिए, भारत में, कई परिवारों की स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच सीमित है, लेकिन वे भेदभाव, गरीबी और खतरनाक वातावरण में रहने से भी जूझ रहे हैं, ऐसे में बीमारी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। साक्ष्य-आधारित सामाजिक रणनीतियों के साथ, छात्र स्वास्थ्य देखभाल की खाई को पाटने में मदद कर सकते हैं और जरूरतमंद परिवारों को व्यावहारिक समाधान प्रदान कर सकते हैं।

कौशल प्राप्त करने से पहले जो उनकी प्रभावी सामाजिक भागीदारी की अनुमति देगा, उन्हें समाज की प्रक्रियाओं और मूल्य को समझना होगा। उनके पास इस तरह की समझदारी की कमी हो सकती है। छात्रों को यह नहीं पता होगा कि कैसे बात करनी है, कैसे सोचना है, क्या करना है, क्या महत्व देना है। हालांकि, छात्र के पिछले सामाजिक अनुभव, उनकी अनुकूलन क्षमता और बाद में दूसरों के साथ व्यवहार करने की क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों में अनुकूलन क्षमता, आत्म-जागरूकता शामिल होती है, जो उनकी कार्रवाई को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है और वे पर्यावरण के अर्थ की प्रतिक्रिया और व्याख्या कैसे करते हैं।

अंत में, लेखक का तर्क है कि कॉलेजों को समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ भागीदारी विकसित करनी चाहिए, जो सामाजिक आयामों पर जिला-व्यापी प्रशिक्षण आयोजित करते हैं। सामाजिक, परिवार-केंद्रित हस्तक्षेप व्यक्तियों को दुर्व्यवहार की जल्द से जल्द पहचान करने और भविष्य में इसे होने से रोकने में मदद कर सकते हैं। आय सृजन का समर्थन करने वाली और आर्थिक कठिनाई को कम करने वाली नई नीतियों को अपनाने से, छात्र संघर्षरत परिवारों का अधिक प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन/सेवा करते हैं।

-लेखक फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर हैं

आगामी वर्ष

देवरूप धर का कहना है कि 2022 मानव संसाधन समारोह के लिए एक विशेष वर्ष होने का वादा करता है, जिसमें स्पष्ट आवश्यकता और खुद को फिर से तैयार करने की गुंजाइश है। इस साल ध्यान डिजिटल और समग्र स्वास्थ्य तथा कर्मचारियों की भलाई पर अधिक होगा।

मौजूदा महामारी और उसके बाद के हाइब्रिड वर्क मॉडल ने एचआर फंक्शन के संचालन के तरीके में महत्वपूर्ण व्यवधान ला दिया है। जैसा कि हम 2022 में प्रवेश कर रहे हैं, मानव संसाधन कार्य को बदलते समय व लोगों की जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने के लिए महत्वपूर्ण रूप से नए सिरे से सोचने और खुद को नए सिरे से पेश करने की आवश्यकता होगी। एचआर कार्य के सामने आलोचनात्मक प्रश्न होंगे :

- नीतियों के नए सेट तैयार करने हेतु लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए मानव संसाधन नीतियों के प्रवर्तक बनकर विकसित होना
- भौतिक आभासी दुनिया में संगठनात्मक संस्कृति का निर्माण
- संचार पर एक नया प्रतिमान रचना जब आप नियमित रूप से अपने कर्मचारियों से नहीं मिलते या नहीं देखते हैं
- कर्मचारियों के बढ़ते चिंता स्तर का समाधान करें और उनकी समग्र भलाई में उनकी मदद करें

एचआर प्रथाओं को हाइब्रिड वर्क मॉडल के साथ तालमेल बिठाने के लिए फिर से तैयार किया जाएगा

कार्यालयों से और कुछ घर से या कार्यालय से दूर काम करने वाले कुछ कर्मचारियों के साथ काम करने का हाइब्रिड तरीका एक वास्तविकता है और इसके कायम रहने की उम्मीद है।

यहां तक कि जब महामारी कम हो जाती है, तब भी कई कंपनियों के काम करने हेतु हाइब्रिड मोड के साथ बने रहने की उम्मीद है।

मानव संसाधन कार्य को उसी के अनुरूप खुद को संरेखित करने और फिर से खोजने और नीतियों, प्रक्रियाओं और प्रथाओं को लाने की जरूरत है जो इसका समर्थन करते हैं। उदाहरण के लिए, कर्मचारियों के लिए परिवहन भत्ते की पात्रता पर नीतियों को बदलने की आवश्यकता हो सकती है, भर्ती की प्रक्रिया कम व्यक्तिगत साक्षात्कार के साथ बदल जाएगी, सीखने और विकास कार्यक्रमों को और अधिक डिजिटल बनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसी तरह, कंपनियां घर से काम करने के विकल्पों के साथ लौटने वाली माताओं के लिए अधिक आकर्षक कार्य नीतियां पेशकश करने में सक्षम हो सकती हैं।

लाभ और इनाम प्रबंधन प्रणाली को महत्वपूर्ण परिशोधन की आवश्यकता होगी

लाभ और इनाम प्रबंधन प्रणाली को पारंपरिक मौद्रिक लाभों से परे देखने व कर्मचारियों और उनके परिवार के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने वाले पहलुओं को लाने की आवश्यकता होगी। कर्मचारियों के समग्र लाभ को देखने वाले संगठन फलते-फूलते और बढ़ते रहेंगे।

डिजिटल एचआर समय की मांग होगी

मानव संसाधन कार्य को एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जीवंत करना होगा, विशेष रूप से मोबाइल ऐप पर, ताकि सभी कर्मचारियों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जा सके क्योंकि व्यक्तिगत बैठकें और चर्चा दुर्लभ होगी।

कंपनियां एक ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म में निवेश करने पर विचार करेंगी जो कर्मचारियों के लिए संगठन संस्कृति, लोकाचार और मूल्यों सहित संपूर्ण मानव संसाधन कार्य को डिजिटल प्लेटफॉर्म में ला सके ताकि वे जिस संगठन में काम कर रहे हैं उसे महसूस कर सकें और समझ सकें।

एचआर को मानसिक स्वास्थ्य और टीम की भलाई का समर्थन करने की आवश्यकता होगी

एचआर कार्य कार्यालय में कर्मचारियों की जरूरतों का समर्थन करने से आगे बढ़ेगा और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के साथ टीम की समग्र भलाई को देखेगा। टीम के साथ काम करने वाले मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों, परामर्शदाताओं के साथ मानव संसाधन कार्य को मजबूत करने की आवश्यकता होगी।

देवरूप धर
को-फाउंडर - मैनेजिंग डायरेक्टर प्राइमस पार्टनर्स

महामारी और उसके बाद के हाइब्रिड वर्क मॉडल और डिजिटल ड्राइव ने यह सुनिश्चित किया है कि लोगों को इस बदलते कार्य वातावरण और बाजार में सफल होने के लिए नए कौशल की आवश्यकता होगी। अधिकांश नए कौशल और योग्यता निखार अभियानों को वर्चुअल स्तर पर वितरित करना होगा

एचआर कर्मचारियों का समर्थन करने से परे देखेगा और उनके परिवार की भलाई को देखेगा

घर और कार्यस्थल के बीच का अंतर धुंधला होने और कार्य-समय के लचीले होने से, एचआर कार्य को न केवल अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और भलाई पर ध्यान केंद्रित करना होगा, बल्कि इसे उनके परिवारों तक भी विस्तारित करना होगा। भविष्य में परिवार के सदस्यों के लिए जागरूकता सत्र, परामर्श सत्र, ध्यान सत्र जैसी अभियानों को लेकर आना होगा।

वर्चुअल टीम बॉन्डिंग पर होगा जबरदस्त फोकस

हाइब्रिड कामकाजी माहौल एक वास्तविकता बनने से, एक ही स्थान या कार्यालय परिसर में एक साथ काम करने वाली टीम की पारंपरिक अवधारणा बदल जाएगी और एचआर कार्य को टीमों को जुड़ाव, सहयोग और सौहार्द बनाने में मदद करने में सक्षम होने के लिए खुद को फिर से शुरू करने की आवश्यकता होगी। वे परस्पर दूर स्थित हैं। यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होगा जो उन कंपनियों और संगठनों की सफलता को परिभाषित करेगा जो अलग-अलग जगहों पर स्थित होने पर भी एक एकजुट टीम को चलाने, प्रेरित करने और बनाने में सक्षम हैं और बाजार में जीतेंगे।

लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एल एंड डी) कार्य को टीम के योग्यता निखार और विकास के लिए डिजिटल हस्तक्षेप करने की आवश्यकता होगी

महामारी और उसके बाद के हाइब्रिड वर्क मॉडल और डिजिटल ड्राइव ने यह सुनिश्चित किया है कि लोगों को इस बदलते कार्य वातावरण और बाजार में सफल होने के लिए नए कौशल की आवश्यकता होगी। अधिकांश नए कौशल और योग्यता निखार अभियानों को वर्चुअल स्तर पर वितरित करना होगा और इसलिए एल एंड डी कार्य को नए युग के डिजिटल हस्तक्षेपों जैसे कि गेमिफिकेशन, सिमुलेशन, वीआर के उपयोग के साथ एक बेहतर शिक्षण अनुभव सामने लाने के लिए ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रमों को बदलने और उभारने की आवश्यकता होगी।

2022 मानव संसाधन कार्य के लिए एक विशेष वर्ष होने का वादा करता है, जिसमें स्पष्ट आवश्यकता और खुद को फिर से परिभाषित करने और पुनः पेश करने की गुंजाइश है। डिजिटल और समग्र स्वास्थ्य व कर्मचारियों और उनके करीबी परिजनों की भलाई पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। हाइब्रिड कार्य वातावरण उन्हें कई लाभ प्रदान करने की गुंजाइश भी प्रदान करेगा, जिसमें लौटने वाली माताओं के लिए अधिक आकर्षक कार्य विकल्प प्रदान करने का अवसर भी शामिल है, जिस पर उन्हें विचार करना चाहिए। जो संगठन इन चुनौतीपूर्ण समय में कामयाब होंगे, वे वही होंगे जहां एचआर कार्य लक्ष्यानुरूप होगा और इन चुनौतियों का सामना करेगा।